राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 115
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
मंगलवार 08 नवंबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 भाजपा सांसद प्रवेश साहिब सिंह की मांग, सत्येन्द्र जैन मामले की सीबीआई करें जांच और तिहाड़ से उन्हें किया जाए दूसरी जगह शिफ्ट | पेज 5 कुलदीप सेंगर के खिलाफ रेप मामले में 3 पुलिसकर्मियों पर कसा शिकंजा, कोर्ट ने दिए आरोप तय करने के आदेश | पेज 7 इमरान खान केस में पाक सुप्रीम कोर्ट की एंट्री, 24 घंटे का अल्टीमेटम; स्वत: संज्ञान लेने की चेतावनी भी

जारी रहेगा ईडब्ल्यूएस आरक्षण

सीजेआई और जस्टिस भट सहमत नहीं, 3 जजों की नजर में सही

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लोगों को 10 प्रतिशत आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुहर लगा दी। इस फैसले का फायदा सामान्य वर्ग के लोगों को शिक्षा और सरकारी नौकरी में मिलेगा। 5 न्यायाधीशों में से 3 ने इकोनॉमिकली वीकर सेक्शंस रिजर्वेशन पर सरकार के फैसले को संवैधानिक ढांचे का उल्लंघन नहीं माना। यानी अब यह आरक्षण जारी रहेगा।

दरअसल, 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए सरकार ने सामान्य वर्ग के लोगों को आर्थिक आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण दिया था। इसके लिए संविधान में 103वां संशोधन किया था। कानूनन, आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अभी देशभर में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को जो आरक्षण मिलता है, वो 50 प्रतिशत सीमा के भीतर ही है। केंद्र सरकार के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 40 से ज्यादा याचिकाएं दायर हुई थीं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने 27 सितंबर को अपना फैसला सुरक्षित रखा था।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या फैसला लिया

सीजेआई यूयू ललित, जस्टिस बेला त्रिवेदी, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी, जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस रवींद्र भट की पांच सदस्यीय संविधान बेंच ने इस पर फैसला सुनाया। चीफ जस्टिस और जस्टिस भट EWS के खिलाफ रहे, जबकि जस्टिस माहेश्वरी, जस्टिस त्रिवेदी और जस्टिस जेबी पारदीवाला ने पक्ष में फैसला सुनाया।

केंद्र की दलील थी- हमने 50 प्रतिशत का बैरियर नहीं तोड़ा

केंद्र की ओर से पेश तत्कालीन अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने सुनवाई के दौरान कहा था कि आरक्षण के 50 प्रतिशत बैरियर को सरकार ने नहीं तोड़ा। उन्होंने कहा था- 1992 में सुप्रीम कोर्ट ने ही फैसला दिया था कि 50 प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए ताकि बाकी 50प्रतिशत जगह सामान्य वर्ग के लोगों के लिए बची रहे। यह आरक्षण 50 प्रतिशत में आने वाले सामान्य वर्ग के लोगों के लिए ही है। यह बाकी के 50 प्रतिशत वाले ब्लॉक को डिस्टर्ब नहीं करता है।

श्री गुरु नानक देव जयंती

प्रधानमंत्री नई दिल्ली में श्री गुरु नानक देव जी की 553वीं जयंती समारोह में भाग लेते हुए।

कश्मीर में बर्फबारी, बारिश, तापमान में गिरावट

श्रीनगर। कश्मीर के गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट सहित ऊंचे इलाकों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में वर्षा होने के कारण सोमवार को यहां का तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

मौसम विज्ञान केन्द्र ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि अगले 12 घंटों में जम्मू-कश्मीर में व्यापक रूप से हल्की से मध्यम वर्षा और बर्फबारी होने के आसार हैं, इसके बाद मंगलवार को मौसम में सुधार होगा। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले और जम्मू क्षेत्र के राजौरी और पुंछ जिलों से जोड़ने वाला पारंपरिक मुगल रोड पीर की गली में बर्फबारी के कारण सोमवार को लगातार दूसरे दिन बंद रहा।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को जोड़ने वाली श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी सड़क भी लगातार दूसरे दिन सोनमर्ग और जोजिला दर्रे पर बर्फबारी के कारण बंद रही। जम्मू-कश्मीर यातायात पुलिस ने सोमवार को भारी वर्षा के कारण विभिन्न स्थानों पर हो रहे भूस्खलन पथराव के मद्देनजर जम्मू और श्रीनगर की यातायात नियंत्रण इकाइयों से सड़क की स्थिति की पुष्टि करने के बाद ही लोगों को श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रा करने की सलाह दी है।

चौथी बेटी पैदा होने पर लगाई फांसी

कर्नाटक के युवक ने तीसरी बच्ची पर भी सुसाइड की कोशिश की थी

बैंगलुरु। कर्नाटक के एक युवक ने चौथी बेटी पैदा होने पर फांसी लगा ली। पुलिस ने इसकी जानकारी रविवार को दी। पुलिस के मुताबिक, घटना बेंगलुरु के सेट्टीहल्ली की है। मृतक की मां ने बेटे को फांसी पर लटका देखा। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

34 साल के मृतक लोकेश की नौ साल पहले आंध्र प्रदेश के पुंगनूर की महिला से शादी हुई थी।

तीन साल पहले उनकी पत्नी ने तीसरी बेटी को जन्म दिया था। उस वक्त भी लोकेश को बेटा होने की उम्मीद थी, क्योंकि उनकी पहले से दो बेटियां थी।

तीसरी बेटी पर भी सुसाइड की बात कही थी

जब लोकेश की तीसरी बेटी हुई, तब भी उन्होंने अपने दोस्तों से सुसाइड करने की बात कही थी। लेकिन उस वक्त दोस्तों और परिवार वालों ने उन्हें काफी समझाया था। अब जब उनकी पत्नी को चौथा बच्चा होने वाला था, तो उन्हें लगा कि इस बार उनके घर बेटा जन्म लेगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

देश में कोरोना से 1,252 लोग हुए स्वस्थ

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 संक्रमण से 1,252 मरीजों की सेहत में सुधार हुआ है, जिससे अब कोरोना से निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 4,41,16,492 हो गयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 930 नये मामले सामने आने के साथ संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,46,61,516 तक पहुंच गयी है और सक्रिय मामले 324 हैं एवं सक्रिय दर 0.03 प्रतिशत है। इसी अवधि में कोरोना महामारी से दो मरीजों की मौत होने मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 5,30,509 हो गया है और मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत और स्वस्थ दर 98.78 प्रतिशत है।

पिछले 24 घंटों में आठ राज्यों में कोराना के मामलों में बढ़ोतरी हुई है और अन्य राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में इसके मामलों में कमी देखी गयी है। सबसे ज्यादा कर्नाटक में 90 कोरोना मामलों में बढ़ोत्तरी हुई है, इसके बाद पंजाब में आठ, आन्ध्र प्रदेश में सात, बिहार में सात कोरोना मामले सामने आए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने छावला गैंगरेप के दोषियों को बरी किया

हाईकोर्ट ने दी थी फांसी की सजा, कहा था- ये हिंसक जानवर, शिकार ढूंढते हैं

नई दिल्ली। 2012 में दिल्ली के छावला में हुए गैंगरेप केस में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को चौंकाने वाला फैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने गैंगरेप के 3 दोषियों को बरी कर दिया, जबकि हाईकोर्ट और निचली अदालत ने इन्हें फांसी की सजा सुनाई थी।

पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने 19 साल की लड़की से गैंगरेप के मामले में फांसी की सजा सुनाते हुए दोषियों के लिए बेहद तल्ख टिप्पणी की थी। हाईकोर्ट ने कहा था- ये वो हिंसक जानवर हैं, जो सड़कों पर शिकार ढूंढते हैं। अब सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने इस फैसले को पलट दिया है।

1. उत्तराखंड की लड़की से 14 फरवरी 2012 को हुआ रेप

दिल्ली के छावला इलाके से 9 फरवरी 2012 को उत्तराखंड की 19 साल की लड़की का अपहरण किया गया था। कई दिनों बाद 14 फरवरी को लड़की की बॉडी हरियाणा के रेवाड़ी में एक खेत में मिली थी। बॉडी को जला दिया गया था।

2. लड़की को सिगरेट से दागा, तेजाब डाला

दिल्ली के नजफगढ़ में केस दर्ज किया गया था। शिकायत में कहा गया कि आरोपी लड़की को गाड़ी में बिठाकर दिल्ली से बाहर ले गए थे। गैंगरेप के दौरान उसके शरीर को सिगरेट से दागा और चेहरे पर तेजाब डाला गया। उसके शरीर पर कार में रखे औजारों से हमला किया गया। इसके बाद हत्या कर दी। इस केस में रवि कुमार, राहुल और विनोद को आरोपी बनाया गया था।

3. गैंगरेप के 2 साल बाद आरोपियों को फांसी सुनाई गई

2014 में निचली अदालत ने रवि, राहुल और विनोद को दोषी पाया और उन्हें फांसी की सजा सुनाई। इसी साल अगस्त में हाईकोर्ट ने भी फांसी की सजा को बरकरार रखा था। अदालत ने दोषियों को सड़कों पर घूमने वाला हिंसक जानवर कहा था।

4. सुप्रीम कोर्ट में पुलिस ने भी सजा कम करने का विरोध किया

हाईकोर्ट के फैसले के बाद दोषियों ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी। दिल्ली पुलिस ने सजा कम किए जाने का विरोध किया था। कहा था कि यह अपराध केवल पीड़िता के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह समाज के खिलाफ अपराध है। दिल्ली पुलिस ने कहा था कि यह जघन्य अपराध है। हम दोषियों को किसी भी तरह की राहत दिए जाने के खिलाफ हैं। पीड़ित लड़की के पिता ने भी कहा था कि मामले के दोषियों को फांसी की सजा दी जाए।

5. दोषियों के वकील ने कहा- चोटें गंभीर नहीं थीं, मुअक्किल दिमाग से कमजोर

दोषियों के वकील ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि इस मामले में उसके मुअक्किलों की उम्र, फैमिली बैकग्राउंड और क्रिमिनल रिकॉर्ड को भी ध्यान में रखा जाए। एक मुअक्किल विनोद दिमाग से कमजोर भी है। पीड़ित को लगी चोटें भी गंभीर नहीं हैं। इस आधार पर वकील ने सजा कम किए जाने की अपील की थी। इस दलील के विरोध में एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भारती ने कहा था- 16 गंभीर चोटें थीं। लड़की की मौत के बाद उस पर 10 वार किए गए। ऐसे ही अपराध मां-बाप को मजबूर करते हैं कि वो अपनी लड़कियों के पंख काट दें।

पुल से सिंध नदी में गिरी ट्रैक्टर-ट्रॉली, 3 की मौत

दतिया में रतनगढ़ माता मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे; 21 गंभीर घायल

एजेंसी

दतिया। दतिया में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली सिंध नदी में गिर गई। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। जबकि 21 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को दतिया और ग्वालियर के अस्पतालों में रेफर किया गया है। प्रशासन ने 3 लोगों की मौत की पुष्टि की है।

ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार लोग रतनगढ़ माता मंदिर से दर्शन करके लौट रहे थे। शाम करीब साढ़े 7 बजे दतिया जिले में सेवड़ा के सनकुआ पर सिंध नदी के छोटे पुल से ट्रैक्टर-ट्रॉली नदी में गिर गई। सूचना मिलते ही दतिया कलेक्टर संजय कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस प्रशासन के लोग भी मौके पर पहुंचे। घायलों को दतिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली में करीब 38 लोग सवार थे

ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार लोग भिंड जिले के दबोह थाना क्षेत्र के जाखोली बिंडवा गांव के रहने वाले हैं। जो रतनगढ़ की माता के दर्शन करने गए थे। यहां सोमवार को मेला भी लगता है। माता मंदिर में जवारे चढ़ाने के बाद सभी लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर लौट रहे थे। ट्रैक्टर-ट्रॉली सेवढ़ा सनकुआं स्थित सिंध नदी के पुराने छोटे पुल से गुजर रही थी। इसी दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली का पहिया पुल में गड्ढे में फंस गया। इससे ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर पुल से नीचे जा गिरी। ट्रॉली में महिलाओं और बच्चों समेत करीब 38 लोग सवार थे। जिस जगह ट्रैक्टर-ट्रॉली गिरी वहां पानी नहीं था।

मेले के लिए आए लोगों ने बचाया

सिंध नदी पर कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाले मेले के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु सनकुआ पहुंचे थे। हादसे को देख लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। उन्होंने रेस्क्यू कर लोगों को निकाला। हादसे में ऊषा पत्नी जगत सिंह कुशवाह (25), कस्तूरी पत्नी चतुर्भुज कुशवाह (40), गब्बर पुत्र बादशाह कुशवाह (26) की मौके पर मौत हो गई। सेंवड़ा तहसीलदार इकबाल मोहम्मद ने बताया कि तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। 21 लोगों को दतिया रेफर किया है। इनमें से चार की हालत गंभीर हैं। सेवड़ा के रहने वाले रमाशंकर नगरिया ने बताया कि पुल का मेंटेनेंस नहीं होने से छोटे पुल की सड़क जर्जर हो गई थी। घायलों को प्राथमिक उपचार देने के लिए 11 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से दतिया मेडिकल भेजा गया।

सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर सुनवाई नौ नवंबर तक स्थगित

नयी दिल्ली। दिल्ली की विशेष अदालत ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर सुनवाई सोमवार को नौ नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी। सांसद/विधायक मामलों के विशेष सीबीआई न्यायाधीश विकास ढुल ने श्री जैन और अन्य की जमानत अर्जी में अभियोजन और बचाव पक्ष के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के अनुरोध पर आगे की सुनवाई नौ नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी। अदालत ने तिहाड़ जेल अधीक्षक को नौ नवम्बर को श्री जैन, वैभव जैन और अंकुश जैन को वर्चुअल माध्यम से पेश करने का निर्देश दिये।

जम्मू-कश्मीर पुलिस की बड़ी कामयाबी

बांदीपोरा में आईईडी ब्लास्ट की साजिश रचने वाले 2 हाइब्रिड आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 2 हाइब्रिड आतंकियों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों बांदीपोरा में आईईडी ब्लास्ट की साजिश रचने में शामिल थे। सेना और पुलिस की ओर से समय रहते आईईडी बरामद कर लेने से सोपोर-बांदीपोरा हाईवे पर बड़ा हादसा टल गया। मालूम हो कि 16 किलोग्राम आईईडी को दो गैस सिलेंडरों में छुपाकर रखा गया था। इसे सुरक्षा बलों की ओर से अक्सर इस्तेमाल किए जाने वाले वाहनों को निशाना बनाने के लिए हाईवे पर रखा गया था।

कश्मीर के एडीजीपी विजय कुमार ने कहा, पुलिस ने केनुसा बांदीपोरा में हाल ही में सामने आए आईईडी विस्फोट मामले को सुलझा लिया है। 2 हाइब्रिड आतंकवादी गिरफ्तार किए गए हैं, जिनकी पहचान इरशाद गनी और शाहिद उर्फ वसीम राजा के तौर पर हुई है। इनके पास से डेटोनेटर के साथ 2 रिमोट कंट्रोल आईईडी बरामद किए गए हैं।

बूढ़ा पहाड़ में विस्फोटकों का जखीरा बरामद

दूसरी ओर, झारखंड में लातेहार के बूढ़ा पहाड़ में सुरक्षाबलों को फिर बड़ी कामयाबी मिली है। यहां से सुरक्षाबलों ने बड़ी संख्या में सिलेंडर बम व विस्फोटक सामग्री बरामद की है। पुलिस का दावा है कि इन्हें जवानों को निशाना बनाने के लिए नक्सलियों ने छिपा रखा था। लातेहार एएसपी (अभियान) संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि सूचना मिली थी कि सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए माओवादियों ने बूढ़ा पहाड़ में बम और विस्फोटक रखा है। इस सूचना पर अभियान चलाया गया। इसी दौरान यह सफलता मिली। बमों को डिफ्यूज कर दिया गया है।

'इन्हीं का चुनाव आयोग, इन्हीं की कोर्ट-कचहरी...'

उपचुनाव में बीजेपी के जीतने पर बरसे राकेश टिकैत

प्रयागराज। यूपी की गोला गोकर्णनाथ सीट पर बीजेपी उम्मीदवार अमन गिरि की जीत के बाद किसान नेता राकेश टिकैत ने बीजेपी पर हमला बोला है। बिना बीजेपी का नाम लिए हुए टिकैत ने कहा कि चुनाव आयोग से लेकर कोर्ट-कचहरी तक सही उन्हीं (बीजेपी) के हैं। बीजेपी को जनता वोट नहीं दे रही है, लेकिन फिर भी जीत उनकी ही हो रही है।

प्रयागराज पहुंचे राकेश टिकैत से जब पूछा गया कि उपचुनाव में बीजेपी की जीत हुई है तो उन्होंने कहा, जब बेईमानी होती है तो कोई असर नहीं पड़ता। इन्हीं (बीजेपी) का इलेक्शन कमिशन है, कोर्ट-कचहरी और अधिकारी सब इन्हीं के है। सब बेईमानी से होगा। पूरी यूपी सरकार बेईमानी से बनी है। जनता वोट नहीं दे रही है, लेकिन बेईमानी से जीत मिल रही है। 2024 में भी बीजेपी की ही जीत होने जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि बेईमानी से सारा काम होगा। अगला टारगेट प्रेस है। जितने दिन जान बचानी है बचा लीजिए, अगला टारगेट प्रेस पर है।

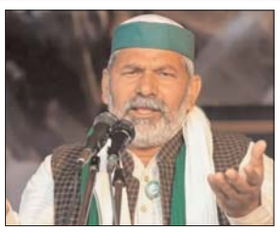

मालूम हो कि पिछले साल लखीमपुर खीरी में हुए थार कांड के बाद से राकेश टिकैत ने कई बार वहां के दौरे किए थे। इसके अलावा, उन्होंने केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी के इस्तीफे की भी मांग की थी। वहीं, लंबे समय तक चले किसान आंदोलन में भी टिकैत ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। आखिर में पिछले साल के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों कृषि कानूनों को रद्द कर दिया था।

बीजेपी विधायक अरविंद गिरि के निधन के बाद खाली हुई गोला गोकर्णनाथ विधानसभा सीट भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अमन गिरी ने समाजवादी पार्टी को चुनाव हरा दिया है। भाजपा के अमन गिरी ने सपा के विनय तिवारी को 34298 वोट से हराया है। जीत के बाद भाजपा के खेमे में जश्न का माहौल है। गोला उपचुनाव के लिए 3 नवंबर को हुए मतदान के बाद सभी की निगाहें नतीजों पर लगी हुई थी।

तल | प्रदेश में 15 विधानसभा और 6 लोकसभा सीटों को कवर करेगी, 2 रैलियां भी होंगी

61वें दिन महाराष्ट्र पहुंची कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा

नई दिल्ली। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा सोमवार को 61वें दिन महाराष्ट्र में प्रवेश कर गई। यह यात्रा महाराष्ट्र में 14 दिनों तक रहेगी। तेलंगाना के कामारेड्डी से यह यात्रा रात करीब 9 बजे महाराष्ट्र में नांदेड़ जिले के देगलुर से महाराष्ट्र पहुंची। राहुल गांधी 10 नंबर को नांदेड़ जिले में और 18 नवंबर को बुलढाणा के शेगांव में रैलियों को संबोधित करेंगे। 14 दिनों में राहुल गांधी की यह यात्रा महाराष्ट्र की 15 विधानसभा और 6 लोकसभा सीटों को कवर करते हुए 20 नवंबर को मध्यप्रदेश में आएगी। दोनों राज्यों की बार्डर पर तेलंगाना कांग्रेस के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी, महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले को राष्ट्रीय ध्वज सौंपा।

महाराष्ट्र कांग्रेस ने राज्य के देगलुर के कलामंदिर में स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के पास यात्रा का स्वागत किया। कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि तेलंगाना कांग्रेस ने कल शाम जुक्कल निर्वाचन क्षेत्र के मदनूर मंडल के मेनुरु गांव में यात्रियों को विदाई देने के लिए एक जनसभा आयोजन किया। रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि हमें तेलंगाना में 'भारत जोड़ो यात्रा' काफी सफल रही है राज्य में लोगों का बड़ा समर्थन मिला। किसान, कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों सभी ने इस यात्रा में हिस्सा लिया और राहुल गांधी के साथ अपनी एकजुटता दिखाई।

यात्रा का कल तेलंगाना में 12वां दिन

तेलंगाना में भारत जोड़ो यात्रा का आज 12वां दिन रहा। यात्रा के तेलंगाना चरण में चार दिन विश्राम भी किया गया था। पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, तेलंगाना में 19 विधानसभा क्षेत्रों और सात संसदीय क्षेत्रों से गुजरने का कार्यक्रम था। महाराष्ट्र में प्रवेश करने से पहले 375 किलोमीटर की यात्रा की जा चुकी है। स्वागत के बाद यात्रा सोमवार रात को फिर से शुरू होगी जिसमें पदयात्री एकता मशाल लेकर चलेंगे।

शरद पवार होंगे शामिल, उद्धव ठाकरे

राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार 8 नवंबर को भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगे। हालांकि शरद पवार बीमार होने के कारण राहुल के साथ एक मील से कम का ही सफर करेंगे। वहीं शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे और उनके बेटे, पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे के यात्रा में शामिल होने पर संशय बना हुआ है।

यात्रा में महाराष्ट्र के दिग्गज बाला साहेब थोरात, भाई जगताप, अशोक चव्हाण समेत कई नेता शामिल होंगे।

शार्ट न्यूज

दस्तगीर साहिब के वार्षिक उर्स का जश्न

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में प्रसिद्ध सूफी संत एवं पीर दस्तगीर साहिब के नाम से विख्यात हजरत शेख सैयद अब्दुल कादिर जिलानी (आरए) का वार्षिक उर्स को धार्मिक उत्साह और जश्न के साथ मनाया रहा है। कश्मीर घाटी के विभिन्न हिस्सों से हजारों अनुयायी सोमवार को उर्स के समारोह में भाग लेने के लिए श्रीनगर के खानयार और सरई बाला पहुंचे। कश्मीर घाटी और विश्व में शांति एवं अमन कायम रहने के लिए बड़ी संख्या में अनुयायियों ने रविवार को दस्तगीर साहिब तीर्थ में रात्रि लंबी प्रार्थना साब ख्वानी में प्रार्थना की। श्रीनगर शहर के खानयार में फज्र नमाज के बाद नम मौसम की स्थिति के बीच बड़ी संख्या में भक्तों के सामने संत के पवित्र अवशेष को प्रदर्शित किया गया। तीर्थ में दो दिनों तक पवित्र अवशेष को दर्शन के लिए रखा जाएगा जिसमें हर प्रार्थना के बाद इसे अनुयायी के पास प्रस्तुत किया जाएगा। वक्फ बोर्ड जम्मू कश्मीर के अध्यक्ष दर्शन अंद्राबी ने तीर्थ पहुंचकर प्रार्थना की और यहां पहुंचने वाले अनुयायियों के लिए अधिकारियों द्वारा की गयी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

ओडिशा में महिला से मारपीट करने के आरोप में पुलिस हवलदार निलंबित

पुरी। ओडिशा में पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में 60 वर्षीया महिला के साथ मारपीट की घटना में एक पुलिस हवलदार को निलंबित करने के साथ ही पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) स्तर की जांच का आदेश दिया गया है। पुलिस अधीक्षक विशाल सिंह ने बताया कि बरहामपुर की माधुरी दास नाम की महिला ने आरोप लगाया कि सोमवार को जब वह मंदिर में पीठासीन देवताओं के दर्शन कर रही थीं, तभी अचानक वर्दी में एक पुलिसकर्मी ने उनके सिर पर वार किया। मंदिर के कुछ कर्मचारियों ने उसे सिर पर खून बहने की चोट के साथ मंदिर एम्बुलेंस द्वारा जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने कहा कि इस मामले में संबंधित पुलिस हवलदार को निलंबित कर दिया गया है और घटना की डीएसपी स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। श्री जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों के विशेष वेश देखने के लिए कार्तिक महीने के इन अंतिम पांच दिनों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है, जिन्हें 'पंचका' के नाम से जाना जाता है।

बंगाल में संदिग्ध आतंकवादी गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोलकाता पुलिस के विशेष कार्य बल ने एक संदिग्ध आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अलकायदा से संबंध रखने वाले संदिग्ध आतंकवादी मनिरुल खान को शुक्रवार को दक्षिण 24 परगना जिले के मथुरापुर से गिरफ्तार किया गया। वह गत अगस्त में गिरफ्तार में किये गये सैफुल से जुड़ा हुआ है। मनिरुल को शनिवार को अदालत के सामने पेश किया गया जिसके बाद उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। विशेष कार्य बल और अन्य जांच एजेंसियां संदिग्ध आतंकवादी को लेकर जांच में जुटी हुयी हैं।

आरिफ ने दो मीडिया चैनलों के पत्रकारों से बातचीत करने से किया इनकार

कोच्चि। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राज्य की मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत सरकार का समर्थन कर रहे मीडिया के खिलाफ अभूतपूर्व कदम उठाते हुए सोमवार को दो समाचार चैनलों के पत्रकारों से बातचीत से इनकार कर दिया। राज्यपाल ने मीडिया वन चैनल और कैराली न्यूज चैनल के पत्रकारों को अपने परिसर से यह कहते हुए चले जाने को कहा कि वह उन लोगों से बात नहीं करना चाहते हैं जो मीडिया का मुखौटा लगाते हैं। उन्होंने कहा, अगर कैराली का कोई मीडियाकर्मी यहां है, तो मैं उनसे बात नहीं करना चाहता। अगर कोई मीडिया वन से है, तो मैं आपसे भी बात नहीं करना चाहता। यहां से चले जाएं। मुझे उम्मीद है कि कैराली और मीडिया वन से यहां कोई नहीं है। कुछ संवाददाताओं के यह कहे जाने पर कि दोनों मीडिया हाउस राजभवन के निमंत्रण पर आये हैं, तो राज्यपाल ने कहा कि कोई गलती हो सकती है और वह अपने कार्यालय पहुंचने के बाद इस मामले को देखेंगे।

पोक्सो का आरोपी युवक अहमदाबाद से गिरफ्तार, नाबालिग भी बरामद

नैनीताल। उत्तराखंड की अल्मोड़ा पुलिस ने यौन शोषण संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) के आरोपी युवक को गुजरात के अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार अल्मोड़ा पुलिस को विगत 30 अक्टूबर को एक महिला ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसकी नाबालिग लड़की को बिराज बिष्ट निवासी बलिया थाना लमगड़ा, अल्मोड़ा बहला-फुसला कर भगा ले गया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस को जांच में आरोपी की लोकेशन अहमदाबाद गुजरात मिली। पुलिस ने एक टीम गुजरात भेजी और आरोपी को तीन नवंबर को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के कब्जे से नाबालिग को भी सकुशल बरामद कर लिया गया है। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

लापता बच्चों के बारे में किया जायेगा सर्वे

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में लापता बच्चों का सर्वे शुरू किया जाएगा। जिला कलक्टर आशीष मोदी ने बताया कि जिले में विभिन्न स्थानों से लापता बच्चों के बारे में सर्वे के आदेश उपखण्ड अधिकारियों को दिए गए है। उन्होंने बताया कि जिले के आंगनबाड़ी और शिक्षा विभाग के जरिए यह सर्वे कराया जाएगा। उन्होंने सभी उपखण्ड अधिकारियों को सर्वे कराकर रिपोर्ट जल्द ही भेजने के निर्देश दिए है। उल्लेखनीय है जिले में कुछ बालिकाओं के लापता होने की जानकारी सामने आई है। इसके बाद यह कदम उठाया गया है।

लूट एवं नकबजनी गिरोह के तीन बदमाश गिरफ्तार

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाडा शहर में लूट एवं नकबजनी गिरोह के तीन बदमाशों को गिरफ्तार एवं एक बाल अपराधी को निरूद्ध किया है। जिला पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्धू ने आज यहां बताया कि गिरफ्तार बदमाशों के गिरोह ने गत पांच दिनों में दस से अधिक लूट एवं नकबजनी की वारदाते करना स्वीकार किया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान राकेश बलाई 19, सुनील धोबी 20, गोलु कोली 18 निवासी मोक्षधाम के पीछे दादाबाड़ी के रूप में की गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी अपने मौज-शौक की पूर्ति, नशे की लत पूरी करने एवं आसान तरीके से पैसा कमाने के लिए वारदातों को अंजाम दे रहे थे। पुलिस आरोपियों से पुछताछ कर रही है।

खेत पर काम करते करंट लगने से युवक की मौत

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर संभाग के सवाईमाधोपुर में खंडार के गांव पीलेंडी में आज खेत पर काम करते हुए बिजली के करंट से एक युवक की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह परिजनों के खेत पर पहुंचने पर सांवरिया गुर्जर 32 करंट के तार से चिपका मिला तो परिजनों के होश उड़ गए। परिजन युवक को लेकर अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में समय रहते शव का पोस्टमार्टम करने में डॉक्टरों की लापरवाही को लेकर परिजनों एवं ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया।

सूरतगढ़ में स्मैक तस्कर और पदमपुर में अवैध हथियारों सहित दो गिरफ्तार

श्रीगंगानगर। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले में पुलिस ने एक व्यक्ति को भारी मात्रा में अवैध रूप से स्मैक तथा दो व्यक्तियों को अवैध हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरतगढ़ सिटी पुलिस थाना क्षेत्र में वेयर हाउस के पास कल देर रात को कार में जा रहे एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से 20 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पकड़े गए युवक युसूफ खान निवासी वार्ड नंबर 15 के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इधर पदमपुर थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर रामकेश मीणा ने बताया कि गांव रत्तेवाला के दो युवकों को अवैध हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। युवक सूरज के कब्जे से 32 बोर का देसी पिस्तौल बरामद हुआ।

मीडिया का भारतीयकरण जरूरी : प्रो. द्विवेदी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा रायपुर में मीडिया परिसंवाद का आयोजन

संवाददाता/गौरवशाली भारत

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा रायपुर में आयोजित मीडिया परिसंवाद को संबोधित करते हुए भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी ने कहा कि आज की पत्रकारिता पश्चिमी मानकों पर टिकी है।

हम अपनी परंपरा को भूल बैठे हैं। हमारी परंपरा लोकमंगल की है, इसलिए हमारी पत्रकारिता भी लोकमंगल के लिए है।

अब हमें मीडिया का भारतीयकरण करना होगा। मीडिया को भारतीय परंपरा के अनुरूप और समाज को आध्यात्मिक आधार पर आगे बढ़ाना होगा।

छत्तीसगढ़ की राजधानी के शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार एवं फिल्मकार राजेश बादल, राज्य उपभोक्ता प्रतितोषण आयोग के अध्यक्ष जस्टिस गौतम चौरडिया, पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू, धार्मिक सेवा प्रभाग, प्रयागराज की अध्यक्ष ब्रह्माकुमारी मनोरमा दीदी, वरिष्ठ पत्रकार शिव दुबे, क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी कमला दीदी एवं कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. शाहिद अली भी उपस्थित रहे।

समाधान परक पत्रकारिता द्वारा समृद्ध भारत विषय पर आयोजित परिसंवाद को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए प्रो. द्विवेदी ने कहा कि कोविड के दौरान मीडिया ने लोगों को जागृत करने का सराहनीय कार्य

किया है। मीडिया ने समाज को महामारी से डराया नहीं, बल्कि समाधान प्रस्तुत किया। आईआईएमसी के महानिदेशक ने सोशल मीडिया में फेक न्यूज से बढ़ रहे खतरे के प्रति सचेत करते हुए कहा कि बिना सोचे समझे किसी भी जानकारी को आगे फॉरवर्ड न करें। उन्होंने कहा कि न बुरा लाइक करें, न टाइप करें और न ही शेयर करें। प्रो. द्विवेदी ने मीडियाकर्मियों को मानसिक शांति के लिए राजयोग मेडिटेशन सीखने का सुझाव दिया।

आजादी के समय थी सकारात्मक पत्रकारिता : बादल

वरिष्ठ पत्रकार एवं फिल्मकार राजेश बादल ने कहा कि पहले पत्रकारिता में धर्म और जाति के आधार पर भेद नहीं था। आजादी के समय सकारात्मक पत्रकारिता थी, लेकिन आज यह टुकड़ों में बंट गई है। यह सोचना ठीक नहीं कि पत्रकार समाज को ठीक नहीं करेगा, बल्कि समाज को उसे सुधारना होगा।

पश्चिम की बुराइयां तो हमने अपना ली, लेकिन समाज के दबाव में आकर हमने अपनी अच्छाइयों को गंवा दिया।

समाज की दिशा और दशा बदलने में मीडिया की अहम भूमिका : जस्टिस चौरडिया

राज्य उपभोक्ता प्रतितोषण आयोग के अध्यक्ष जस्टिस गौतम चौरडिया ने कहा कि समाज की दिशा और दशा को बदलने में मीडिया की अहम भूमिका है।

मीडिया समाज का आईना होता है। मीडिया के माध्यम से समाज को जागरूक कर सकते हैं, किन्तु अच्छे संस्कार कहां से लाएंगे। अच्छे इंसान बनाने के लिए बचपन से अच्छे संस्कार देने की जरूरत है।

वैचारिक क्रांति का श्रेय मीडिया को : मनोरमा दीदी

धार्मिक सेवा प्रभाग, प्रयागराज की अध्यक्ष ब्रह्माकुमारी मनोरमा दीदी ने मीडिया के महत्व को बतलाते हुए कहा कि आजादी के आंदोलन में वैचारिक क्रांति लाने का श्रेय मीडिया को रहा है। आज मीडिया बहुत बदल गया है। टेलीविजन के माध्यम से जो बातें कही जा रही हैं, वह मानसिकता को प्रदूषित कर रही हैं। समाज को किसी समस्या के बारे में बतलाना ठीक है, लेकिन साथ में मीडिया उसका समाधान भी बतलाए।

ममता हत्याकांड का खुलासा, लूट के इरादे से हत्या को दिया गया अंजाम

एजेंसी

नैनीताल। उत्तराखंड के हल्द्वानी में पुलिस ने पांच दिन पहले हुए पुलिस आरक्षी (सिपाही) शंकर सिंह बिष्ट की पत्नी की हत्या की घटना से पर्दा उठा दिया है। हत्या को लूट के इरादे से मकान में ग्रिल लगाने वाले मजदूर ने अंजाम दिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कुमाऊं के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) डा. नीलेश आनंद भरणे द्वारा सोमवार को हल्द्वानी में पत्रकारों के समक्ष इस मामले का खुलासा किया गया। उन्होंने बताया कि हत्या डेढ़ से दो साल पहले शंकर सिंह के मकान में ग्रिल का काम करने वाले मजदूर मोहम्मद अशरफ उर्फ भूरा निवासी 88 सुनेरी वार्ड नंबर-1, किच्छा, ऊधमसिंह नगर द्वारा की गयी है। आरोपी को वार्ड नंबर-11, नई बस्ती, नूरी मस्जिद, किच्छा से गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि आरोपी को पता था कि सिपाही शंकर सिंह बिष्ट बाहर तैनात है और उसकी पत्नी ममता घर में अकेली रहती है। उसने हत्या के दिन ऐसा वक्त चुना जब बच्चे स्कूल गये थे। वह घटना के दिन हल्द्वानी के कालिका कालोनी, गली नं0 6, लोहरियासाल तल्ला, थाना मुखानी पहुंच गया और उसने ममता को बताया कि वह दूसरे घर में ग्रिल लगाने का काम कर रहा है और आपके घर की ग्रिल की फोटो लेनी है। ममता उस वक्त घर में अकेली थी।

सीएम फ्लाइंग ने छापेमारी कर किया अवैध शराब ठेके का भंडाफोड़

जींद। हरियाणा के जींद जिले में सीएम फ्लाइंग ने आज छापेमारी कर अवैध शराब एक ठेके का भंडाफोड़ किया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार सीएम फ्लाइंग दस्ते ने जुलाना पुलिस के साथ मिलकर यह कार्रवाई गांव करसोला से रामकली रोड पर अवैध शराब ठेके की जानकारी मिलने पर की थी। टीन के शेड में चलाये जा रहे ठेके से छापामार टीम ने 19 पेटी शराब तथा बीयर की बरामद की हैं। आबकारी विभाग के निरीक्षक की शिकायत पर जुलाना थाना पुलिस ने शराब ठेके संचालक के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है।

कोलकाता में मॉब लिंचिंग, युवक की हत्या

प्राइवेट फर्म के कर्मचारी को ऑफिस के लोगों ने ही पीट-पीटकर मार डाला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 36 साल के एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह शख्स कोलकाता में स्थित गैर-रजिस्टर्ड फर्म में काम कर रहा था। मृतक की पहचान अमित रंजन चटर्जी के तौर पर हुई है। इस मामले में कंपनी के मालिक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, चटर्जी को शनिवार रात 6 युवकों ने अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने एमआर बांगुर हॉस्पिटल के डॉक्टर्स को बताया कि वह एक एक्सीडेंट में घायल हो गया था। हालांकि, पुलिस की ओर से पीड़ित को लगी चोटें देखने के बाद संदेह हुआ। घायल व्यक्ति को इलाज के दौरान बचाया नहीं जा सका, उसने कुछ ही समय बाद दम तोड़ दिया।

हॉस्पिटल स्टाफ ने एक शख्स को पकड़ा

रीजेंट पार्क पुलिस स्टेशन के ऑफिसर ने बताया, हॉस्पिटल अथॉरिटी ने हमें इसकी जानकारी दी। अस्पताल के स्टाफ ने सोमनाथ चक्रवर्ती नाम के शख्स को पकड़कर रखा था, जबकि पांच लड़के वहां से भाग गए। चक्रवर्ती को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। जांच के दौरान पता चला कि आपसी झगड़े के बाद चटर्जी के साथ काम करने वाले लड़कों ने ही उसे पीट-पीटकर मार डाला।

'कंपनी के नाम पर लिए थे 3 लाख रुपये'

पीड़ित बीरभूम जिले का रहने वाला था। वह पिछले 9 महीनों से प्राइवेट फर्म में काम कर रहा था। यह फर्म लोगों को लोन मुहैया कराता था। वह करीब 2 साल पहले कोलकाता आया था और कुडघाट इलाके में रह रहा था। कंपनी के मालिक सुमन मंडल ने बताया कि चटर्जी ने लोगों से फर्म के नाम पर करीब 3 लाख रुपये लिए थे। उसने ये पैसे कंपनी के अकाउंट में जमा ही नहीं किए। जब इसे लेकर हमने उससे बात की तो लड़ाई शुरू हो गई।

बंगाल में हेल्थ इमरजेंसी, डेंगू पर काबू पाने के लिए केंद्र भेजे टीम

सुवेंदु अधिकारी का स्वास्थ्य मंत्री को पत्र

कोलकाता। टीएमसी के पूर्व नेता और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने बंगाल में बढ़ते डेंगू मामलों को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया को पत्र लिखा है। इसके जरिए उन्होंने केंद्र से राज्य में डॉक्टरों की टीम भेजने की अपील की है, ताकि राज्य सरकार को गाइड किया जा सके और लोगों की राहत मिले। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में इन दिनों हेल्थ इमरजेंसी के हालात हैं।

सुवेंदु अधिकारी ने ट्वीट करके कहा, पश्चिम बंगाल में डेंगू के हालात कंट्रोल से बाहर जा चुके हैं। ऐसा राज्य सरकार

की अक्षमता के चलते हुआ है। मैंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया को पत्र लिखा है, जिसमें डॉक्टरों और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की एक केंद्रीय टीम भेजने की मांग की है। यह टीम बंगाल सरकार को गाइड करेगी और लोगों को राहत मिलेगी।

'डेंगू की चपेट में पश्चिम बंगाल'

राज्य में डेंगू की भयावह स्थिति की ओर इशारा करते हुए अधिकारी ने लेटर में लिखा, ऐसे समय में जब राष्ट्रीय राजधानी घुट (वायु प्रदूषण) रही है, पश्चिम बंगाल के लोग मच्छरों से पीड़ित हैं। डेंगू ने पश्चिम बंगाल को अपनी चपेट में ले लिया है। पिछले तीन महीनों में राज्य के कई हिस्सों में मामले बढ़े हैं। डेंगू से सबसे बुरी तरह प्रभावित इलाकों कोलकाता, उत्तर 24 परगना, मुर्शिदाबाद, हुगली और हावड़ा शामिल हैं।

बंगाल में 51 हजार से अधिक डेंगू पीड़ित

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में डेंगू पीड़ितों की संख्या 51 हजार से अधिक हो चुकी है। डेंगू से हुई मौतों के आंकड़े को लेकर राज्य सरकार की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, गैर सरकारी रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि राज्य में 70 लोगों की डेंगू के चलते मौत हुई है। कोलकाता में डेंगू से 20 लोग मरे हैं। राज्य के दूसरे हिस्सों से भी मौत की खबरें आई हैं।

ठेकाकर्मी के थप्पड़ मारने के मामले को लेकर आप नेता ने मुंडवाया सिर

चित्तौड़गढ़। राजस्थान के प्रतापगढ़ में अफीम पट्टो में कथित रिश्वतखोरी पर सांसद चन्द्रप्रकाश जोशी की मौजूदगी में एक ठेकाकर्मी को थप्पड़ मारने के विरोध में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अनिल सुखवाल ने आज यहां अपना सिर मुंडवाकर प्रदर्शन किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आप के चित्तौड़गढ़ जिला संयोजक श्री सुखवाल ने कलेक्ट्रेट पर अपना सिर मुंडवाने के बाद कहा कि सांसद एक ठेकाकर्मी को भ्रष्टाचार पर थप्पड़ लगाकर थोथी राजनीति कर रहे है जबकि पट्टों के भ्रष्टाचार में नारकोटिक्स के बड़े अधिकारी शामिल है। उन्होंने कहा कि आम आदमी का भ्रष्टाचार के विरोध में इसी तरह मुखर प्रदर्शन आगे भी जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि अफीम पट्टा वितरण कार्यक्रम में गत दिनों प्रतापगढ़ स्थित नारकोटिक्स कार्यालय पहुंचे श्री जोशी को किसानों ने रिश्वतखोरी की शिकायत की, इस पर कथित रिश्वत लेने वाले एक ठेकाकर्मी को बुलवाया गया जिसने सांसद के सामने 35 हजार रुपए की रिश्वत लेना स्वीकार किया।

माउंट आबू में बंदरों के हमले में 12 से अधिक लोग हुए घायल

माउंट आबू। राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थल माउंट आबू में बंदरों ने हमला कर राह चलते करीब दर्जन लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया।

बंदरों के हमले से जोधपुर के चेना राम, माउंट आबू के रतना देवासी, बड़ौदरा के पर्यटक हितेश गोधारा, सूरत के यतिन पटेल आदि घायल हो गए।

तीन बंदरों के हमले से घायल चेनाराम ने बताया कि वे मजदूरी करने के बाद शाम को बाजार की ओर जा रहे थे कि अधरदेवी चौराहे पर हनुमान मंदिर के समीप अचानक एक साथ तीन बंदरों ने आकर पीछे से हमला कर पिंडलियों, एडियों एवं टांग को जगह-जगह से बुरी तरह चबा डाला। टांगों से भारी मात्रा में खून बह गया। जिससे वे घटनास्थल पर ही अचेत होकर गिर पड़े।

घायल चेनाराम को लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां बंदरों की ओर से चबाये गए चेनाराम की टांग, पिंडलियों समेत अन्य स्थानों पर करीब दो दर्जन टांके आए। इसी तरह से अधरेदवी निवासी रतना देवासी अपनी दुकान पर काम कर ही रहे थे कि बंदरों ने आकर अचानक उन पर भी हमला कर दिया।

त्रिपुरा में आपराधिक गेम, धारावाहिकों की लत ने ली चार लोगों की जान

एजेंसी

अगरतला। त्रिपुरा के धलाई जिले के कमालपुर के दुरई शिब्बारी गांव में शनिवार को खतरनाक गेम खेलने और आपराधिक धारावाहिकों को देखने के बाद एक किशोर ने एक परिवार के तीन सदस्यों व एक पड़ोसी की हत्या कर दी।

पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने खुलासा किया कि एक किशोर द्वारा हिंसा के खेल पबजी और टीवी पर अपराध धारावाहिकों की लत के कारण एक परिवार के तीन लोगों और एक पड़ोसी की हत्या कर दी गई।

पुलिस ने बताया कि किशोर (17) ने एक घंटे के भीतर दादा (70), मां

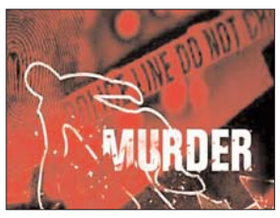

(32), बहन (10) और पड़ोसी (45) के सिर पर प्रहार किया जिसके बाद, वे बेहोश हो गए और फिर चार लोगों को कुल्हाड़ी से काट दिया। उन्होंने बताया कि हत्या के कारण की अभी तक पुष्टि नहीं हुई है।

पीड़िता के पिता हरधन देवनाथ ने खुलासा किया कि किशोर को स्कूल के दिनों से नशे की लत थी, जिसके लिए वह लगातार पैसे की मांग के लिए विवाद करता था।

उन्होंने कहा कि हत्या पैसे के लिए नहीं हो सकती है। ऐसा लगता है कि आरोपी वर्चुअल क्राइम सीन के अत्यधिक संपर्क के कारण योजनाबद्ध तरीके से हत्या को अंजाम दिया।

देवनाथ ने अफसोस जताया कि किशोर को नशे की लत छुड़ाने के लिए माता-पिता ने उसका घर से बाहर जाना बंद कर दिया और उसे घर पर ही एक स्मार्टफोन व केबल कनेक्शन प्रदान किया, जिसके बाद वह अपना अधिकांश समय मोबाइल गेम पर या टीवी पर अपराध धारावाहिक देखने में बिताने लगा।

हाल ही में, वह एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जुए से जुड़ गया और उसने हमें उसे 40 हजार रुपये का भुगतान करने के लिए मजबूर किया। हमने स्थिति को संभालने के लिए किसी तरह पैसे का प्रबंधन किया। लेकिन उसे हत्या के लिए क्या प्रेरित किया, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है।

पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने घटना के बारे में बताया। पुलिस उसके कबूलनामे के आधार पर अपराध स्थल की रूपरेखा तैयार करेगी तथा अपराध के सबूतों और गवाहों के बयान की पुष्टि करेगी।

एक पड़ोसी ने पुलिस को बताया, उसने शनिवार दोपहर को बॉलीवुड गाने बजाने वाले हाई-पिच साउंड सिस्टम के साथ-साथ देवनाथ के घर में किशोरी के रोने की आवाज सुनी लेकिन कभी नहीं सोचा था कि ऐसी घटना हो सकती है।

नागरिकों के जीवन को खुशहाल बनाने का प्रयास सराहनीय: शिवराज सिंह

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि शासकीय योजनाओं और जन-कल्याणकारी गतिविधियों के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विकास और नागरिकों के जीवन को खुशहाल बनाने के लिए अधिकारी, कर्मचारियों और संस्थाओं के समर्पित प्रयास सराहनीय है।

चौहान ने केन्द्र सरकार से वर्ष 2022 में राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित अधिकारियों, शासकीय योजनाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त जिलों, नवाचार के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2022 से सम्मानित अधिकारियों और मुख्यमंत्री गौरव सम्मान 2022 से सम्मानित संस्थाओं को ट्वीट कर शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीम मध्यप्रदेश का समर्पण और तत्परता अनुकरणीय है। नवाचार श्रेणी में सम्मानित होने वाले चयनित जिलों की टीमों के उत्कृष्ट और अद्भुत नवाचार प्रशंसनीय हैं। चौहान ने मध्यप्रदेश गौरव सम्मान-2022 से सम्मानित होने वाली संस्थाओं को भी बधाई दी है।

चौहान के निर्देश पर एक नवम्बर से आरंभ मध्यप्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम श्रृंखला में राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह में केन्द्र सरकार से वर्ष 2022 में राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों के प्राप्तकर्ताओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। साथ ही शासकीय योजनाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन और नवाचार के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार तथा विभिन्न श्रेणियों में उल्लेखनीय कार्य के लिए संस्थाओं को मध्यप्रदेश गौरव सम्मान के लिए चुना गया है।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण में वर्ष 2021-22 में संपूर्ण राज्य स्वच्छता के लिए ओडीएफ स्थायित्व और ओडीएफप्लस के विभिन्न घटकों के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए पश्चिमी क्षेत्र के राज्यों के वर्ग में स्वच्छता सर्वेक्षण (ग्रामीण) 2022 में मध्यप्रदेश को प्रथम पुरस्कार मिलने पर प्रशस्ति-पत्र के लिए प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास उमाकांत उमराव को शुभकामनाएं दी हैं।

नोटबंदी सत्तारूढ सरकार की 'सबसे बड़ी विफलता' : खड़गे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को 2016 की नोटबंदी को लेकर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार पर फिर से हमला किया और इसे सत्तारूढ़ सरकार की सबसे बड़ी विफलता करार दिया। खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा, प्रधानमंत्री ने अभी तक इस बड़ी विफलता को स्वीकार नहीं किया है जिसके कारण अर्थव्यवस्था चरमरा गयी थी। कांग्रेस अध्यक्ष ने ट्वीट कर कहा, देश को काले धन से मुक्त कराने के लिए नोटबंदी का वादा किया गया था, लेकिन इससे कई व्यवसाय खत्म हो गए और लोगों को नौकरियों के लाले पड़ गए। उन्होंने यह भी दावा किया कि मास्टरस्ट्रोक के छह साल बाद भी 2016 की तुलना में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नकदी 72 प्रतिशत अधिक है।

बर्फबारी के कारण मनाली-लेह मार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए बंद

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय इलाकों में हल्की बर्फबारी होने से ठंड बढ़ गई है तथा मैदानों में मौसम सुहावना रहा। लाहौल स्पीति के मुख्यालय केलांग से मिली जानकारी के मुताबिक बारालाचा दर्रा में हुई ताजा बर्फबारी से मनाली-लेह मार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दी गई है। रोहतांग दर्रा के साथ शिंकुला, कुंजम दर्रा सहित ऊंची चोटियों सहित लाहौल के कई रिहायशी इलाकों में बर्फबारी हुई है। पिछली रात रुक-रुक कर बर्फबारी होती रही। दारचा-शिंकुला मार्ग भी शिंकुला टॉप पर बर्फबारी से अवरुद्ध हो गया है। उदयपुर-पांगी-किलाड़ सड़क पर लोहनी नाले में भूस्खलन होने से वाहनों की आवाजाही पर रोक लग गई है। लाहौल स्पीति जिला उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुमित खिमटा ने कहा कि सर्दियों और हिमपात को मध्य नजर रखते हुए मनाली लेह राष्ट्रीय राजमार्ग तीन आधिकारिक तौर पर सात नवंबर से दारचा से सरचू तक सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही के लिए आधिकारिक रूप से बंद किया जाता है।

उन्होंने आदेश में यह स्पष्ट किया है आगामी वर्ष 2023 की गर्मियों तक यह आदेश जारी रहेंगे। उन्होंने यह आदेश आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की धारा 51 के प्रावधानों के तहत जनहित में जारी किए हैं। उल्लंघन होने पर एक वर्ष तक कारावास या जुर्माना या दोनों हो सकता है।

शार्ट न्यूज

डीयू में 'मीडिया एंड अकाउंटेबिल्टी' पर सेमिनार 9 को

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ जर्नलिज्म द्वारा बुधवार, 09 नवंबर को मीडिया एंड अकाउंटेबिल्टी विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के आयोजनों की कड़ी में वरिष्ठ पत्रकार के. आर. मलकानी के शताब्दी समारोह के अवसर पर इस सेमिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के कान्वेंशन हाल में होगा। दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म के निदेशक प्रो. जय प्रकाश दुबे ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय एक्सक्यूटिव काउंसिल के सदस्य श्री राजकुमार भाटिया मुख्यातिथि होंगे और इंटीग्रल ह्यूमेनिजम के आर एंड डी फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ महेश चंद्र शर्मा विशिष्ट अतिथि होंगे। सेमिनार की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह करेंगे। प्रसार भारती बोर्ड के सदस्य श्री अशोक कुमार टंडन सेमिनार में कीनोट स्पीकर होंगे। प्रो. दुबे ने बताया कि इस सेमिनार का उद्देश्य लोकतन्त्र में विशेष रूप से वर्तमान युग में मीडिया की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर चर्चा करना है। उन्होने कहा कि के. आर. मलकानी एक महान दूरदर्शी, इतिहासकार और एक उत्कृष्ट पत्रकार थे जो ऑर्गेनाइजर के प्रथम संपादक बने और सबसे लंबे समय इस अखबार का संपादन किया। वह पांडिचेरी के उप राज्यपाल भी रहे। श्री मलकानि प्रेस की आजादी के कट्टर समर्थक थे।

''मेरा बूथ, सबसे मजबूत''

नई दिल्ली/त्रिपुरा। डा. महेष शर्मा, त्रिपुरा प्रभारी एवं माननीय सांसद गौतमबुद्धनगर त्रिपुरा राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए अगरतला में ''बूथ विजय अभियान'' कार्यक्रम में सम्मिलित हुये। फरवरी माह में त्रिपुरा राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों के दृष्टिगत आप सभी कार्यकर्ताओं से मिले अभूतपूर्व स्वागत एवं अभिनंदन से अभिभूत हूँ।इस अभियान के दौरान मा. मुख्यमंत्री आसाम डॉ हिमंत विश्व शर्मा, त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मानिक साहा जी, माननीय उपमुख्यमंत्री श्री जिष्णु देव बर्मा जी, प्रदेशाध्यक्ष श्री राजीव भट्टाचार्जी जी, पूर्व मुख्यमंत्री एवं माननीय राज्यसभा सांसद श्री विप्लव कुमार देव जी, केंद्रीय मंत्री श्रीमती प्रतिमा भौमिक जी, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संवित पात्रा जी, संगठन महामंत्री श्री फणीन्द्रनाथ शर्मा जी, चुनाव प्रभारी श्री महेंद्र सिंह जी तथा अन्य विशिष्ट जन उपस्थित रहे।

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के उपलक्ष पर सदर बाजार के व्यापारियों ने किया नगर कीर्तन का स्वागत

नई दिल्ली। श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के उपलक्ष पर गुरुद्वारा सीस गंज साहिब चांदनी चौक से चलकर खारी बावली, सदर बाजार, आजाद मार्केट, रोशनारा रोड होते हुए गुरुद्वारा नानक प्याऊ पहुंचा जिसमें भारी संख्या में संगत ने जगह-जगह नगर कीर्तन का स्वागत किया। इस उपलक्ष पर फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन की ओर से कुतुब रोड चौक पर मंच लगाकर नगर कीर्तन का स्वागत कर लंगर वितरित किया इस अवसर पर फेडरेशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा अध्यक्ष राकेश यादव, कार्यवाहक अध्यक्ष रोशनलाल आनंद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरिंदर महेंद्रू, सुरेंद्र भारती, महासचिव सतपाल सिंह मंगा, रजिंदर शर्मा, कमल कुमार नेशलन अकाली दल महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष भावना धवन, सरबजीत कौर, सोना बत्रा दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष कुलदीप सिंह मारवाह ने नगर कीर्तन के साथ-साथ पालकी साहब आप पांच प्यारों का स्वागत किया इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा राकेश यादव ने नॉर्थ डीसीपी सागर सिंह कलसी, एसएचओ सदर बाजार कन्हैया लाल यादव, एसएचओ बाड़ा हिंदू राव गुरनाम सिंह को सिरोपा पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा ने कहा हमें सभी को गुरु नानक देव जी के बताए हुए मार्ग में चलने की जरूरत है उन्होंने कहा बड़ी खुशी की बात है कि 2 साल बाद फिर से नगर कीर्तन के दर्शन हुए हैं हम आगे यही अरदास करते हैं आने वाला समय व्यापार जगत के लिए और समाज के लिए खुशियों भरा आए।

पालतू कुत्ते का आतंक, लेब्राडोर ने तीन साल की मासूम पर किया हमला

गाजियाबाद। आवारा और पालतू कुत्तों द्वारा लोगों पर हमले का सिलसिला जारी है। नया मामला गाजियाबाद के कविनगर थानाक्षेत्र की स्कार्डी ग्रीन गोल्फ लिंक सोसाइटी में सामने आया है, जहां पालतू कुत्ते ने डॉक्टर के तीन साल की बेटी पर हमला कर दिया। गनीमत यह रही कि कुत्ता मासूम को नहीं काट सका। झपट्टा मारते ही बच्ची की मां ने उसे दूसरी तरफ खींच लिया। आरोप है कि कुत्ते के मालिक से विरोध किया तो उसने अभद्रता की। जिसके बाद कविनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। स्कार्डी ग्रीन गोल्फ लिंक सोसाइटी में रहने वाले डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह यशोदा अस्पताल में चिकित्सक हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार को उनकी तीन साल की बेटी सोनायरा अपनी मां के साथ फ्लोर के बाहर बालकनी में बैठी हुई थी। इसी दौरान सोसाइटी में ही रहने वाले जीएस बिष्ट के लैब्राडोर नस्ल के पालतू कुत्ते ने उनकी बेटी पर एकाएक हमला कर दिया। कुत्ते को हमला करता देख उनकी पत्नी की चीख निकल गई और उन्होंने बेटी को खींचकर जैसे-तैसे उसे बचाया। शोर-शराबा होने पर सोसाइटी में भीड़ लग गई और कुत्ते का मालिक भी मौके पर पहुंच गया। डॉ. ज्ञानेंद्र सिह का कहना है कि कुत्ते का मुंह ढके बिना उसे टहलाया जा रहा था। घटना की जानकारी लगने पर वह अस्पताल से सोसाइटी पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जांच- कर शिकायत देने को कहा। कविनगर एसएचओ अमित काकरान का कहना है कि कुत्ते के मालिक जीएस बिष्ट के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

नोएडा फेस 2 में एक्सपोर्ट कंपनी में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौजूद

नोएडा। नोएडा के फेज-2 स्थित एक एक्सपोर्ट कंपनी में भीषण आग लग गई है। मौके पर दमकल गाड़ियां मौजूद हैं जो आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही हैं। आग लगने के बाद आसपास अफरातफरी मच गई है। बताया जा रहा है कि कंपनी जलकर खाक हो गई है। आग कितनी भीषण थी इसका अंदाजा आसमान में उठते काले धुएं के गुबार से लगाया जा सकता है। घटना को लेकर गौतमबुद्धनगर पुलिस ने कहा, %नोएडा फेज-2 के पुलिस थाना अंतर्गत मुश्किन इंटरनेशनल में आग लग गई। पुलिस समेत दमकल की सात गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल के साथ पुलिस और प्रशासन की टीम ने आग बुझाने का काम शुरू कर दिया है।आस-पास की फैक्ट्रियों को खाली कराया गया है। मुश्किन उत्पादों के एक अंतरराष्ट्रीय शॉपिंग स्टोर में सोमवार सुबह आग लग गई। दमकल की सात गाड़ियों ने आग को बुझाया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है। हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इससे पहले 25 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश पुलिस के अधिकारियों ने जानकारी दी थी कि दीवाली की शाम ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बिसरख थाना क्षेत्र के गौर सिटी 2 क्षेत्र में वेदांतम सोसाइटी के एक अपार्टमेंट में आग लग गई थी।

वायु प्रदूषण में आई गिरावट, दिल्ली में कल से खुलेंगे प्राइमरी स्कूल

अब सरकारी कार्यालय पूरी क्षमता के साथ खुलेंगे और दिल्ली के अंदर आने वाले ट्रकों पर लगा प्रतिबंध हटाया गया : गोपाल राय

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि पिछले दो दिनों से एक्यूआई के लेवल में निरंतर गिरावट दर्ज की जा रही है और कल एक्यूआई का लेवल 350 मापा गया। पराली जलाने की घटनाओं में कमी आई है, हवाओं का रूख बदला है तथा उसकी गति भी तेज हुई है। इसलिए सीएक्यूएम ने ग्रेप के चौथे चरण के आदेश को वापस लेने का आदेश जारी किया था। जिसको लेकर आज दिल्ली सचिवालय में सभी संबंधित विभागों के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए मंत्री गोपाल राय ने कहा कि प्राईमरी स्कूल 9 नवम्बर से खुल जाएंगे। साथ ही स्कूल में होने वाली आउटडोर एक्टीविटी पर प्रतिबंध भी हटा लिया गया है। दिल्ली में आने वाले ट्रकों के प्रतिबंध के आदेश को वापस ले लिया गया है। अब दिल्ली सरकार के कार्यालय पूरी क्षमता के साथ खुलेंगे। उन्होंने कहा कि प्राईवेट निर्माण एवं विध्वंस के कार्य पर

प्रतिबंध जारी रहेगा। ग्रेप 3 के तहत लगाए गए सभी प्रतिबंध जारी रहेंगे।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दो दिन पहले दिल्ली और एनसीआर का एक्यूआई लेवल 450 के पार चला गया था जिसके वजह से सीएक्यूएम के निर्देशानुसार दिल्ली में ग्रेप के चौथे चरण के प्रतिबंध को लागू किया गया था। जिसके तहत दिल्ली में आवश्यक सेवाओं से जुड़े ट्रकों को छोड़कर, बाकी ट्रकों का दिल्ली में प्रवेश को रोक दिया गया था।

केवल सीएनजी और इलेक्ट्रिक ट्रकों को ही दिल्ली में प्रवेश की अनुमति थी। प्राईमरी तक के स्कूलों को बंद कर दिया गया था और उसके ऊपर की कक्षाओं में आऊटडोर एक्टीविटी को रोक दिया गया था। साथ ही कार्यालयों में सरकारी कर्मचारियों की उपस्थिति को 50 प्रतिशत कर दिया गया था और बाकी 50 प्रतिशत कर्मचारियों को घर से कम करने का आदेश दिया गया था।

मंत्री गोपाल राय ने बताया कि तीसरे चरण के तहत जो प्रतिबंध लगे हुए थे, वे अभी आगे भी जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि फेस 3 के तहत दिल्ली के अंदर प्राईवेट निर्माण एवं विध्वंस के कार्य पर प्रतिबंध रहेगा। रेलवे, मैट्रो, एयरपोर्ट बस टर्मिनल, नेशनल सिक्योरिटी संबंधित, डिफेंस एक्टीविटी, प्रोजेक्ट आफ नेशनल इम्पार्टेंश, अस्पताल, हेल्थ केयर फेसिलिटी आदि को छोड़कर सभी निर्माण तथा विध्वंस के कार्य प्रतिबंधित रहेंगे। 500 नई पर्यावरण बसें चलाने का आदेश दिया गया है। इस दौरान दिल्ली में मैकनिकल रोड स्वीपिंग, वाटर स्प्रीकलिंग पर फोकस किया जाएगा।

फायर बिग्रेड की जो गाड़ियां हैं, उनका हॉट स्पॉट पर वाटर स्प्रीकलिंग के लिए इस्तेमाल जारी रहेगा। हमारी कोशिश रहेगी कि दिल्ली में जो प्रदूषण का स्तर घट रहा है, वह आगे भी जारी रहे।

'कूड़े पर जनसंवाद' करेगी आम आदमी पार्टी

एमसीडी चुनाव में आप का केंद्रीय मुद्दा कूड़ा होगा, दिल्ली में सभी बूथ पर पार्टी प्रवक्ताओं के जरिए जनसंवाद शुरू होगा

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने कहा कि एमसीडी चुनावों को लेकर आम आदमी पार्टी 8 नवंबर से दिल्ली के सभी बूथ पर कूड़े पर जनसंवाद करेगी। एमसीडी चुनाव में आप का केंद्रीय मुद्दा कूड़ा होगा। दिल्ली में सभी बूथ पर पार्टी प्रवक्ताओं के जरिए जनसंवाद शुरू होगा। इसी संवाद के आधार पर हम एमसीडी चुनाव लडेंगे और एमसीडी में सरकार बनाकर समस्याओं का समाधान करेंगे। दिल्ली के लोग एमसीडी में बदलाव चाहते हैं। दिल्ली की सफाई के जिम्मेदारी भी अरविंद केजरीवाल को देंगे। दिल्ली में विधानसभा चुनाव सीएम केजरीवाल के काम पर हुआ था। एमसीडी का चुनाव भाजपा द्वारा दिल्ली को कूड़ा-कूड़ा करने पर होगा। आप के एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि आम आदमी पार्टी 8 नवंबर से 20 नवंबर तक दिल्ली के सभी 13,682 बूथों पर जनसंवाद करेगी। आप ने जनसंवाद के लिए 600 से ज्यादा प्रवक्ताओं को नियुक्त किया है, उनकी ट्रेनिंग भी हो गई है। जनसभा के दौरान लोगों से कूड़े से संबंधित पांच महत्वपूर्ण प्रश्न पूछेंगे कि क्या कूड़े की सफाई का जिम्मा फिर से उस भाजपा को देंगे जो 15 सालों में यह जिम्मेदारी निभाने में फेल हो गई?

आम आदमी पार्टी की ओर से पार्टी मुख्यालय में महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान आम आदमी पार्टी के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में एमसीडी चुनाव की घोषणा के बाद लोगों में खुशी है कि आखिरकार सारे तिकड़मों के बावजूद भारतीय जनता पार्टी को दिल्लीवालों ने चुनाव कराने के लिए विवश कर दिया। दिल्ली में पिछले एक साल की भारतीय जनता पार्टी की गतिविधियों का अवलोकन करें, तो साफ-साफ दिख रहा है कि दिल्ली के अंदर भारतीय जनता पार्टी एक दिशाहीन पार्टी है। एमसीडी को लेकर भारतीय जनता पार्टी के पास कोई एजेंडा नहीं है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामलीला मैदान में आए, लेकिन 15 साल एमसीडी में सरकार चलाने के बावजूद उनके पास 15 साल की एक भी उपलब्धि गिनाने के लिए नहीं थी।

एमसीडी के मई में चुनाव थे लेकिन जवाब देने की स्थिति न होने के चलते इन्होंने चुनाव टालने का सोचा, वरना जमानत जब्त होगी। पहले इस दिशाहीन पार्टी ने दिल्ली में एमसीडी चुनाव टालने के लिए षड्यंत्र किए कि अगर चुनाव टालेगे तो हमारे अनुकुल परिस्थितियां बनेगी और चुनाव जीतेंगे।

गुरुग्राम में स्टंट के दौरान 3 लोगों को कुचलने का वीडियो आया सामने, 7 आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। गुरुग्राम के उद्योग विहार फेज-चार इलाके में शराब के नशे में धुत युवक ने कुछ दिनों पहले स्टंट के चक्कर में तीन लोगों को जबरदस्त टक्कर मारी थी। टक्कर लगने से 50 वर्षीय अधेड़ की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए सात आरोपियों को सोमवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से वारदात में इस्तेमाल की गई गाड़ी को जब्त कर लिया गया है। सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश का जेल भेज दिया गया है। जबकि एक आरोपी अस्पताल में भर्ती है। इस घटना का वीडियो भी अब सामने आया है। इस वीडियो में नजर आ रहा है कि सफेद रंग की कार काफी तेजी से कुछ लोगों की तरफ बढ़ती है। लोगों के करीब आने से पहले यह कार तेजी से मुड़ती है लेकिन अचानक ड्राइवर कार पर से अपना नियंत्रण खो बैठता है। इसके बाद यह कार सड़क किनारे खड़े कुछ लोगों को कुचलती हुई आगे बढ़ जाती है। कार की टक्कर लगाने से लोग एक-दूसरे पर गिरने लगते हैं। इसके बाद कार चालक अपनी कार को लेकर काफी तेजी से वहां से निकल जाता है। बीते दिनों गुरुग्राम के उद्योग विहार फेज-4 में कथित तौर पर करीब 10 से 12 युवकों को तीन कारों- मारुति अर्टिगा, हुंडई वेन्यू और हुंडई क्रेटा से तड़के करीब दो बजे एक शराब की दुकान के सामने स्टंट करते देखा गया था। इनमें से कार से स्टंट कर रहे एक शख्स ने शराब के नशे में लोगों को टक्कर मार दी थी, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए।

वेगस मॉल में भव्य देव दिवाली का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली के डिलाइट जोन वेगस मॉल ने मॉल में देव दिवाली समारोह का आयोजन किया। हिन्दू धर्म में देव दीपावली की एक खास मान्यता है। इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध किया था और इसी जीत का उत्सव मानाने के लिए देव दिवाली मनाई जाती है।

देव दिवाली की उत्तर भारत में के विशेष मान्यता है। गंगा घाटों और मंदिरों में दीपदान कर धूम धाम से मनाया जाता है। इसी मान्यता के साथ वेगस मॉल ने भव्य तरीके से मानाने के लिए देव दोपवाली का आयोजन 7 नवंबर को शाम 7 से 9 बजे तक दो घंटे के लिए आयोजित किया गया था।

समारोह की अध्यक्षता पंडित माननीय अजय भाई जी ने की। देव दीपावली समारोह की शुरुआत खूबसूरती से बनाए 'पुष्पक विमान' की प्रस्तुति के साथ हुई। लोगों ने इसके प्राचीन विवरण और भव्य स्वरूप की प्रशंसा की।

देव दीवाली के उत्सव को आलौकिक रूप से देने के लिए हजारों दीये जलाए। यह कार्यक्रम शाम को आयोजित किया गया था। देव दिवाली में शाम की आरती माननीय अजय भाई जी ने की और यहां आए लोगों ने उनके साथ भगवान की स्तुति की। आरती के बाद भजन और भक्तिमय गीतों की सुंदर प्रस्तुति दी गई। यहां की गई संध्या आरती ने लोगों को बनारस की देव दीवाली कि याद दिला दी।

वेगस मॉल के एवीपी रविन्द्र चौधरी ने कहा, देव दीपावली के साथ हमने द्वारका उपनगर के लोगों को अपनी दिव्य सस्कृतिक और प्रथाओं से जोड़ने का प्रयास किया है। यहां आए लोगों को पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ इस उत्सव का हिस्सा बनते देखना एक उत्साहित करने वाला अवसर था। यहां पर अजय भाई जी की उपस्थिति ने इसे बहुत खास बनाया और उनके शब्दो एवं भजन ने लोगों को विभोर कर दिया।

भाजपा सांसद प्रवेश साहिब सिंह की मांग, सत्येन्द्र जैन मामले की सीबीआई करें जांच और तिहाड़ से उन्हें किया जाए दूसरी जगह शिफ्ट

सत्येन्द्र जैन ने तिहाड़ को बनाया वसूली का अड्डा : प्रवेश साहिब सिंह

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भाजपा सांसद श्री प्रवेश साहिब सिंह ने आज एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि एक समय था जब तिहाड़ जेल का नाम सुनकर अच्छे-अच्छे आरोपी डर जाते हैं, लेकिन आज दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सरकार के मंत्री भी उस जेल से नहीं डर रहे हैं। उलटा केजरीवाल के मंत्री सत्येन्द्र जैन ने तिहाड़ को वसूली का अड्डा बना डाला है और साथ ही वहां मसाज करवा रहे हैं। प्रेसवार्ता में प्रदेश प्रवक्ता श्री यासिर जिलानी और मीडिया सह प्रमुख श्री हरिहर रघुवंशी उपस्थित थे।

प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि केजरीवाल भाजपा पर ऑपरेशन लोटस को लेकर कई आरोप लगा चुके हैं, लेकिन अभी तक ना ही कोई फोन नंबर बताते और ना ही कोई पता। सुकेश चंद्रशेखर ने सिर्फ फोन नंबर ही

नहीं बल्कि कार नंबर और जगह की भी बात अपने पत्र में लिखी है। उन्होंने कहा कि सत्येन्द्र जैन एक ऐसे मंत्री हैं जिनके खिलाफ जांच वे लोग कर रहे हैं जो उनके द्वारा ही नियुक्त किए गए हैं। आज तिहाड़ जेल में जो कुछ भी हो रहा है, वह सब एक-दूसरे के सहयोग से क्योंकि तिहाड़ के मालिक ही तिहाड़ के अंदर बंद है।

प्रवेश साहिब सिंह ने मांग करते हुए कहा कि जब तक जेल मंत्री के ऊपर आरोप है और जांच चल रही है तब तक केजरीवाल उन्हें अपने पद से बर्खास्त करें और साथ ही सत्येन्द्र जैन को हरियाणा या उत्तर प्रदेश के किसी जेल में शिफ्ट किया जाए क्योंकि सत्येन्द्र जैन ने तिहाड़ को ही भ्रष्टाचार का अड्डा बना डाला है। उन्होंने कहा कि तिहाड़ भारत सरकार के अंदर नहीं बल्कि केजरीवाल सरकार के अधीन है। जेल का सुपरीटेंडेंट दिल्ली सरकार को अधिकारी होता हैं और इसलिए सत्येन्द्र जैन उनका गलत इस्तेमाल कर रहे हैं।

प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि सुकेश खुद ही सीबीआई की जांच की मांग कर रहा है और साथ ही अपनी बातों को प्रमाणित करने की भी बात कर रहा है। लेकिन आम आदमी पार्टी को जब कुछ नहीं मिला बोलने को तो कह रही है कि चुनाव के तहत बीजेपी यह झूठे आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में लिप्त केजरीवाल सरकार 10 राज्यसभा सीटों में से 7 सीटें बड़ी रकम देने वालों को दे देते हैं और तीन अपने कार्यकर्ताओं को देकर आम आदमी बनने की नौटंकी करते हैं। सुशील कुमार गुप्ता, अशोक कुमार मित्तल, संजीव अरोड़ा, विक्रम जीत साहनी जैसे लोग इसके उदाहरण हैं जिनका राज्यसभा जाने से पहले तक आम आदमी पार्टी से कोई संबंध नहीं रहा। इसलिए इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी सीबीआई जांच करानी चाहिए और तब तक सत्येन्द्र जैन को तिहाड़ से हटाकर उत्तर प्रदेश या हरियाणा के किसी अन्य जेल में रखना चाहिए।

रील बनाने के चक्कर में 18 साल के युवक के गले में लगी गोली

परिवार ने लगाया हत्या का आरोप

एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में सोशल मीडिया पर रील बनाने के चक्कर में 18 साल के युवक की मौत हो गई। उसकी शनिवार शाम को गले में गोली लगने से मौत हो गई।

मृतक की पहचान वंश के तौर पर हुई है। दो दोस्तों जिनके साथ वंश जवाली गांव में घर से निकला था, ने पुलिस को बताया कि रील बनाते समय गलती से उसके गले में गोली लग गई। हालांकि वंश के परिवार वालों ने उसके दो दोस्तों पर हत्या का आरोप लगाया और उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। दोनों फिलहाल फरार हैं।

टीला मोड़ पुलिस स्टेशन के एसएचओ भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि उन्हें दिल्ली के जीटीबी अस्पताल से फोन आया, जिसमें उन्होंने 18 वर्षीय युवक की मौत की सूचना दी। वंश को जैसे ही गोली लगी उसके दोस्त उसे खून से लथपथ हालत में जीटीबी अस्पताल ले गए और वहां अधिकारियों को बताया कि उसने गलती से खुद को गोली मार ली। कुमार ने कहा, जब हम अस्पताल पहुंचे तो दिल्ली पुलिस की एक टीम ने हमें सूचना दी कि रील बनाते समय युवक ने गलती से खुद को गोली मार ली। उसके दो दोस्तों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया और उसके बाद फरार हो गए था।

पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि दोनों दोस्त नाबालिग हैं या नहीं। वंश के परिवार के सदस्यों ने कहा कि उसके दोस्तों ने उन्हें शनिवार शाम करीब 7.30 बजे फोन किया और उन्हें जीटीबी अस्पताल आने के लिए कहा क्योंकि वीडियो बनाने के दौरान युवक ने खुद को घायल कर लिया है।

वंश के भाई बंटी ने कहा, जब हम अस्पताल पहुंचे तो मेरे भाई की मौत हो चुकी थी। एक गोली उसके गले में लगी थी। दोपहर में घर से निकले दोनों युवकों का कहीं पता नहीं चल पाया है। उनके फोन भी पहुंच से बाहर हैं।

बंटी ने बताया कि उसके भाई को दोनों दोस्तों ने उसे घर छोड़ने के लिए राजी किया था। बंटी ने आरोप लगाया, उसे रील बनाने में कभी दिलचस्पी नहीं थी। हां वह वीडियो शूट करता था, लेकिन उन्हें सोशल मीडिया पर कभी अपलोड नहीं करता था। उसके दोस्तों ने ही उसे मारा है।

बेटे की मौत के बाद भी वंश के परिवार वालों की मुश्किलों का अंत नहीं हुआ। अधिकार क्षेत्र (ज्यूरिडिक्शन इश्यू) को लेकर उन्हें शिकायत दर्ज कराने के लिए एक पुलिस स्टेशन से दूसरे पुलिस स्टेशन के चक्कर काटने पड़े। पुलिस सूत्रों ने कहा कि अपराध स्थल का एक हिस्सा- लोनी का चिरोड़ी क्षेत्र- टीला मोड़ पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आता है, जबकि दूसरा लोनी पुलिस स्टेशन के तहत आता है।

मैट्रिमोनियल साइट पर मिले युवक ने आईटी इंजीनियर से किया बलात्कार, 30 लाख रुपये भी ठगे

नोएडा। नोएडा में एक आईटी कंपनी की इंजीनियर से कथित तौर पर बलात्कार करने और 30 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। आरोपी युवक और पीड़िता की मुलाकात एक मैट्रिमोनियल साइट के माध्यम से हुई थी। पुलिस ने पीड़ित युवती की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ईटी कंपनी में काम करने वाली युवती का आरोप है कि राहुल चतुर्वेदी नामक युवक से वह वैवाहिक साइट के माध्यम से संपर्क में आई थी। जान-पहचान के बाद उनके बीच मुलाकात का सिलसिला शुरू हो गया। इस बीच राहुल ने शादी का झांसा देकर उससे कई दिनों तक बलात्कार किया और उससे 30 लाख रुपये भी ऐंठ लिए। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) सुशील कुमार ने बताया कि सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के सेक्टर 34 स्थित एक सोसाइटी में रहने वाली युवती ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसने एक वैवाहिक साइट पर शादी के लिए अपना प्रोफाइल डाला था। वह पोस्ट देखकर राहुल चतुर्वेदी ने उससे संपर्क किया और बताया कि वह एक बहुराष्ट्रीय कंपनी (एमएनसी) में काम करता है। उन्होंने बताया कि आरोपी ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर उससे कई बार शारीरिक संबंध बनाए तथा अपनी बातों में फंसा कर उससे 30 लाख रुपये भी ले लिए। उन्होंने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी फरार है उसकी तलाश की जा रही है।

दिव्यांग बच्चों को मुख्य विकास अधिकारी ने किया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में सूरजपुर स्थिति विकास भवन में सोमवार को दिव्यांग बच्चों की समावेशी शिक्षा के क्रियान्वयन हेतु जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मुख्य विकास अधिकारी तेज प्रताप मिश्र शामिल हुए। कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक प्रोग्राम भी किया गया। जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई कर रहे दिव्यांग बच्चों के उत्थान के बारे में कई चर्चा हुई, साथ ही इनको आगे बढने के लिए जोर दिया गया। बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पुरस्कार वितरित किया गया।

'दिव्य धर्म यज्ञ दिवस' के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय अखंड भंडारे का आयोजन

नई दिल्ली। संत रामपाल जी महाराज जी के तत्वावधान में 'दिव्य धर्म यज्ञ दिवस' के उपलक्ष्य में पूरे भारत वर्ष के 9 आश्रमों जैसे- 1.इंदौर आश्रम (मध्यप्रदेश) 2.कुरुक्षेत्र आश्रम 3.भिवानी आश्रम 4.सिंहपूरा आश्रम 5.धुरी आश्रम (पंजाब) 6.खमानो आश्रम (पंजाब) 7.शामली आश्रम (यूपी) 8.सोजत आश्रम (राजस्थान) 9.मुंडका आश्रम (दिल्ली) 10ज़ सतलोक आश्रम नेपाल में दिनांक 7 नवंबर 2022 से 9 नवंबर 2022 तक तीन दिवसीय अखंड भंडारे का आयोजन किया गया है। जिसमें संत जी के अनुयायियों द्वारा देशभर के प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी, जज व नेताओं को निमंत्रण पत्र दिया जा रहा है। प्रत्येक गांवों व शहरों के प्रमुखों को भी निमंत्रण पत्र दिया जा रहा है। सोशल मीडिया व प्रिंट मीडिया के माध्यम से भी पूरे विश्व की जनता को इस महान भंडारे में आमंत्रित किया जा रहा है।

इस भंडारे में होगी दहेज रहित शादियां और रक्तदान शिविर

संत रामपाल जी महाराज जी के दिशानिर्देश में इस महान यज्ञ में अनेकों समाजहित के कार्यक्रम होंगे। जैसे- सैंकड़ों जोड़ों का दहेज रहित विवाह, रक्तदान शिविर तथा संत गरीब दास जी महाराज द्वारा रचित अमरग्रंथ साहेब की वाणी का तीन दिवसीय अखंड पाठ होगा। जिससे पाठी व श्रोताओं को ज्ञान यज्ञ का फल मिलता है।

'दिव्य धर्म यज्ञ दिवस' का इतिहास'

आज से 509 वर्ष पूर्व संवत् 1570 (सन् 1513) में काशी (बनारस) में वहां के काजी व पंडितों ने अपने अज्ञान का पर्दाफाश होता देख, परमेश्वर कबीर जी को परेशान करके काशी से भगाने के उद्देश्य से उनके नाम से 18 लाख साधु-संतो व अन्य लोगों को झूठी चिट्ठी भेज दी थी, कि कबीर पुत्र नीरू, जुलाहों की कालोनी में रहने वाला तीन दिन का अखंड भंडारा करवा रहा है। जिसमें प्रत्येक बार भोजन करने वाले को एक मोहर (10 ग्राम सोना) और एक दोहर (कीमती कंबल) तथा सूखा सामान भी साथ में दिया जाएगा। भंडारे में लड्डू, जलेबी, खीर पूड़ी, दही बड़े इत्यादि खाने को मिलेंगे। उन दुष्टों ने यह सोच रखा था, कि यह गरीब जुलाहा मुश्किल से अपना पेट भरता है। भंडारा तो करवाएगा नही बल्कि काशी छोड़ कर भाग जाएगा। परंतु इसके विपरित हुआ। समर्थ परमेश्वर कबीर जी अपने निजधाम सतलोक से केशो बंजारा का अन्य रूप धारण करके काशी में प्रगट हुए। 9 लाख बैलों के ऊपर पका-पकाया सर्व सामान भरकर तथा सूखा सामान भी भरकर लाए। चिट्ठी में लिखे अनुसार ही भंडारा करके उस सच्चे परमात्मा ने अपनी समर्थता का परिचय दिया। तीन दिन तक चले उस अखंड विशाल भंडारे में आए लोगों को उस परमेश्वर ने अपने ही दूसरे रूप केशो बंजारे के साथ ज्ञान चर्चा के माध्यम से तत्वज्ञान सुनाया और सबने उस परमेश्वर से नाम दीक्षा ग्रहण की। उन दुष्ट नकली काजियों व पंडितों की बोलती बंद हुई।

उस महान भंडारे की याद ताज़ा बनाए रखने के लिए वर्तमान में संत रामपाल जी महाराज जी के आदेश से उनके अनुयायियों द्वारा दिव्य धर्म यज्ञ दिवस मनाया जा रहा है।

भारतीय उपमहाद्वीप पर विश्व के सबसे बड़े तीन दिवसीय अखंड भंडारे में सभी निवासी आकर शोभा बढ़ाएं एवं सेवा का मौका प्रदान करें। प्रार्थी संत रामपाल जी महाराज जी की समस्त संगत।

संपादकीय

मायावती की रणनीति से सर्वाधिक नुकसान अखिलेश को

इमरान मसूद को सपा छोड़े एक पखवड़ा भी नहीं हुआ था और बसपा ने एक बार फिर सपा को झटका दे दिया। इमरान मसूद के बाद एक और मुस्लिम नेता ने बसपा का दामना थाम लिया। इस बार पश्चिमी के बदले पूर्वी इलाके यानी पूर्वांचल से खबर आई।

बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती द्वारा 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए बनाया जा रहा चुनावी प्लान रास नहीं आ रहा है। इसी प्लान का एक हिस्सा मुस्लिम वोटर हैं, जो अभी तक तो समाजवादी पार्टी के साथ है, लेकिन इसी वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद बसपा मुस्लिम वोटरों पर डोरे डालने में लगी है। माया का यही मुस्लिम प्रेम उनके विरोधी और अन्य मुस्लिम वोटों के 'सौदागरों' को रास नहीं आ रहा है, जबकि मायावती मुस्लिम वोटरों को अपने पाले में खींचकर एक बार फिर 2024 के आम चुनाव में वही कारनामा करना चाहती हैं जो उन्होंने 2007 के विधान सभा चुनाव में किया था, जब पहली बार प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी की बहुमत वाली सरकार बनी थी। यह और बात है कि तब बीएसपी ने सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय का नारा दिया था और इसमें मुस्लिम वोटों का 'तड़का' लगाया था। लेकिन हर चुनाव पहले के चुनाव से अलग होता है।

बसपा सुप्रीमो मायावती के मुस्लिम प्रेम के चलते समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के लिए बीते कुछ दिनों का राजनीतिक घटना क्रम तनाव बढ़ाने वाला नजर आ रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव से पूर्व अखिलेश इस तनाव को दूर नहीं कर पाए तो सपा का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। पिता की मौत और आजम खान को एक मामले में सजा सुनाए जाने से परेशान अखिलेश यादव के लिए नई चुनौती बसपा सुप्रीमो मायावती बनी हुई हैं। मायावती लगातार समाजवादी पार्टी के कद्दावर मुस्लिम नेताओं को अपने पाले में खींच रही हैं। यही वजह है विधानसभा चुनाव के समय जो मुस्लिम वोटर समाजवादी पार्टी के साथ खड़ा हुआ था, अब बसपा की तरफ उसका रुझान देखने को मिल रहा है। पूर्वांचल में आजमगढ़ लोकसभा के उप-चुनाव से यह सिलसिला शुरू हुआ था, वह धीरे-धीरे पश्चिम यूपी में भी पैर पसारने लगा है। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी करीब 20 फीसदी है। 403 विधान सभा सीटों के चुनाव में से करीब 150 विधान सभा सीटों पर मुस्लिम वोटर किसी भी प्रत्याशी की जीत-हार को प्रभावित करते हैं तो करीब 50 सीटों पर मुस्लिम वोटर निर्णायक साबित होते हैं। पिछले विधान सभा चुनाव में सपा को लगभग करीब 90 फीसदी मुस्लिम वोटरों का समर्थन मिला था, लेकिन उसे सत्ता नहीं मिली, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। बसपा ही नहीं कांग्रेस और भाजपा भी मुस्लिम वोट बैंक में सेंधमारी करने में लगे हैं। आम आदमी पार्टी और अन्य तमाम मुस्लिम दल भी अखिलेश की राह में कांटे बिछा रहे हैं। सवाल यह भी उठ रहा है कि विधान सभा चुनाव सम्पन्न होने के पश्चात बसपा सुप्रीमो मायावती ने मुसलमानों को आगाह करते हुए कहा था कि मुलसमानों ने सपा के साथ जाकर बहुत बड़ी गलती कर दी, यदि बीजेपी को हराना है तो दलित-मुस्लिम वोटों का समीकरण जरूरी है, तो क्या अब मुसलमान सपा से किनारा करके इस गलती को सुधार रहे हैं। इस बदलाव के बारे में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर साहब कहते हैं कि अब मुसलमानों को शिक्षा का महत्व समझ में आने लगा है। वह पढ़-लिख रहा है। अब वह आंख बंद करके किसी एक दल या नेता के पीछे भागने को तैयार नहीं है। इसीलिए समाजवादी पार्टी के लिए परेशानी बढ़ी हुई है। वह अब धर्म के नाम पर नहीं विकास के काम को देख रहा है। वह खामोशी से अपनी मंजिल तलाश रहा है। उसे विकास, शिक्षा और सेहत की चिंता है, इसलिए मुस्लिम वोटों के बिखराव से इंकार नहीं किया जा सकता है, जबकि सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क कहते हैं कि मुसलमानों की चिंता सिर्फ सपा ने की है और लोगों ने मुसलमानों को डराया-धमकाया है।

प्रदूषण पर पहरा

वायु प्रदूषण को लेकर एक बार फिर सरकारों के माथे पर बल नजर आने लगा है। खासकर दिल्ली में दिवाली के बाद यह समस्या साल-दर-साल गंभीर होती जा रही है। इससे पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे। प्रदूषण जानलेवा स्तर तक खतरनाक हो गया है, जिसके चलते स्कूल बंद करने और दिल्ली सरकार के आधे कर्मचारियों को घर से काम करने को कहा गया है। इसे लेकर दिल्ली और पंजाब के मुख्यमंत्री ने संयुक्त रूप से प्रेस को संबोधित किया और ईमानदारी से स्वीकार किया कि पराली जलाने के मामले में वे अपेक्षित कमी नहीं ला पाए। हालांकि उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगले साल तक पराली जलाने पर पूरी तरह लगाम लगा ली जाएगी। इससे जुड़े उपायों का विवरण भी उन्होंने दिया है। चूंकि दोनों जगह आम आदमी पार्टी की सरकार है, इसलिए दोनों मुख्यमंत्रियों ने मिल कर इस पर सफाई पेश की। इससे पहले जब पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार नहीं थी, तब दिल्ली सरकार वायु प्रदूषण के लिए पंजाब सरकार को जिम्मेदार ठहराया करती थी। अब वह ऐसा नहीं कर सकती, इसलिए लोगों के सवालों से बचने का यह तरीका निकाला गया। यह ठीक है कि जब किसी राज्य में पराली या औद्योगिक इकाइयों का धुआं उठता है, तो वह केवल उसी राज्य तक सीमित नहीं रहता। हवा चलती है तो पड़ोसी राज्य भी उससे प्रभावित होते हैं। मगर इस आधार पर कोई सरकार प्रदूषण का दोष दूसरे राज्यों पर डाल कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकती। पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार को आए अभी छह महीने हुए हैं और धान तथा गेहूं की फसल के बीच मुश्किल से दस-बारह दिन का समय मिलता है, इसलिए किसानों के पास पराली जलाने के अलावा कोई चारा नहीं बचता। उनका दावा है कि उन्होंने पराली निस्तारण के लिए मशीनें खरीदी हैं और संयंत्र लगाया है, जो पराली से गैस आदि का उत्पादन करेगा। सेटेलाइट के जरिए पराली जलाने पर नजर रखी जा रही है। हालांकि पराली जलाने की प्रवृत्ति कोई नई नहीं है। यह पिछले कई सालों से बनी हुई है और हर साल इसमें कुछ बढ़ोतरी दर्ज हो रही है। पिछले साल दिल्ली सरकार ने पराली को खेत में ही गलाने के लिए एक विशेष प्रकार के घोल का प्रचार किया था। उसका दावा था कि इससे पराली जलाने की समस्या समाप्त हो जाएगी। वह घोल सरकार किसानों को मुफ्त मुहैया करा रही थी। फिर क्या हुआ कि वह घोल इस साल खेतों में नहीं छिड़का गया? दरअसल, हर साल जब वायु प्रदूषण चिंताजनक स्तर पर पहुंच जाता है, तो दिल्ली सरकार तदर्थ उपायों से इस पर काबू पाने का प्रयास करती है। पेड़ों पर पानी छिड़कने, निर्माण कार्य रोक देने, वाहनों में सम-विषय योजना लागू करने जैसे उपाय आजमाए जा चुके हैं। इसी तरह स्माग टावर लगा कर दावा किया गया कि इससे प्रदूषण को सोख लिया जाएगा। दिल्ली में बाहर से आने वाले भारी वाहनों का प्रवेश पहले ही वर्जित है, ज्यादातर चार पहिया और सभी तिपहिया वाहनों में सीएनजी इस्तेमाल होता है। फिर भी प्रदूषण का स्तर काबू में नहीं आ रहा, तो इस पर परदा डालने के लिए दिल्ली और पंजाब सरकारें जो भी तर्क दें, पर हकीकत यही है कि लोगों का दम घुट रहा है। अगर वे सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर हैं, तो वह व्यावहारिक धरातल पर दिखना चाहिए।

राजनीतिक असंवेदनशीलता का परिणाम है प्रदूषण

-ललित गर्ग-

दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में पराली एवं वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनता जा रहा हैं। संपूर्ण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र घने कोहरे में डूबी हुई जानलेवा होती जा रही है। सब जानते हैं कि यह कोहरा नहीं, बल्कि प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं। अस्पतालों के बाहर लम्बी कतारें देखने को मिल रही है।

खासकर दिल्ली में दिवाली के बाद यह समस्या साल-दर-साल गंभीर होती जा रही है। इससे पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिये निर्देश जारी किये गये मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे।

प्रदूषण जानलेवा स्तर तक खतरनाक हो गया है, जिसके चलते स्कूल बंद करने और दिल्ली सरकार के आधे कर्मचारियों को घर से काम करने को कहा गया है। दिल्ली और पंजाब सरकारें ने अनेक लुभावने तर्क एवं तथ्य दिये, सरकारें जो भी तर्क दें, पर हकीकत यही है कि लोगों का दम घुट रहा है। अगर वे सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर हैं, तो वह व्यावहारिक धरातल पर दिखना चाहिए।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने बुजुर्गों, बच्चों और सांस की समस्याओं से ग्रस्त लोगों को घर से बाहर न निकलने का सुझाव जारी कर दिया है। पिछले कई दिनों से दिल्ली का एक्यूआइ (एयर क्वालिटी इंडेक्स) 400 से 450 के बीच दर्ज किया जा रहा है। लगभग यही स्थिति गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद आदि की है। उत्तर भारत के अन्य अनेक इलाके भी प्रदूषण की चपेट में हैं। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती। सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते?

इस वर्ष दीपावली पर आतिशबाजी न हो, इसके लिये सरकारों ने ही नहीं गैर-सरकारी संगठनों ने भी व्यापक प्रयत्न किये हैं।

दिल्ली सरकार ने इसके लिये सख्ती बरती है एवं अणुव्रत विश्व भारती ने ईको-फ्रेंडली दीपावली का संदेश जन जन के बीच पहुंचाया है, क्योंकि पटाखे जलाने से न केवल बुजुर्गों बल्कि बच्चों के जीवन पर खतरनाक प्रभाव पड़ने और अनेक रोगों के पनपने की संभावनाएं हैं। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को विराम देना जरूरी है। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने की दिशा में इस साल कई पायदान हम ऊपर चढ़े हैं, एक सकारात्मक वातावरण बना। लेकिन पटाखों से ज्यादा खतरनाक हैं पराली का प्रदूषण।

पराली आज एक राजनीतिक प्रदूषण बन चुका है। दिल्ली एवं पंजाब में एक ही दल ही सरकारें है, दूसरों पर आरोप लगाने की बजाय क्यों नहीं आम आदमी पार्टी की सरकार समाधान देती।

पराली के प्रदूषण से दीपावली के गौरवपूर्ण सांस्कृतिक अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाने की बजाय पराली का स्थायी हल निकाला जाना चाहिए। पराली के प्रदूषण को पटाखों के प्रदूषण के नाम पर ढकने की कुचेष्टा से बचना चाहिए। दीपावली हमारी संस्कृति है, सभ्यता है, आपसी प्रेम है, इतिहास है, विरासत है और दीपों की कतारों का आश्चर्य है। पराली से दीपावली के आसपास होने वाले प्रदूषण को पटाखे का प्रदूषण कहना, अतिश्योक्तिपूर्ण विडम्बना है। वास्तव में यह सरकारों का गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है, जिसने सबको जहरीले वायुमंडल में रहने को विवश किया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की बैठक में यह साफ हो गया कि अगले कई दिनों तक वायु की गुणवत्ता बहुत गंभीर श्रेणी में रह सकती है, लेकिन दिल्ली और पंजाब की सरकार स्वयं को इसके लिए किंचित भी उत्तरदायी नहीं मानतीं।

दिल्ली को सामाजिक-आर्थिक विकास के मॉडल के रूप में गुजरात चुनाव में पेश कर रहे अरविंद केजरीवाल और उनके साथी ही इस बात की चर्चा नहीं करते कि इससे कितनी क्षति हो रही है। बल्कि इस महासंकट की जिम्मेदारी केन्द्र सरकार पर डालते हुए एक भारी भरकम बजट आवंटित करने की मांग की जा रही है। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। क्या हमें किसी चाणक्य के पैदा होने तक इन्तजार करना पड़ेगा, जो जड़ों में मठ्ठा डाल सके।...नहीं, अब तो प्रत्येक राजनीतिक मन को चाणक्य बनना होगा। तभी विकराल होती वायु प्रदूषण की समस्या से मुक्ति मिलेगी।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत के आसपास है।

हर दिन पराली जलाने की कई सौ घटनाएं दर्ज हो रहीं है। क्या इसे रोकना वाकई इतना कठिन है? आखिर दिल्ली, पंजाब के साथ केंद्र सरकार इसके लिए क्या कर रही है कि किसान पराली न जलाएं? सच यह है कि इसके लिए कोई प्रभावी कोशिश हो ही नहीं रही है। किसानों से बात करने का साहस कोई भी सरकार नहीं दिखा रही है। ऐसा माहौल बना दिया गया है, मानो खेती के नाम पर कुछ भी करने की छूट है। इसका कारण राजनीतिक ही है। कोई किसान है, इसका यह अर्थ नहीं कि उसे वातावरण को दमघोंटू बनाने एवं लोगों के जीवन को संकट में डालने का अधिकार है। किसानों को विकल्प उपलब्ध कराना सरकारों की जिम्मेदारी है। केंद्र को प्रांत सरकारों के साथ एवं प्रांत-सरकारों को केन्द्र के साथ मिलकर काम करना चाहिए, क्योंकि यह पूरे उत्तर भारत का मुद्दा है, यह आम जनजीवन से जुड़ा मुद्दा है। पराली जलाने की समस्या आज की नहीं है। स्वयं केजरीवाल इसके विरुद्ध आवाज उठाते रहे हैं, लेकिन पंजाब में सरकार बनने के बाद इस मामले पर अपने स्वभाव के अनुरूप उन्होंने यू-टर्न ले लिया। पराली की समस्या को हल करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से 1347 करोड़ रुपये और उपकरण दिए गए। अगर इस पर राजनीति करने की जगह ईमानदारी से काम होता और सरकार किसानों को समझाने-बुझाने की कोशिश करती तो इस महासंकट से निजात पाया जा सकता था। करोड़ों लोगों की जीवन रक्षा का प्रश्न दलीय राजनीति से बड़ा है।

सर्दियां आते ही दिल्ली की आबोहवा बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होने लगती है। दिल्ली की हवा में उच्च सांद्रता है, जो बच्चों को सांस की बीमारी और हृदय रोगों की तरफ धकेल रही है। शोध एवं अध्ययन में यह भी पाया गया है कि यहां रहने वाले 75.4 फीसदी बच्चों को घुटन महसूस होती है। 24.2 फीसदी बच्चों की आंखों में खुजली की शिकायत होती है। सर्दियों में बच्चों को खांसी की शिकायत भी होती है। बुजुर्गों का स्वास्थ्य तो बहुत ज्यादा प्रभावित होता ही है। सर्दियों के मौसम में हवा में घातक धातुएं होती हैं, जिससे सांस लेने में दिक्कत आती है। हवा में कैडमियम और आर्सेनिक की मात्रा में वृद्धि से कैंसर, गुर्दे की समस्या और उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इसमें पराली के प्रदूषण से घातकता कई गुणा बढ़ जाती है। पटाखों का प्रदूषण उससे भी घातक है। 300 से अधिक एक्यूआइ वाले शहरों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने वाले सांस के रूप में जहर खींचने को क्यों विवश है, इसके कारणों पर इतनी बार चर्चा हो चुकी है कि उन्हें दोहराने की आवश्यकता नहीं।

प्रदूषण कम करने और दिल्ली सहित देश के अन्य महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान भी निरन्तर चलाया जाना चाहिए। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फैंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए।

कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है।

छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता।

चुनाव दर चुनाव महिला मतदाताओं पर ही सबसे ज्यादा भरोसा क्यों जता रही है भाजपा?

गौतम मोरारका

गुजरात विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा का घोषणापत्र अभी नहीं आया है लेकिन यदि हिमाचल प्रदेश की बात करें तो हिमाचल में भाजपा ने महिलाओं को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का बड़ा वादा कर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियों में गरीबों को प्रमुखता तो दी ही जाती है साथ ही प्रधानमंत्री का प्रयास महिलाओं को सर्वाधिक राहत और सुविधाएं पहुँचाने का रहता है।

चाहे उज्ज्वला योजना की बात हो या प्रधानमंत्री आवास योजना हो या फिर शौचालय निर्माण संबंधी योजना हो अथवा जनधन खाते हों या फिर आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अथवा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना हो... यह सभी कदम ऐसे रहे जिसने गरीब से गरीब महिला को भी आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त किया है। यही कारण है कि चुनाव दर चुनाव भाजपा को महिलाओं के वोट बढ़ते ही जा रहे हैं। हाल में कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिले मत प्रतिशत में महिलाओं का प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा रहा। उत्तर प्रदेश में तो महिला सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा था और भाजपा की सत्ता में वापसी में महिलाओं के मतों ने बड़ी भूमिका निभाई थी।

इसीलिए भाजपा हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधानसभा चुनावों में भी महिलाओं के लिए योजनाएं घोषित करने पर खास जोर दे रही है। गुजरात का भाजपा का घोषणापत्र तो अभी नहीं आया है लेकिन यदि हिमाचल प्रदेश की बात करें तो हिमाचल में भाजपा ने महिलाओं को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का बड़ा वादा कर दिया है। हम आपको बता दें कि हिमाचल प्रदेश की आबादी में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग आधी (49 फीसदी) है। भाजपा ने रविवार को महिला मतदाताओं के लिए एक समर्पित घोषणापत्र जारी किया, जिसे 'स्त्री संकल्प पत्र' कहा जा रहा है। महिलाओं के लिए समर्पित भाजपा के घोषणापत्र में स्कूली छात्रों के लिए साइकिल, कॉलेज छात्रों के लिए स्कूटी और बीपीएल परिवारों की लड़कियों की शादी के लिए 'शगुन' बढ़ाने का वादा किया गया है, जिसमें आर्थिक सहायता भी शामिल है। "स्त्री शक्ति संकल्प" में सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का वादा भी शामिल है।

भाजपा ने महिलाओं पर केंद्रित अपने संकल्प पत्र में स्कूटी देने का जो वादा किया है वह काफी हिट साबित हो रहा है।

इसी के चलते भाजपा नेता अपनी रैलियों में महिलाओं से अपनी बेटियों को कम से कम 12वीं कक्षा तक पढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह करते हुए कह रहे हैं कि सरकार उन्हें दोपहिया वाहन उपहार में देगी। जिससे वे सुबह स्कूल जाएंगी और शाम को सब्जियां घर लाने में भी आपकी मदद करेंगी। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में यह भी वादा किया है कि राज्य की सत्ता में वापसी पर हिमाचल प्रदेश में भी समान नागरिक संहिता लागू की जायेगी।

यही नहीं, हिमाचल में महिलाओं पर कांग्रेस भी काफी ध्यान दे रही है। हिमाचल प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्रों में महिलाओं और धर्म से जुड़े मुद्दे अहम हैं और दोनों दलों में 12 नवंबर को होने वाले महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों के लिए मतदाताओं को अपने पाले में करने की होड़ मची है।

कांग्रेस ने "हर घर लक्ष्मी, नारी सम्मान निधि" अभियान शुरू किया है जिसके तहत 300 यूनिट मुफ्त बिजली के अलावा वयस्क महिलाओं को 1500 रुपये प्रतिमाह देने का वादा किया गया है।

गुरु नानक देव का 553 वां जयंती महोत्सव 8 नवंबर 2022 पर विशेष

जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल
धन गुरु नानक सारा जग तारिया

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत एक पूरी तरह से समर्पित आध्यात्मिक भावों का धनी, आस्था का प्रतीक और मानव समाज की सेवा उनके कल्याण के लिए भारत माता की पावन धरती पर सैकड़ों संत महात्मा पीर ज्ञात अज्ञात ईश्वर अल्लाह तुल्य मनीषियों का जन्म इस धरा पर हुआ और अपना कल्याण कार्य परोपकार कर अपना उद्देश्य पूर्ण कर अलौकिक लोक में चले जाते हैं। परंतु उनका नाम अमर रहता है। मानवीय जीवन के दिलों में बसा रहता है इसीलिए यहां ऐसे परमपिता परमेश्वर की जयंती को धूमधाम और खुशियों से मनाया जाता है। चूंकि 8 नवंबर 2022 को बाबा गुरु नानक देव का जयंती महोत्सव है इसलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,धन गुरु नानक सारा जग तारिया। बाबा जी ने अपना पूरा जीवन मानव समाज के कल्याण में लगा दिया जो आज भी हमारे दिलों में बसे हुए हैं।

साथियों बात अगर हम धन गुरु नानक सारा जग तारिया की करे तो गुरु नानक देव ने दुनिया के महापुरुषों और संतों में वह ऊंचा स्थान प्राप्त किया जिसे शायद ही कोई पा सका हो। आज (08 नवंबर 2022 को) उनकी 553वीं जयंती या कहें 553 वाँ प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। गुरु नानक देव ने अपने ओजस्वी और भक्तिपूर्ण विचारों के दम पर वह मुकाम हासिल किया जिसे राजा महाराजा भी अपनी पूरी सेना के साथ नहीं हासिल कर पाते। वह दुनिया के लिए एक ऐसे महान विचारक थे, जिनके विचार कई सदियों तक लोगों को प्रेरित और मार्गदर्शन करते रहेंगे। भारत भूमि में जन्म बहुत से महापुरुषों ने समाज को एक नयी राह दिखाने का काम किया है। हर युग में लोग उनके विचारों से प्रभावित हुए हैं। ऐसे ही महापुरुषों में गुरु नानक देव जी भी हैं। गुरु नानक की शिक्षाएं और विचार आज भी सांसारिक जीवन में भटके हुए लोगों को राह दिखाने का काम करते हैं। बाबाजी ने अपनेउपदेशों से पूरे विश्व को आध्यात्मिक ज्ञान और महान विचारो से इस धरती को प्रकाशमय किया था।बाबाजी के विचार जातिवाद, कौम, धर्म तथा भाषा के आधार पर होनेवाले भेद भाव से उच्च थे। वह सभी लोगो के प्रति समानता का भाव रखते उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन काल मानवता की भलाई और सेवा करने में गुजार दीया।

साथियों बात अगर हम गुरुनानक देव जी की करें तो उनका जन्म 1526 में कार्तिक पूर्णिमा के दिन, भोई की तलवंडी में हुआ था। इस जगह को राय भोई दी तलवंडी भी कहते हैं। जानकारी हो कि अब ये जगह पाकिस्तान के ननकाना साहिब में है। इस जगह का नाम गुरु नानक देव के नाम पर ही रखा गया था।बतादें कि राजा महाराजा रणजीत सिंह ने ननकाना साहिब गुरुद्वारा बनवाया था, इसलिए इस दिन को प्रकाश पर्व के रूप में प्रकाश उत्सव मनाया जाता है। पूरी शब्दावली, जन्म - गुरु नानक देव जी कार्तिक पूर्णिमा, संवत् 1527 अथवा 15 अप्रैल 1469 राय भोई की तलवंडी, (वर्तमान ननकाना साहिब, पंजाब, पाकिस्तान, पाकिस्तान) चोला त्याग - 22 सितंबर 1539 करतारपुर, स्मारक समाधि - करतारपुर, कार्यकाल- 1499-1539, पूर्वाधिकारी - जन्म से, उत्तराधिकारी- गुरु अंगद देव, धार्मिक मान्यता-सिख पंथ की स्थापना, जीवनसाथी- सुलक्खनी देवी, माता-पिता-लाला कल्याण राय (मेहता कालू जी), माता तृप्ता देवी जी के यहां हिन्दू परिवार मे यों अंतिम स्थान - करतारपुर।

साथियों बात अगर हम गुरुनानक देव जी के वचनों की करें तोउनके उपदेशों वचनों की गाथा सनानें शब्द कम पड़ जाएंगे फिर भी हम उदाहरण के रूप में दो वचन जरूर लेंगे। नानक भव-जल-पार परै जो गावै प्रभु के गीत॥ एक ओंकार सतनाम, करता पुरखु निरभऊ। निरबैर, अकाल मूरति, अजूनी, सैभं गुर प्रसादि ।। हुकमी उत्तम नीचु हुकमि लिखित दुखसुख पाई अहि।

थापिआ न जाइ कीता न होइ।आपे आपि निरंजनु सोइ। भावार्थ- भगवान अजन्मा निराकार माया अतीत अटल सिद्धस्वरूप अनादि एवं अनंत है

जिनि सेविआ तिनि पाइआ मानु।नानक गावीऐ गुणी निधानु। भावार्थ - जिसने गुरु की सेवा की उसे सर्वोत्तम प्रतिष्ठा मिली इसीलिए हमेशा गुरु के गुणों का गायन करना चाहिए।

साथियों बात अगर हम बाबाजी के उपदेशों और विचारों की करें तो, केवल वही बातें बोलें जो आपको मान सम्मान दिलाए, अपनी कमाई का दसवां हिस्सा परोपकार और अपने समय का दसवां हिस्सा प्रभु भक्ति में लगाना चाहिए, हमेशा दूसरों की मदद के लिए तैयार रहो क्योंकि आप जब किसी की मदद करते हैं तो ईश्वर आपकी मदद करता है, यदि तू अपने दिमाग को शांत रख सकता है तो तू विश्व पर विजई होगा, जो इंसान कड़ी मेहनत करके कमाता है और अपनी मेहनत की कमाई में से थोड़ा सा दान करता है तो वह सत्य मार्ग ढूंढ लेता है, कठिनाई के दौर से भरी इस दुनिया में जिसे अपने आप पर भरोसा होता है वही विजेता कहलाता है, जो प्रेम किया करते हैं उन्होंने ईश्वर को पा लिया है जैसे लाखों उपदेश हैं।

साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष में बाबाजी के विचारों को उनके अनुयायियों में देखें तो यह अब किसी एक समुदाय नहीं अपितु विशाल क्षेत्र में आ चुका है, जिसका सेवालाभ पुरी मानव जाति के लिए हो रहा है जिसका साक्षात जीवंत उदाहरण मैंने कोरोना काल में अपने गोंदिया नगर में आंखो देखी देखा कि किस तरह खालसा सेवादल, हरे माधव परमार्थ सेवा समिति वालों ने कोविड महामारीके पीक समय में जब राष्ट्रीय लॉकडाउन था तो गरीब रोटी के लिए लाचार हो गए थे तब बाबा गुरु नानक देव के अनुयायियों ने शासकीय

धरती कितनी बड़ी किताब!

जीवन के आने जाने का,
इस दुनिया के बन जाने का,
इसमें लिक्खा सभी हिसाब-
धरती कितनी बड़ी किताब!

खोल-खोल कर बाँचा इसको,
देखा-परखा, जाँचा इसको,
निकला है अनमोल ख़ज़ाना,
मानव का इतिहास पुराना।

सब अच्छा, कुछ नहीं खराब,
धरती कितनी बड़ी किताब!

खोद-खोद कर गहराई से,
बहुत मिला धरती माई से,
इन चीजों से जाना हमने,
धरती को पहचाना हमने।

थोड़ा तुम भी पढ़ो जनाब,
धरती कितनी बड़ी किताब!

चाँदी-सोना इसके अंदर,
हीरे-पन्ना इसके अंदर,
इसमें बीती हुई कहानी,
इसमें छिपा हुआ है पानी।

इसे पढ़ो बन जाओ नवाब,
धरती कितनी बड़ी किताब!

शार्ट न्यूज़

जन्म के बाद मासूम को झाड़ियों में फेंका, महिला कांस्टेबल ने पालने की जिम्मेदारी

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती में लोकलाज की डर से एक मां ने जन्म के बाद अपने बच्चे को झाड़ियों में फेंककर फरार हो गई। बच्चे की रोने की आवाज सुनकर आस-पास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने बच्चें को अस्पताल में भर्ती कराया। ये मामला गिलौला थाना क्षेत्र का है। शनिवार की रात झारखंडी मंदिर के पास एक महिला ने बच्चे के जन्म के तुरंत बाद उसे झाड़ियों में फेंककर फरार हो गयी। देर रात करीब दो बजे झाड़ियों से रोने की आवाज सुनाई दी। इसके बाद आस-पास के लोगों ने झाड़ियों में देखा तो एक बच्चा कपड़ों में लिपटा मिला। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्चे को सीएससी गिलौला में भर्ती कराया। बच्चे की हालात गंभीर थी इसलिए प्राथमिक उपचार के बाद उसे बाल रोग विशेषज्ञ को दिखाने की सलाह दी। बच्चे की हालत को देखते हुए थाने में ही तैनात महिला कांस्टेबल ने गोज से लिया और बच्चे को बहराइच ले जाकर उसका इलाज कराया। थाना प्रभारी निरीक्षक योगेंद्र राय ने बताया कि बच्चा जब मिला था तब उसकी हालत बेहद खराब थी। अब महिला कांस्टेबल ने बच्चे को गोद लिया है और उसकी देखभाल कर रही है। जानकारी के मुताबिक कोई व्यक्ति बाइक से आकर बच्चे को झाड़ियों में फेंककर चला गया था।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में एलएलबी के परिणाम में ज्यादातर विद्यार्थियों का लगा बैक, कुलपति आवास का किया घेराव

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय में चतुर्थ सेमेस्टर के परिणाम घोषित हो चुके हैं। हालांकि रिजल्ट आने के बाद छात्रों का आरोप है इसमें करीब 70 प्रतिशत विद्यार्थियों का बैक लग गया है। सोमवार को छात्रों ने इसे लेकर कुलपति कार्यालय पहुंचकर हंगामा किया। जब विद्यार्थियों को पता चला कि कुलपति विश्वविद्यालय नहीं आएंगे तो उन्होंने आवास के बाहर जाकर प्रदर्शन करने लगे। दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय से एलएलबी करने वाले छात्रों का आरोप है कि अंग्रेजी में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को पास कर दिया गया है लेकिन हिन्दी से पढ़ने वाले ज्यादातर छात्रों का बैक लग लगा है। पौने चार सौ में से केवल 100 विद्यार्थी ही पास हो पाए हैं। तीसरे सेमेस्टर में 80 प्रतिशत तक नंबर पाने वाले विद्यार्थियों के इस बार केवल 40 प्रतिशत के ही आस-पास नंबर मिले हैं। विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। विद्यार्थियों ने बताया कि प्रैक्टिकल परीक्षा के नंबर देने में प्रशासन दोहरा मापदंड अपनाया है। जून में हुई परीक्षा का परिणाम नवंबर में घोषित किया जा रहा है। हालांकि इसके अलावा विश्वविद्यालय से बीटेक की पढ़ाई करने वाले छात्रों ने परिसर के मुख्यद्वार पर स्कॉलरशिपक को लेकर प्रदर्शन शुरू किया। छात्रों ने मुताबिक आवेदन करने के लिए न कोर्स खुल रहा है और न ही ब्रांच।

मरीज को भर्ती कराने के लिए डॉक्टरों से भिड़े बीजेपी विधायक, डिप्टी सीएम को किया फोन

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में विधायक रत्नाकर मिश्रा ने एक मरीज को भर्ती कराने के लिए डिप्टी सीएम को कॉल लगा दी। डिप्टी सीएम का कॉल आने के बाद अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने मरीज का इलाज शुरू कर दिया। दरअसल बीजेपी विधायक मरीज को भर्ती न करने को लेकर नाराज थे। ये मामला कोतवाली क्षेत्र के संकट मोचन इलाके का है। 80 साल के गुलाबचंद सांस की बीमारी से पीड़ित है। रविवार की रात करीब 8 बजे हालात खराब हो गयी। जिसके बाद परिजनों ने उन्हें मंडलीय अस्पताल में ले गए। यहां डॉक्टरों की हालत गंभीर होने पर उन्हें रेफर कर दिया। हालांकि परिजन उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे। वहीं परिजनों ने मरीज को भर्ती न करने पर नगर विधायक रत्नाकर मिश्रा को फोन कर दिया। गुलाबचंद के परिजनों के मुताबिक डॉक्टरों ने फोन पर बात करने से इंकार कर दिया और फोन काट दिया। ये बात बीजेपी विधायक रत्नाकर मिश्रा को नागवार गुजरी और मंडलीय अस्पताल पहुंच गए। विधायक ने इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टर के न होने पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को कॉल लगा दी। इस पर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सीएमएस अन्य चिकित्सकों को पूछने लगे। ये देख अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों के हाथ-पांव फूल गए। आनन-फानन में डॉक्टरों ने मरीज को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया और तत्काल इलाज प्रारंभ किया। वहीं जानकारी मिलने पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य, प्रभारी सीएमएस भी मौके पर पहुंच गए। मरीज के भर्ती होने के बाद विधायक रत्नाकर मिश्रा वापस लौट गए।

बिजनौर में तीमारदारों ने की डॉक्टरों से मारपीट

बिजनौर। बिजनौर के किरतपुर में एक निजी डॉक्टर के यहां किसी बात को लेकर तीमारदारों ने डॉक्टर व उसके स्टाफ के साथ जमकर लाठी डंडों से की मारपीट, क्लीनिक में तोड़फोड़ कर डाली। मारपीट व तोड़फोड़ की लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पीड़ित डॉक्टर ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई। दरअसल, यह पूरा मामला बिजनौर के किरतपुर थाना क्षेत्र का है जहां इतवार बाजार के पास शोएब नाम के एक डॉक्टर निजी क्लीनिक चलाते हैं। बताया जा रहा है कि डॉक्टर के यहां मुंढाला के कुछ लोग बुखार के एक मरीज को लेकर पहुंचे। डॉक्टर ने बताया कि इस समय डेंगू का प्रकोप चल रहा है। मरीज की पहले डेंगू की जांच करा लें उसके बाद दवाई दी जाएगी। इसी बात पर डॉक्टर और मरीज के तीमारदारों में कहासुनी हो गई और कहासुनी में मरीज के परिजन गुस्सा हो गए और उन्होंने डॉक्टर के साथ न सिर्फ जमकर लाठी डंडों से मारपीट की बल्कि उसके क्लीनिक में भी तोड़फोड़ कर डाली। मारपीट की लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल मामला रविवार का है। डॉक्टर ने आरोपों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर थाने में तहरीर दे दी है। वहीं किरतपुर थाने में तैनात शहर इंचार्ज मुकेश का कहना है कि डॉक्टर की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है मामले की जांच की जा रही है।

बकरी के साथ कुकर्म, आरोपी अरेस्ट

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में एक युवक ने बकरी के साथ कुकर्म किया। विरोध करने पर आरोपी ने बकरी की मालकिन को जान से मारने की धमकी। पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके आरोपी को अरेस्ट कर लिया। चरथावल थाना क्षेत्र के गांव कुल्हेड़ी में सलमा पत्नी मुनव्वर की बकरी घर में बंध रही थी। अचानक बकरी खुलकर कहीं चली गई। सलमा का आरोप है कि जब वह अपनी बकरी को ढूंढती हुई एक घर के बाहर पहुंची तो भीतर से बकरी के मिमियाने की आवाज आ रही थी। बताया कि वह उक्त घर के भीतर चली गई। आरोप है कि एक कमरे में उसने झांककर देखा तो वसीम बकरी के साथ कुकर्म कर रहा था। बताया कि उसने विरोध किया तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी। सलमा की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी वसीम के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे अरेस्ट कर लिया।

गोंडा में जिला अधिकारी ने कराई क्रॉप कटिंग

गोंडा। धान खरीद बीते 1 नवंबर से ही शुरुआत कर दी गई है। जिसमें 98 हजार मैट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य रखा गया है। अब जिला प्रशासन जिले में धान उत्पादन की औसत निकालने में जुटा हुआ है। जिससे यह पता लगाया जा सके कि जिले में इस बार धान का कितना औसत उत्पादन हुआ है। इसी के चलते आज गोंडा के जिलाधिकारी झंझरी ब्लॉक के चंद्रवतपुर गांव में धान की क्रॉप कटिंग करवाते नजर आए। उनका कहना है कि इसमें वैज्ञानिक तरीके से क्रॉप कटिंग करवाई जा रही है। सांख्यिकी विभाग द्वारा इसका औसत निकाला जाएगा। शासन द्वारा हमको चंद्रवतपुर गांव की तरफ कटिंग करवाने को कहा गया था, इसके लिए आज हम लोग यहां का क्रॉप कटिंग करवा रहे हैं। जिलाधिकारी डॉ. उज्ज्वल कुमार ने बताया कि क्रॉप कटिंग चंद्रवतपुर गांव में कार्रवाई कराई जा रही है। इसका उद्देश्य होता है कि सांख्यिकी विभाग द्वारा की गणना कराई जाती है पूरे जनपद में हमारा जो औसत उत्पादन है। वह धान का वह कितना हुआ है। उसी के क्रम में मेरा जो गांव लगाया गया था।

कुलदीप सेंगर के खिलाफ रेप मामले में 3 पुलिसकर्मियों पर कसा शिकंजा

कोर्ट ने दिए आरोप तय करने के आदेश

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के उन्नाव से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर के खिलाफ बलात्कार के मामले की जांच करने वाले उत्तर प्रदेश पुलिस के तीन कर्मियों के खिलाफ एक विशेष अदालत ने आरोप तय करने के आदेश दिए हैं। सेंगर के खिलाफ 2017 के इस मामले में ये पुलिसकर्मी नाबालिग पीड़ित के आरोप रिकॉर्ड करने में नाकाम रहे थे।

अदालत ने उन्नाव में सफीपुर के तत्कालीन सीओ कुंवर बहादुर सिंह की सीबीआई द्वारा दायर मामले से आरोपमुक्त करने के अनुरोध वाली उनकी याचिका को हाल में खारिज कर दिया था।

उन्होंने कहा कि पीड़ित की शिकायत कि सेंगर ने चार जून, 2017

को उसका बलात्कार किया था, को दर्ज नहीं करने के लिए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 166ए के तहत मामला दर्ज किया गया था।

मुख्यमंत्री कार्यालय तक को भेजी शिकायत पर कार्रवाई नहीं होने के बाद पीड़ित ने लखनऊ में 08 अप्रैल, 2018 को मुख्यमंत्री आवास के सामने आत्मदाह करने का प्रयास किया था जो बाद में राज्य में एक प्रमुख राजनीतिक मुद्दा बन गया था। उन्होंने बताया कि सिंह के अलावा अदालत ने माखी के पूर्व थाना प्रभारी डी.पी. शुक्ला और उप-निरीक्षक दिग्विजय सिंह के खिलाफ भी आरोप तय करने के आदेश दिए। इनके नाम भी आरोप पत्र में शामिल हैं।

आरोप है कि पीड़ित ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 17 अगस्त, 2017 को भेजी गई अपनी अर्जी में आरोप लगाया था कि सेंगर ने उसी साल चार जून को उसका बलात्कार किया और बाद में 11 जून को अन्य तीन लोगों ने उससे सामूहिक बलात्कार किया, लेकिन पुलिस ने उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की। उसकी शिकायत मुख्यमंत्री के शिकायत पोर्टल पर पंजीकृत की गई और जांच के लिए कुंवर बहादुर सिंह को भेजी गई।

सीबीआई जांच से पता चला है कि पीड़िता सिंह के सामने पेश हुई थी और उसने शिकायत करने की बात स्वीकार की थी। सिंह ने शिकायत डी.पी. शुक्ला को भेजी थी, जिन्होंने इसे जांच के लिए दिग्विजय सिंह को सौंप दिया था।

मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने नाबालिग से बलात्कार के दोषी सेंगर को उम्रकैद की सजा सुनाई है। पीड़िता घटना वाले दिन चार जून, 2017 को नौकरी मांगने के लिए सेंगर के घर गई थी। अदालत ने इन तीनों के खिलाफ अपराध के लिए आरोप तय करने के मामले में आगे बढ़ने का निर्देश दिया।

8500 के पार पहुंचे डेंगू केस

लखनऊ में मिले 42 नए मरीज, हॉस्पिटल में बढ़ाने पड़ रहे बेड

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बेकाबू हुए डेंगू के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा हैं। इस बीच ठंड बढ़ने के बाद भी डेंगू का अटैक कम नही हो रहा। यूपी में 8500 के पार डेंगू के केस पहुंच चुका है। रविवार को लखनऊ में 42 नए बुखार मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है। लखनऊ में 7 दिनों के भीतर करीब 250 लोग डेंगू की चपेट में आ चुके हैं। बुखार और डेंगू मरीज बढ़ने से अस्पतालों में बेड बढ़ाने पड़ रहे हैं।

यहां मिले सबसे ज्यादा केस

रविवार को अलीगंज, सिल्वर जुबली, एनके रोड में पांच-पांच, चंदननगर, इंदिरानगर, ऐशबाग, रेडक्रॉस, चिनहट और टूडियागंज में चार-चार मरीजों की जांच में डेंगू निकला है। मलिहाबाद में तीन मरीज मिले हैं।

स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने रविवार को 2 हजार 547 घर और आसपास निरीक्षण किया। 7 घरों के आसपास गंदगी और पानी भरे मिले। जिनसे मच्छर पनपने का खतरा था। इन मकान के मालिकों को नोटिस जारी किया है। नगर मलेरिया इकाई, जिला मलेरिया अधिकारी के नेतृत्व में गठित टीमों ने विभिन्न इलाकों के प्रतिष्ठानों और घरों का निरीक्षण किया गया। एंटीलार्वा रोधी रसायन का छिड़काव करने के साथ स्थानीय लोगों को डेंगू से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।

कौशांबी में करंट लगने से 11 साल की लड़की की मौत

एजेंसी

कौशांबी। कौशांबी के केशवापुर में पडोसी के घर खेल रही 11 वर्षीय लड़की की करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में मातम मच गया। ग्रामीण महिलाओं ने मृत हो चुकी लड़की को जीवित करने की कोशिश में शव को जमीन पर लिटा कर उस पर राख और रेत लगाया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। कोखराज थाना क्षेत्र के केशवापुर गांव में फूलचंद्र का परिवार रहता है। फूलचंद्र पेशे से किसान है। सोमवार को दोपहर में फूलचंद्र की 11 वर्षीय बेटी रचना स्कूल से आने के बाद पड़ोसी मान सिंह के घर खेलने गई थी। दोनों परिवार के बच्चे घर में खेल रहे थे। परिवार की महिलाएं घर के बाहर बातचीत कर रही थी। अचानक मान सिंह के घर से बच्चों के चीखने की आवाज़ सुनकर महिलाएं भाग कर पहुंची तो देखा कि घर के आंगन से सटे लोहे के दरवाजे में रचना चिपक कर तड़प रही थी। इसके बाद सावधानी से रचना के शरीर को बाहर निकाला और अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

महराजगंज। महराजगंज के नगर पंचायत परतावल में एनएच-730 पर युवक को घर के सामने अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान अयूब अहमद (21) पुत्र बेलाल अहमद के रूप में हुई। मृतक अयूब अहमद की माता शबनम परवीन सरकारी शिक्षिका है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई। परिजनों ने बताया कि अयूब रोजाना सुबह टहलता था। एक सप्ताह पहले ही मृतक दिल्ली से घर आया था। पिता बेलाल मृतक अयूब का कुछ जरूरी कागजात उनके कॉलेज में जमा करने के लिए दिल्ली जा रहे थे।

अंबेडकर प्रतिमा लगाने पर बरेली में बवाल

भीड़ ने किया पथराव, पुलिस ने आंसू गैस छोड़कर खदेड़ा

बरेली। यूपी के बरेली में बिना अनुमति रात में लगाई गई अंबेडकर प्रतिमा को हटाने गई पुलिस और नगर पंचायत की टीम पर भीड़ ने हमला कर दिया। इसके बाद यहां बवाल हो गया। छतों से भी पुलिस पर ईंट-पत्थर फेंके गए। इस पर पुलिस ने लाठी चार्ज कर दिया और आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को खदेड़ दिया। मौके पर बड़ी तादात में पुलिस बल तैनात किया गया है। सिरौली के मोहल्ला साहूकारा में रविवार रात कुछ लोगों ने गुपचुप तरीके से ग्राम समाज की जमीन पर अंबेडकर प्रतिमा स्थापित कर दी। सुबह जब लोगों को इसकी जानकारी मिली तो विरोध शुरू हो गया। सूचना पर सीओ अजय गौतम और एसडीएम

एन राम मौके पर पहुंचे। भीम आर्मी और वहां के एक अन्य स्थानीय नेता को थाने में बैठाकर बात की गई। उन लोगों ने प्रतिमा हटाने की हामी भरी और अनुमति लेने के बाद ही स्थापित करने की बात कही। इसके बाद जब पुलिस मूर्ति हटाने पहुंची तो समझौते में बैठने वाले लोग गायब हो गए और महिलाएं सामने आकर विरोध करने लगीं। नगर पंचायत के कर्मचारी जब प्रतिमा हटाने लगी तो महिलाओं ने पथराव शुरू कर दिया और वहां बवाल हो गया। इस पर पुलिस ने लाठी चार्ज कर दिया और आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को खदेड़ दिया। अब नगर पंचायत की टीम मूर्ति को हटाने के बाद चबूतरा हटाने का काम कर रही है।

बच्चे के दांत में दर्द हुआ, इंजेक्शन लगाने पर मौत

वाराणसी में क्लीनिक संचालक पर केस दर्ज; पिता बोला- शराब के नशे में था डॉक्टर

वाराणसी। वाराणसी में 5 साल के एक बच्चे के दांत में दर्द हुआ। बच्चे का पिता उसे घर के पास स्थित क्लीनिक में ले गया।

आरोप है कि शराब के नशे में डॉक्टर ने ऐसा इंजेक्शन लगाया कि कुछ ही देर में बच्चे की मौत हो गई। मामले को लेकर आदमपुर थाने में चतुर्भुज सेवा सदन क्लीनिक के संचालक डॉ. रमेश चंद्र शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

आदमपुर थाना के गंगा नगर कॉलोनी निवासी जितेंद्र यादव पेशे से पिकअप

चालक हैं। जितेंद्र के दो बेटे हैं। जितेंद्र ने बताया कि 5 नवंबर की शाम उसके बड़े बेटे 5 वर्षीय अंश यादव के दांत में दर्द हुआ। बच्चे को दिखाने के लिए वह घर के पास क्लीनिक चलाने वाले डॉ. रमेश चंद्र शर्मा के पास गया।

डॉ. रमेश चंद शर्मा ने बच्चे को दवा दी और इंजेक्शन भी लगाया। इसके बाद बच्चे की तबीयत और ज्यादा बिगड़ गई। इस पर डॉ. रमेश चंद शर्मा ने कहा कि बच्चे को कबीरचौरा स्थित मंडलीय अस्पताल ले जाओ। मंडलीय अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

डॉक्टर की लापरवाही से जान गई

जितेंद्र यादव ने पुलिस से कहा कि बच्चे को दवा देते समय और सुई लगाते समय डॉ. रमेश चंद्र शर्मा शराब के नशे में धुत था। जितेंद्र ने कहा कि डॉ. रमेश चंद शर्मा की लापरवाही से उसके बेटे की जान गई है। वहीं, मासूम अंश की मौत के बाद उसकी मां क्षमा और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

उधर, इस संबंध में आदमपुर थाने की पुलिस ने बताया कि तहरीर के आधार पर डॉ. रमेश चंद शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

रामपुर में किसान की चाकू मारकर हत्या

रामपुर। रामपुर में 4 दबंगों ने मिलकर एक काश्तकार की हत्या कर दी। दबंगों ने घटना को रास्ते के विवाद के चलते अंजाम दिया। आरोपियों ने काश्तकार को उसके खेत में घेरकर चाकू मारकर हत्या कर दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना के चलते परिवार में कोहराम मच गया। रामपुर के थाना मिलक क्षेत्र के ग्राम पस्तौर में रहने वाला पान सिंह काश्तकार का काम करता है। 35 वर्षीय पान सिंह अपने घर के पास खेत पर गया था। इस दौरान गांव के ही 4 दबंगों ने उसे घेरकर उसके साथ मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। चाकू गर्दन में लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान परिजन भी खेत पर पहुंच गए। परिजनों को देखकर दबंग मौके से फरार हो गए। मृतक पान सिंह के बड़े भाई छत्रपाल सिंह ने बताया कि उनका गांव के विरेंदर, नेपाल, अरविंद, अभिषेक मंत्री से सड़क का विवाद चल रहा है। दबंग उनके खेत से रास्ता निकालना चाहते हैं, जिसका पान सिंह ने विरोध किया था। आरोपी रसूखदार और दबंग हैं। उनके खेत से जबरदस्ती रास्ता निकालना चाहते हैं। इसके चलते चारों दबंगों ने घटना को अंजाम दिया। मृतक पान सिंह के परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। वहीं परिजनों का यह भी आरोप है कि चारों आरोपी खुलेआम गांव में घूम रहे हैं और पुलिस उनको पकड़ तक नहीं पा रही है।

झांसी में महिला बैंक अधिकारी को भेजा अश्लील पत्र, 3 लोगों पर दर्ज हुआ मुकदमा

झांसी। झांसी में महिला बैंक अधिकारी को अश्लील पत्र भेजने का मामला सामने आया है। महिला ने कोर्ट के माध्यम से सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रबंधक संजय उपाध्याय, उनके ड्राइवर देवेंद्र सिंह और अभिजीत सिंह के खिलाफ कोतवाली थाना में केस दर्ज कराया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इससे पहले भी महिला ने क्षेत्रीय प्रबंधक पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

पत्र में महिला के लिए अश्लील भाषा का प्रयोग

पीड़ित महिला ग्वालियर रोड पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय में पदस्थ है।

जबकि उसकी ड्यूटी शहर के एक कार्यालय में है। महिला का आरोप है कि क्षेत्रीय प्रबंधक संजय उपाध्याय की नीयत और व्यवहार उसके प्रति शुरू से ही खराब है। 24 मार्च को वह अपने ऑफिस पहुंची तो सहायक प्रबंधक ने उसके नाम पर डाक द्वारा आया एक लिफाफा दिया। इसमें उसके लिए अशब्द और अश्लील शब्द लिखे हुए थे।

आरोप है कि पत्र क्षेत्रीय प्रबंधक की करतूत है। क्योंकि उसने पहले भी क्षेत्रीय प्रबंधक की यौन उत्पीड़न की शिकायत पुलिस को की थी।

पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच की मांग

महिला के अनुसार पत्र पर डाक रजिस्ट्री दिनांक और समय अंकित है। आरएमएस पोस्ट ऑफिस और झांसी रेलवे स्टेशन एवं आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखने पर संजय उपाध्याय का ड्राइवर और उसका वाहन दिख जाएगा। अश्लील पत्र से उसका अपमान हुआ है।

आरोप है कि पत्र षड़यंत्र के तहत क्षेत्रीय प्रबंधक संजय उपाध्याय, उसके ड्राइवर और कुछ अन्य लोगों द्वारा प्रेषित किया गया है।

पूर्व मुख्य सचिव दीपक सिंघल को आईटी का नोटिस

50 करोड़ अवैध संपत्ति का है आरोप; इनकम टैक्स के 'ऑपरेशन बाबू साहब' ऑपरेशन में सामने आया नाम

लखनऊ। अखिलेश सरकार में मुख्य सचिव रहे दीपक सिंघल से इनकम टैक्स की टीम पूछताछ करेगी। इनकम टैक्स के सूत्र बताते हैं कि बीते दिनों ऑपरेशन बाबू साहब की छापेमारी में दीपक सिंघल का भी नाम सामने आया है। ऑपरेशन बाबू साहब पार्ट-2 छापेमारी के दौरान कई कारोबारियों से पूछताछ हुई। जिसमें कोलकाता के कारोबारी ने दीपक सिंघल का नाम यूपी में ट्रांसफर पोस्टिंग और धांधली में लिया है। अगले 1 सप्ताह में इनकम टैक्स दीपक सिंघल से पूछताछ कर सकती है।

'ऑपरेशन बाबू साहेब पार्ट -2' में कर रही जांच

केन्द्रीय जांच एजेंसी इनकम टैक्स ने एक बार फिर से 31 अगस्त को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 22 लोकेशन पर बीते 22 सितंबर को छापेमारी की थी। इनकम टैक्स के एक

वरिष्ठ सूत्र अधिकारी के मुताबिक इस ऑपरेशन को ऑपरेशन बाबू साहेब पार्ट-2 का नाम दिया है। इस ऑपरेशन बाबू साहेब के अंतर्गत कई विभाग में कार्यरत उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई को अंजाम दिया गया, जो सरकारी फंड का दुरूपयोग करके व्यक्तिगत फायदा लेते हैं और घोटाले कि बुनियाद तैयार करते हैं। जिसके बाद उसी कड़ी में उससे जुड़े कई सीनियर और जूनियर अधिकारी और कर्मचारी द्वारा फर्जीवाड़े को अंजाम दिया जाता है। इस ऑपरेशन के तहत फिलहाल 22 लोकेशन पर सर्च ऑपरेशन की शुरुआत की गई थी। ऑपरेशन बाबू साहेब पार्ट 2 में छापेमारी के बाद कई कारोबारी और बिचौलियों से इनकम टैक्स की टीम अलग-अलग जगह पर पूछताछ कर रही है। इस पूछताछ में उत्तर प्रदेश से जुड़े नौकरशाहों का भी नाम सामने आया है।

दो साल पहले हुई थी धोखाधड़ी की एफआईआर

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव दीपक सिंघल और उनके दामाद के खिलाफ दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने ढाई करोड़ रुपए की धोखाधड़ी और साजिश करने का केस 2020 में दर्ज किया गया था। यह कार्रवाई दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-13 निवासी संजय अग्रवाल की शिकायत पर हुई है। संजय का आरोप है कि दीपक सिंघल ने अपने दामाद के साथ मिलकर कागज सप्लाई का टेंडर दिलाने के लिए जालसाज़ी की थी। सितंबर 2016 में उत्तर प्रदेश के चीफ सेक्रेटरी दीपक सिंघल बनाए गए थे।

यूपी के विभिन्न विभागों में टेंडर का दिया था ऑफर

संजय अग्रवाल ने EOW को दी तहरीर में आरोप लगाया था कि साल 2017 में उत्तर प्रदेश के चीफ सेक्रेटरी रहे दीपक सिंघल के दामाद दीपक अग्रवाल से उनकी मुलाकात हुई थी। दामाद दीपक अग्रवाल ने उनसे कहा कि आप कागज के कारोबारी हैं।

आपको उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागों में सप्लाई किए जा रहे स्टेशनरी का टेंडर मैं दिला दूंगा। दीपक अग्रवाल ने विश्वास दिलाने के लिए मेरी मुलाकात अपने ससुर दीपक सिंघल से साल 2017 में उत्तर प्रदेश मुख्य सचिव के कार्यालय में कराई थी। मुलाकात के दौरान दीपक सिंघल ने मुझे टेंडर दिलाने का भरोसा दिया था। इसके बाद दामाद ने ढाई करोड़ रुपए टोकन मनी मुझसे ले लिया।

दो करोड़ की स्मैक के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार, एसटीएफ ने पकड़ा

सहारनपुर। लखनऊ एसटीएफ ने देवबंद के सापला तिराहे से तीन अंतरराज्यीय गैंग के सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ को उनके पास से 2.220 किलोग्राम स्मैक मिली है। स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में दो करोड़ रुपए कीमत बताई जा रही है। एसटीएफ की टीम ने 6 नवंबर की देर रात को आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में मादक पदार्थों की तस्करी करने का गिरोह सक्रिय है। जिसकी शिकायत एसटीएफ को लगातार मिल रही थी। स्क्वॉड के अपर पुलिस अधीक्षक बृजेश सिंह ने बताया कि छह नवंबर को एसटीएफ ने देवबंद के सापला तिराहे में छापेमारी की। छापेमारी में गिरोह के तीन सदस्य जोनी उर्फ जावेद, तौहीद व सुरेंद्र को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 2 किलो 220 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में दो करोड़ रुपए है।

आरोपी सुरेंद्र बोला, हम लोग बरेली के अशफाक से स्मैक लाकर सहारनपुर जिले में इसकी सप्लाई करते हैं। यह कैंटर मेरा है, जिससे मैं इन लोगों के लिए अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करता हूं। एक चक्कर के 45 हजार रुपए मिलते है। दो से तीन बार स्मैक ला चुका हूं।

ऐसे हुई गिरफ्तारी

एसटीएफ के पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया, कई दिनों से एसटीएफ को अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने की वाले शातिर तस्करों के सक्रिय होने की सूचनाएं मिल रही थी। एसटीएफ फील्ड यूनिट मेरठ के पर्यवेक्षण में अभिसूचना संकलन ने कार्रवाई शुरू की और अभिसूचना तन्त्र को सक्रिय किया गया। छह नवंबर की देर रात को छापेमारी की गई। जहां पर तीनों आरोपी मिले।

एसटीएफ के इनपुट पर गिरफ्तारी

दरअसल, मादक पदार्थों की तस्करी का बड़ा हब के तौर पर बरेली चर्चाओं में है। जो तस्कर इन अड्डों से स्मैक बेचने के लिए खरीदने आते हैं। उनकी मुखबिरी भी वहीं से की जा रही है। छह नवंबर को भी बरेली से एसटीएफ को इनपुट मिला था।

रेप का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

सुलतानपुर। मूकबधिर महिला से रेप के आरोपी युवक को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पैर में गोली लगी है, जिसे गंभीर स्थिति में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंभुआ में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने असलहा और जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। सोमवार को मुखबिर से पुलिस को सूचना मिली, घेराबंदी कर जब पुलिस ने आरोपी को पकड़ना चाहा तो गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी पृथ्वीपाल ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई में आरोपी पृथ्वीपाल के पैर में गोली लगी है। महमूदपुर जंगल के पास हुई घटना के बाद स्थानीय स्तर पर अफरा-तफरी का माहौल देखा गया। पुलिस के उच्चाधिकारी थानाध्यक्ष एके सिंह के साथ मौके पर पहुंचे। पीड़िता के बयान के आधार पर गिरफ्तारी सुनिश्चित करते हुए न्यायालय के आदेश पर मुलजिम को जेल भेजने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

शार्ट न्यूज़

रुपये में 43 पैसे की तेजी

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर पड़ने और घरेलू शेयर बाजार में जारी तेजी की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 43 पैसे मजबूत होकर 81.92 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह पिछले कारोबारी दिवस रुपया 53 पैसे की तेजी लेकर 82.35 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 21 पैसे की बढ़त लेकर 82.14 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और बिकवाली से समर्थन पाकर 81.87 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि लिवाली के दबाव में यह 82.32 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 82.35 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 43 पैसे मजबूत होकर 81.92 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार, चीन के कोविड प्रतिबंध को पूरी तरह से समाप्त करने से इंकार करने की वजह से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में गिरावट आई है, जिससे रुपये को समर्थन मिला है। इसके साथ ही घरेलू शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन भी तेजी रहने से रुपये को बल मिला है।

राजस्व घाटा अनुदान के तहत 14 राज्यों के लिए 7183.42 करोड़ जारी

नयी दिल्ली। सरकार ने 14 राज्यों के लिए राजस्व घाटा अनुदान के तहत 7183.42 करोड़ रुपये की किश्त जारी कर दी है। वित्त मंत्रालय ने आज यहां बताया कि चालू वित्त वर्ष में अब तक इसके तहत 57467.33 करोड़ रुपये जारी किये जा चुके हैं। चालू वित्त वर्ष में राज्यों को इसके तहत कुल 86201 करोड़ रुपये जारी किये जाने हैं। मंत्रालय के अनुसार नवंबर में जारी यह चाले वित्त वर्ष की आठवीं मासिक किश्त है। यह राशि 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप जारी की जा रही है। जिन राज्यों के लिए यह राशि जारी की जाती है उनमें आंध्र प्रदेश, असम, हिमाचल प्रदेश, केरल, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल शामिल है।

ममता बनर्जी कू ऐप से जुड़ीं

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी माइक्रो ब्लागिंग साइट कू ऐप से जुड़ गई हैं। अपनी पहली कू पोस्ट में सुश्री बनर्जी ने नल के जरिये 50 लाख ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल की पहुंच की घोषणा की। उन्होंने इस उपलब्धि को हासिल करने में शामिल सभी लोगों को शुभकामनाएं दीं। प्लेटफॉर्म पर सुश्री बनर्जी का स्वागत करते हुए कू ऐप के सीईओ और सह-संस्थापक अप्रमेय राधाकृष्ण ने कहा, हम अपने मंच पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के आने से प्रसन्न हैं। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के अन्य नेता और एआईटीसी का आधिकारिक हैंडल भी हमारे मंच पर मौजूद है। दुनियाभर में लाखों बंगाली यूजर्स और देशभर में कई भारतीय सीधे ममता जी से अपडेट हासिल करना चाहेंगे। यह उनके लाखों फॉलोअर्स के लिए अपनी मातृभाषा में विभिन्न विषयों पर उनके विचारों को जानने और सुनने का सबसे अच्छा तरीका है। कू ऐप को लॉन्चिंग के बाद से करीब ढाई वर्षों में इसने पांच करोड़ डाउनलोड का आंकड़ा पार कर लिया है और हम ज्यादा से ज्यादा प्रमुख शख्सियतों को वृहद भारत से जुड़ने के लिए मंच पर आने के लिए आमंत्रित करते हैं।

आईथिंक लॉजिस्टिक्स की गो ग्रीन पहल

नयी दिल्ली। सास आधारित प्लेटफॉर्म आईथिंक लॉजिस्टिक्स ने नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी (एनएलपी) की दिशा में कदम उठाते हुये विभिन्न शहरों में गो ग्रीन पहल शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि इसके तहत वह अपने ग्राहकों को पौधे भेजेगी। कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में पौधों के महत्व को समझाने में मदद करने के लिए पौधों का यह उपहार ग्राहकों के लिए एक उत्साहजनक तोहफा होगा। ये पौधे, जो ग्राहकों को दिए जाएंगे, नमी के स्तर को बढ़ाने और साथ ही हवा में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करने के लिए जाने जाते हैं, जो हवा को साफ करने में मदद करता है। यह पर्यावरण के अनुकूल पहल अत्यधिक कार्बन इमीशन में सुधार की दिशा में एक विवेकपूर्ण कदम है क्योंकि लॉजिस्टिक्स क्षेत्र भारत में कार्बन उत्सर्जन में तीसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। इसके बारे में कंपनी के सह संस्थापक ज़ैबा सारंग ने कहा'' हम अत्यधिक कार्बन उत्सर्जन को समाप्त करने की जिम्मेदारी के महत्व को समझते हैं, क्योंकि यह लॉजिस्टिक्स परिचालन का एक बाय प्रोडक्ट है। चूंकि हमारी कम्पनी वास्तव में एक भारतीय संगठन है, इसलिए हम दिवाली की इस शुभ अवधि का उपयोग एक अन्तर पैदा करने और एक टचस्टोन स्थापित करने के लिए करना चाहते हैं कि भारत में जिम्मेदार लॉजिस्टिक्स कम्पनियों को कैसे काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आईथिंक लॉजिस्टिक्स की गो ग्रीन पहल में कर्मचारी जुड़ाव गतिविधियां भी शामिल हैं जिनका उद्देश्य जागरूकता पैदा करना और पर्यावरण के लिए स्थिरता को बढ़ावा देना है।

फोनपे के स्मार्टस्पीकर के ज़रिए 100 करोड़ से ज़्यादा का लेनदेन

नयी दिल्ली। फिनटेक प्लेटफॉर्म फोनपे के स्मार्टस्पीकर के जरिये अब तक 100 करोड़ से ज्यादा का अब तक लेनदेन हो चुका है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि अब तक भारत में 10 लाख स्मार्टस्पीकर का इस्तेमाल हो रहा है। साथ ही, कंपनी ने लॉन्च के सिर्फ़ 3 महीने में 100 करोड़ से ज़्यादा का लेनदेन हो चुका है। इससे कंपनी को देश भर में अपने ऑफ़लाइन मर्चेंट पेमेंट सुविधा को बेहतर बनाने में मदद मिली है। इस साल अगस्त में मर्चेंट लोकेशन पर सुरक्षित और सुविधाजनक पेमेंट ट्रैकिंग के लिए इसकी शुरुआत की गई थी। उसने कहा कि इस डिवाइस के लिए कारोबारियों से बहुत अच्छी प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। यही वजह है कि शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में हमारे कारोबार मालिकों के बीच स्मार्टस्पीकर की मांग लगातार बढ़ रही है।

फोनपे के स्मार्टस्पीकर के ज़रिए 100 करोड़ से ज़्यादा का लेनदेन

नयी दिल्ली। फिनटेक प्लेटफॉर्म फोनपे के स्मार्टस्पीकर के जरिये अब तक 100 करोड़ से ज्यादा का अब तक लेनदेन हो चुका है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि अब तक भारत में 10 लाख स्मार्टस्पीकर का इस्तेमाल हो रहा है। साथ ही, कंपनी ने लॉन्च के सिर्फ़ 3 महीने में 100 करोड़ से ज़्यादा का लेनदेन हो चुका है। इससे कंपनी को देश भर में अपने ऑफ़लाइन मर्चेंट पेमेंट सुविधा को बेहतर बनाने में मदद मिली है। इस साल अगस्त में मर्चेंट लोकेशन पर सुरक्षित और सुविधाजनक पेमेंट ट्रैकिंग के लिए इसकी शुरुआत की गई थी। उसने कहा कि इस डिवाइस के लिए कारोबारियों से बहुत अच्छी प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं।

वेस्टलाइफ डेवलपमेंट लिमिटेड हुआ वेस्टलाइफ फूडवर्ल्ड लिमिटेड

नयी दिल्ली। फास्टफूड नेटवर्क मैकडोनाल्ड्स का पश्चिम और दक्षिण भारत में संचालन करने वाली कंपनी वेस्टलाइफ डेवलपमेंट लिमिटेड ने अपना नाम बदलकर वेस्टलाइफ फूडवर्ल्ड लिमिटेड करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह कदम कंपनी की सहायक कारोबारी गतिविधियों के स्वभाव के अनुसार उसके ज्यादा करीब जाने के लिये उठाया गया है। फूड सर्विस इंडस्ट्री में कंपनी के मुख्य व्यवसाय को गति देने पर लक्षित, नाम में यह बदलाव कंपनी के मौजूदा व्यवसाय परिचालन के साथ उसका ताल-मेल बढ़ाएगा। वेस्टलाइफ का नया नाम दिखाता है कि कंपनी फूड सर्विस इंडस्ट्री में अपने व्यवसाय को मजबूती देने पर केन्द्रित है। वेस्टलाइफ 300 से ज्यादा रेस्टोरेन्ट्स से मैकडोनाल्ड्स के व्यवसाय की सफल वृद्धि और विस्तार कर रही है। पश्चिम और दक्षिण भारत में अब वेस्टलाइफ फूडवर्ल्ड लिमिटेड के स्वामित्व वाले 331 मैकडोनाल्ड्स रेस्टोरेन्ट्स और 267 मैककैफेज हैं। वेस्टलाइफ फूडवर्ल्ड लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक अक्षय जटिया ने कहा, जब हम मैकडोनाल्ड्स को वेस्टलाइफ के तहत लाए, तब हमारा विचार इस ब्राण्ड के लिये भारत में एक मजबूत व्यवसाय को स्थापित और विस्तारित करने और अपने सभी साझीदारों को महत्व देने का था।

किसान अन्नदाता के साथ अब ऊर्जादाता भी बनेगा : गडकरी

मंडला। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि मध्यप्रदेश में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को निरंतर कृषि कर्मण पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। अब मध्यप्रदेश कृषि उत्पादों का निर्यात भी करने लगा है। किसान अन्नदाता के साथ अब ऊर्जादाता भी बनेगा।

गडकरी ने मंडला में मंडला और डिंडोरी जिले के लिए 1261 करोड़ रूपये लागत की 5 सड़क परियोजना का शिलान्यास किया। केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी ने कहा कि मंडला में प्रकृति का निवास है, यह रानी दुर्गावती की भूमि है तथा यहाँ कान्हा जैसा विश्व प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यान है। जनजातीय कार्यों के विकास के लिए सड़कें अत्यंत जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान, केंद्रीय राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते सहित स्थानीय जन-प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सड़क विकास के प्रस्तावों पर विस्तृत अध्ययन कर योजनाओं को स्वीकृति दी जाएगी।

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने देशभर में ऊर्जा के क्षेत्र में परिवहन मंत्रालय द्वारा प्रारंभ की गई नई परियोजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने मध्यप्रदेश में परिवहन के क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि मंडला, डिंडौरी एवं अन्य जनजातीय क्षेत्रों में बांस के उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सकता है। बाँस से भविष्य में इथेनॉल का निर्माण होगा, जिससे परिवहन एवं अन्य क्षेत्रों के लिए ऊर्जा पैदा की जा सकेगी।

गडकरी ने कान्हा-बालाघाट क्षेत्र में सड़क विकास के लिए नए प्रोजेक्ट को 'गति शक्ति योजना' में शामिल करने की बात कही। उन्होंने मंडला-जबलपुर हाई-वे के बारे में चर्चा की। उन्होंने हाई-वे निर्माण में गुणवत्ता से असंतुष्टि जाहिर की और मंडला एवं आसपास के क्षेत्र की जनता को सड़क से हुई परेशानी के लिए मंच से माफी मांगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय राजमार्ग के पुराने कार्य को रिपेयर करें तथा सड़क के खराब हिस्से के निर्माण के लिए जल्द नया टेंडर जारी करें। केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी ने आगामी वर्षों में अलग-अलग परियोजनाओं से सड़क एवं पुलों के विकास के बारे में चर्चा की।

केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा देश के सभी धार्मिक स्थानों तक पहुंचने के लिए लगातार बारह-मासी सड़कों का निर्माण जारी है। उन्होंने अमरकंटक से लेकर धार-झाबुआ तक नर्मदा एक्सप्रेस-वे के निर्माण के संबंध में

कहा कि इस मार्ग के निर्माण के लिए मंत्रालय द्वारा अध्ययन जारी है। इस मार्ग के विकास से नर्मदा प्रदक्षिणा करने वाले श्रद्धालुओं को निश्चित रूप से लाभ होगा। श्री गडकरी ने मध्यप्रदेश में मेडिकल की पढ़ाई हिंदी भाषा में भी प्रारंभ करने पर मुख्यमंत्री श्री चौहान को सभी विद्यार्थियों की ओर से शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि गरीब एवं वंचित वर्गों तक विकास को पहुँचाना हमारा संकल्प है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार चारों तरफ सड़कों के जाल बिछाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने मंडला और डिंडोरी जिले के लिए केंद्र सरकार द्वारा दी गई नई 5 सड़क परियोजना की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी को धन्यवाद दिया। श्री चौहान ने बताया कि वर्ष 2003 के बाद प्रदेश सरकार द्वारा अब तक 3 लाख किलोमीटर से अधिक लंबाई की सड़कें बनाई जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि नर्मदा उद्गम से लेकर धार-झाबुआ तक 'नर्मदा एक्सप्रेस-वे' बनाने का प्रस्ताव है। 'नर्मदा एक्सप्रेस-वे' के दोनों ओर औद्योगिक क्षेत्र के विकास का प्रयास किया जाएगा, जहाँ स्थानीय उत्पादों पर आधारित उद्योग लगाए जाएंगे।

चौहान ने कहा कि सरकार विकास के कार्यों में कमी नहीं होने देगी। उन्होंने मंडला-डिंडौरी क्षेत्र में घर-घर पानी पहुँचाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने सीएम जनसेवा अभियान में मंडला जिले में प्राप्त तथा स्वीकृत आवेदनों की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में कुल एक लाख 84 हजार 753 आवेदन में से एक लाख 56 हजार 944 को स्वीकृत किया जा चुका है। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी से कान्हा क्षेत्र को मुख्य सड़क मार्गों से जोड़ने तथा नर्मदा सौन्दर्यीकरण और विकास के लिए नए प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने मंडला जिले में नए सीएम राईज स्कूलों के संचालन, विशेष कोचिंग के माध्यम से नीट परीक्षा में जनजाति बहुल जिलों के विद्यार्थियों की सफलता तथा मध्यप्रदेश में मेडिकल की पढ़ाई हिंदी माध्यम में शुरू किए जाने की जानकारी दी।

चौहान ने कहा कि 15 नवंबर को प्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाएगा। इसमें प्रदेश में पंचायत से लेकर जिला स्तर तक समारोहपूर्वक अनेक कार्यक्रम होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 नवंबर से ही संपूर्ण प्रदेश में सामाजिक समरसता के साथ 'पेसा एक्ट' भी लागू किया जाएगा। उन्होंने मेडिकल कॉलेज के भूमि-पूजन के लिए जल्द मंडला आने की बात भी कही।

केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री कुलस्ते ने कहा कि पाँच सड़क परियोजना का शिलान्यास महाकौशल क्षेत्र के लिए अत्यंत गौरव का पल है। उन्होंने सड़क परियोजनाओं की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं सड़क परिवहन मंत्री श्री गडकरी का मंडला एवं डिंडोरी की जनता तथा स्थानीय जन-प्रतिनिधियों की ओर से अभिनंदन किया। कुलस्ते ने जबलपुर-नैनपुर बाईपास, कान्हा क्षेत्र को प्रमुख मार्गों से जोड़ने, नैनपुर-सिवनी हाई-वे, मंडला-लखनादौन के लिए नई परियोजनाओं की स्वीकृति का आग्रह किया।

प्रदेश के लोक निर्माण कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी को नई सड़क परियोजनाओं की स्वीकृति के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने वर्ष 2014 के बाद से मध्यप्रदेश में सड़क एवं अन्य बड़ी परियोजनाओं के विकास कार्यों की जानकारी दी। मंत्री श्री भार्गव ने सड़क, पुलिया एवं फ्लाईओवर निर्माण के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाले केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री गडकरी को विजनरी, दृष्टिवान एवं नवाचार का धनी बताया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी तथा मुख्यमंत्री श्री चौहान का स्थानीय जन-प्रतिनिधियों ने कलगी-साफा पहना कर स्वागत किया। कार्यक्रम में 5 सड़क परियोजना पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। अतिथियों ने सड़क परियोजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद संपतिया उईके, विधायक देव सिंह सैयाम, डॉ अशोक मर्सकोले और नारायण पट्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा और जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश टेकाम उपस्थित रहे।

गेट्स फाउंडेशन ने 'कोप27' में साहसिक और तत्काल कार्रवाई का आह्वान किया

छोटे किसानों की जलवायु अनुकूलन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई प्रतिबद्धता की घोषणा की

शर्म अल शेख, मिस्र,। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने राष्ट्रों से जलवायु अनुकूलन के लिए तेजी से वित्त बढ़ाने के लिए अफ्रीकी नेताओं के आह्वान को आज दोहराया और जलवायु परिवर्तन के तत्काल व दीर्घकालिक प्रभावों को दूर करने में छोटे किसानों की मदद करने के लिए .1.4 बिलियन का निवेश करने का वचन दिया। यह घोषणा गेट्स फाउंडेशन के सीईओ मार्क सुजमैन ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में की।

कई क्षेत्रों के लिए, जलवायु परिवर्तन एक अनूठा खाद्य और आर्थिक संकट है। 2 बिलियन से अधिक लोग भोजन और आय के लिए छोटी जोत वाले खेतों पर निर्भर हैं, फिर भी वैश्विक जलवायु वित्त का 2 प्रतिशत से भी कम इन खेतों को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाने में मदद के लिए समर्पित है। जलवायु खतरों के बढ़ने के साथ, छोटे किसानों की पैदावार और लचीलापन सीमित होने से खाद्य सुरक्षा और अधिक खतरे में पड़ेगी जिससे खाद्य और आर्थिक संकट लंबे समय तक चलेगा।

सुजमैन ने कहा, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पहले से ही विनाशकारी रहे हैं, दुनिया द्वारा कदम उठाने में की जाने वाली देरी के हर पल में, और अधिक लोग पीड़ित होते हैं, व समाधान अधिक जटिल तथा महंगे हो जाते हैं। हमारी प्रतिबद्धता छोटे किसानों को आज के अनुकूल बनाने और भविष्य के लिए लचीलापन बनाने में मदद करेगी। इस जलवायु शिखर सम्मेलन के लिए तत्काल और दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने वाली साहसिक प्रतिबद्धताओं का निर्माण करना आवश्यक है। लीडर्स को अपनी प्राथमिकताओं को समझने और तत्काल कदम उठाने के लिए अफ्रीकी किसानों व सरकारों की आवाज सुननी चाहिए।

फाउंडेशन की प्रतिबद्धता उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में छोटे किसानों को लचीलापन बनाने व खाद्य सुरक्षा में मदद के लिए चार वर्षों में तत्काल कार्रवाई और दीर्घकालिक पहल हेतु धन उपलब्ध करवाएगी। यह वित्तपोषण क्लाइमेट-स्मार्ट कृषि परियोजनाएं तैयार करने, डिजिटल प्रौद्योगिकियों के नए एप्लीकेशंस, सीमांत पशुधन खेती के लिए क्लाइमेट-स्मार्ट नवाचारों और सीमांत महिला किसानों को उनकी अप्रयुक्त क्षमता का फायदा उठाने में समर्थन देने के लिए अफ्रीकी-नेतृत्व वाले नवाचार पर ध्यान केंद्रित करेगा।

बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सह-अध्यक्ष मेलिंडा फ्रेंच गेट्स ने कहा, ग्रामीण अफ्रीका में महिलाएं उनकी खाद्य प्रणालियों की रीढ़ हैं, लेकिन उन्हें अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने या जलवायु खतरों के प्रति लचीलापन बनाने के लिए आवश्यक संसाधनों तक समान पहुंच कभी नहीं मिली।

जलवायु संकट के और गहराने के बीच, उनकी अर्थव्यवस्थाओं में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका की अनदेखी नहीं की जा सकती है। सही वित्त पोषण और विपणन सहायता के साथ, सीमांत महिला किसान एक दिन में अपनी मौजूदा मासिक कमाई से अधिक कमा सकती हैं, जिससे अंतत: इन क्षेत्रीय खाद्य प्रणालियों में बदलाव होगा और पूरे महाद्वीप में परिवारों और समुदायों के लिए स्वस्थ, अधिक टिकाऊ और अधिक समृद्ध भविष्य का रास्ता खुलेगा।

उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में ग्रामीण महिलाओं की आजीविका में सुधार के लिए, फाउंडेशन International Fund for Agricultural Development (IFAD)के साथ अपनी मौजूदा साझेदारी को और मजबूत कर रहा है। इसका लक्ष्य उन पहलों को और बल देना है जो महिला किसानों को सशक्त बनाती हैं, लिंग और जलवायु अनुकूलन के संबंध में नवाचारों का समर्थन करती हैं और जलवायु वित्तपोषण बढ़ाती हैं जो ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रणालियों को मजबूत करने के लिए आवश्यक क्लाइमेट-स्मार्ट संसाधनों तक बेहतर पहुंच प्रदान करती हैं।

नए अनुकूलन नवाचारों के विकास में तेजी लाने के लिए, फाउंडेशन सीजीआईएआर कृषि अनुसंधान प्रणाली के लिए बजट को दोगुना करने के लिए भागीदारों के गठबंधन के साथ काम करना जारी रखे हुए है। CGIAR E&cellence in Agronomy पहल अफ्रीकी अनुसंधान संस्थानों, स्थानीय व्यवसायों और किसान संगठनों के साथ भागीदारी करती है। साथ-साथ वे बड़े डेटा, एनालिटिक्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए कर रहे हैं जो लघु कृषक समुदायों में आय, खाद्य सुरक्षा और पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकते हैं।

बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष बिल गेट्स ने कहा, जलवायु संकट लोगों और अर्थव्यवस्थाओं के पूरे क्षेत्रों को खतरे में डालते हुए, हर दिन भारी नुकसान पहुंचा रहा है।

कमजोर समुदायों के लिए कृषि और तकनीकी नवाचार व्यापक रूप से उपलब्ध हों, यह सुनिश्चित करने के लिए अधिक धन आवश्यक है, जिससे उन्हें जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होने, जीवन बचाने और आर्थिक विकास को बढ़ाने में मदद मिलती है।

सेंसेक्स 61 हजार अंक के पार

मुंबई। चीन के कोविड प्रतिबंधों को समाप्त करने से इनकार करने के बावजूद वैश्विक बाजार में जारी तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, ऑटो, कमोडिटीज, बैंकिंग, धातु, तेल एवं गैस और रियल्टी समेत 18 समूहों में हुई लिवाली की बदौलत आज सेंसेक्स 61 हजार अंक के पार पहुंच गया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 234.79 अंक की छलांग लगाकर 61 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर 61185.15 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 85.65 अंक चढ़कर 18202.80 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 0.69 प्रतिशत मजबूत होकर 25,823.74 अंक और स्मॉलकैप 0.64 प्रतिशत की बढ़त लेकर 29,292.56 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3751 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2059 में लिवाली जबकि 1498 में बिकवाली हुई वहीं 194 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 34 कंपनियां हरे जबकि 15 लाल निशान पर रही वहीं एक के भाव स्थिर रहे।बीएसई में कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर समूह की एक प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर शेष 18 समूह में तेजी रही। इस दौरान कमोडिटीज 0.95, सीडी 0.58, ऊर्जा 1.06, वित्तीय सेवाएं 0.78, इंडस्ट्रियल्स 0.50, दूरसंचार 0.50, यूटिलिटीज 0.72, ऑटो 1.23, बैंकिंग 0.98, धातु 1.06, तेल एवं गैस 1.23, पावर 0.55 और रियल्टी समूह के शेयर 1.11 प्रतिशत मजबूत रहे।

चीन के कोविड प्रतिबंधों को पूरी तरह से समाप्त करने से इनकार करने के बावजूद उतार-चढ़ाव से गुजरकर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेजी का रुख रहा। इस दौरान जर्मनी का डैक्स 0.83, जापान का निक्केई 1.21, हांगकांग का हैंगसेंग 2.69 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.23 प्रतिशत चढ़ गया जबकि ब्रिटेन के एफटीएसई में 0.02 प्रतिशत की गिरावट रही।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 238 अंक की तूफानी तेजी के साथ 61,188.13 अंक पर खुला और दमदार लिवाली की बदौलत थोड़ी देर बाद ही 61,401.54 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बिकवाली होने से दोपहर बाद यह 60,714.36 अंक के निचले स्तर पर आ गया। अंत में पिछले दिवस के 60,950.36 अंक की तुलना में 0.39 प्रतिशत चढ़कर 61,185.15 अंक पर पहुंच गया।

इसी तरह 95 अंक की बढ़त लेकर 18,211.75 अंक पर खुला निफ्टी भी सत्र के दौरान 18,255.50 अंक के उच्चतम जबकि 18,064.75 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 18,117.15 अंक की तुलना में 0.47 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,202.80 अंक पर बंद हुआ।

गोयल ने निर्यात संवर्धन परिषदों से निर्यात गति बढ़ाने के प्रयास करने को कहा

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने निर्यात संवर्धन परिषदों से निर्यात वृद्धि की गति बनाये रखने के लिए प्रयास करने की अपील की है। गोयल ने सोमवार को यहां निर्यात संवर्धन परिषदों तथा उद्योग निकायों के साथ निर्यात पर क्षेत्रवार प्रगति की समीक्षा के दौरान यह बात कही। उन्होंने परिषदों से निर्यात को बढ़ावा देने तथा पिछले वर्ष दर्ज विकास की तेज गति को बनाये रखने की अपील की।गोयल ने प्रतिनिधियों से कुछ देशों द्वारा खाली की गई जगह को हासिल करने की वैश्विक व्यापार की बाधाओं को दूर करने के प्रयास करने को कहा। उन्होंने उद्योग जगत से राष्ट्रवाद की भावना से विकास को बढ़ावा देने के लिए एक दूसरे की सहायता करने की अपील की। वाणिज्य मंत्री ने निर्यात के अवसर के क्षेत्रों का पता लगाने के लिए अधिकारियों को सेक्टरों, कमोडिटी तथा बाजारों के आधार पर निर्यात डाटा का विश्लेषण करने को भी कहा। उन्होंने सरकार के साथ निर्यात संवर्धन परिषदों तथा उद्योग निकायों के बीच संवाद के चैनलों को खोलने की अपील की जिससे कि उनके सामने आने वाले मुद्दों पर गौर किया जा सके और उनका समाधान निकाला जा सके। वाणिज्य सचिव सुनील बर्तवाल ने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय द्वारा उठाये गए विभिन्न कदमों की विस्तार से जानकारी दी। विदेश व्यापार महानिदेशक संतोष सारंगी ने नई निर्यात प्रवृत्तियों तथा संभावनाओं पर एक प्रस्तुति दी।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन बने वियतनाम-भारत अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी 2022 के सह आयोजक

सोनीपत। WUD के कलाकार वियतनाम-भारत अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी 2022 में भागीदारी लेने मौजूद हैं जिसका प्रसंग है 'बियोंड एंड बेनीथ आर्ट्स एक्सचेंज। यह प्रदर्शनी और कार्यशाला अक्टूबर 31, 2022 से नवंबर 10, 2022 तक वैन लैंग यूनिवर्सिटी, हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम में है।

इस इवेंट का उद्देश्य दोनो राष्ट्रों के कलाकारों और संकाय को साथ लाना है ताकि ललित कला में रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा मिले।

यह प्रतिस्पर्धा दो हिस्सो में है जिनमे 11 मेधावी भारतीय कलाकार और 20 वियतनाम के कलाकार भाग ले रहे हैं। इन दिनों में छात्रों को वियतनाम के संग्रहालयों और आर्ट गैलरी से अवगत कराया जाएगा ताकि

वे प्रेरणा ले सकें। दूसरे चरण में वियतनाम के छात्र WUD परिसर आयेंगे और भारतीय कलाकारों के साथ मिल नए कलाकृतियों पर कार्य करेंगे। केकेयेल्लम फाउंडेशन के सहयोग से एक अत्यंत महत्वपूर्ण वियतनाम-भारत एक्सचेंज सेमिनार का आयोजन भी होगा जिसमे छात्र बहुत आवश्यक अंतरदृष्टियां उपलब्ध कर पाएंगे। इस सेमिनार पर कुछ प्रभावशाली और नामी कलाकार उपस्थित होंगे जो अपने कार्यकाल की व्याख्या से छात्रों के जीवन को मार्गदर्शन देंगे। नवंबर 9, 2022 को प्रतिभागी अपनी अपनी कलाकृतियां एक भव्य प्रदर्शनी में प्रस्तुत करेंगे और इसके माध्यम से आने वाली राशि स्थानीय कलाकारों के उत्थान में योगदान देगी।

ऐसे मंच पर भागीदारी होना अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है और ऐसे मौके पर भावविभोर डा संजय गुप्ता (कुलपति, वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन) ने कहा, इस प्रतिस्पर्धा के माध्यम से हम एक गटबंधन की तैयारी कर रहे हैं ताकि आर्ट और रचनामकता को कभी राष्ट्रों की सीमाओं के अधीन न होना पड़े। यह विचारों के बेहिचक आदान प्रदान का सोत्र है।

इस अवसर पर प्रो ट्रान थी में दीयू, (अध्यक्ष, वैन लैंग यूनिवर्सिटी) ने कहा, हमें पूरी उम्मीद है कि इस इवेंट के जरिए दोनो यूनिवर्सिटी के छात्र अपने करियर को सुनहरी सीढ़ियों पर चढ़ेंगे। दृष्टिकोण और विचारों को विनिमय करने से दोनो ही तरफ उत्थान होगा। वियतनाम और भारत दोनो ही ऐसे राष्ट्र हैं जिन्होंने अपने संस्कृति और कला द्वारा विश्व में अपनी अपनी महत्वपूर्ण पहचान बनाई है। ना केवल इन छात्रों के लिए वरन दोनो देशों के लिए इन यूनिवर्सिटियों ने एक बहुत ज़रूरी और नायाब कदम भी उठाया है।

एनपीए कम करने के प्रयासों से सरकारी बैंकों का मुनाफा बढ़ा : सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि फंसे कर्ज यानी गैर-निष्पादित आस्तियां (ह्क्क) को कम करने के सरकार के प्रयासों के परिणाम अब दिखने लगे हैं।

उन्होंने कहा सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में सामूहिक रूप से 50 फीसदी बढ़कर 25,685 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं, 2022-23 की पहले छमाही में सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों का शुद्ध लाभ 32 फीसदी उछलकर 40,991 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

सीतारमण ने ट्वीट किया, 'एनपीए को कम करने और पीएसबी

की वित्तीय स्थिति को और मजबूत करने के लिए सरकार के निरंतर प्रयास अब ठोस परिणाम दिखा रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'सभी 12 सरकारी बैंकों का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बढ़कर 25,685 करोड़ रुपये और पहली छमाही में बढ़कर 40,991 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसमें सालाना आधार पर क्रमश: 50 फीसदी और 31.6 फीसदी की वृद्धि हुई है।'

उन्होंने कहा कि केनरा बैंक का शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही की तुलना में इसी तिमाही में 89 फीसदी बढ़कर 2,525 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि कोलकाता स्थित यूको बैंक का शुद्ध लाभ भी चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 145 फीसदी बढ़कर 504 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, बैंक ऑफ बड़ौदा का शुद्ध मुनाफा इसी तिमाही में 58.70 फीसदी बढ़कर 3,312.42 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों में से दो...पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ इंडिया का मुनाफा 9 से 63 फीसदी घटा है। डूबे कर्ज के लिए ऊंचे प्रावधान की वजह से इन बैंकों के मुनाफे में कमी आई है। वहीं 10 अन्य बैंकों का मुनाफा दूसरी तिमाही में 13 से 145 फीसदी बढ़ा है।

यूको बैंक के मुनाफे में सबसे अधिक 145 फीसदी की वृद्धि हुई है जबकि बैंक ऑफ महाराष्ट्र का तिमाही लाभ 103 फीसदी चढ़ा है।

अंबुजा सीमेंट्स को मिला पर्यावरण सुरक्षा को लेकर पुरस्कार

नयी दिल्ली। अडानी समूह की सीमेंट क्षेत्र से जुड़ी कंपनी अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने जल दक्षता, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर अंकुश लगाने और पर्यावरण श्रेणी में समग्र नेतृत्व पर अपनी पहल के लिए ईएसजी इंडिया लीडरशिप अवार्ड्स 2022 हासिल किया है। अंबुजा सीमेंट्स ने रविवार को एक बयान में कहा कि कंपनी ने अपने संचालन में सतर्कता के लिए विशिष्ट दृष्टिकोण और रिपोर्टिंग में पारदर्शिता ने समाज और पर्यावरण के लिए स्थायी समाधान बनाने में उद्योग के मानक स्थापित किए हैं। अंबुजा सीमेंट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय कपूर ने कहा, अपने सभी प्रकार के संचालन कार्यों में हमारी सतर्कता संबंधी पहलों के कारण हमें ईएसजी इंडिया लीडरशिप अवार्ड्स 2022 में मान्यता प्राप्त होने की खुशी है। इसी पहल के कारण हमने समाज और पर्यावरण के लिए स्थायी समाधान बनाने में उद्योग के मानक स्थापित किए हैं। हम एक महत्वाकांक्षी लो कार्बन इकोनॉमी मॉडल और जल दक्षता को बढ़ावा देना जारी रखेंगे। हमारे समूह के दृष्टिकोण के अनुरूप, हम देश में अत्यधिक दीर्घकालिक सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी बनने की इच्छा रखते हैं।

शार्ट न्यूज

नौ नवंबर से होगा तेलंगाना मास्टर्स 2022

हैदराबाद। हैदराबाद गोल्फ संघ (एचजीए) और भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) के तत्वावधान में तेलंगाना मास्टर्स 2022 का आयोजन नौ से 12 नवंबर तक किया जाएगा। आयोजकों ने सोमवार को यह जानकारी दी। आयोजकों ने बताया कि 40 लाख रुपये इनाम राशि वाले टूर्नामेंट में 121 पेशेवर और चार शौकिया गोल्फर हिस्सा लेंगे। श्रीलंका के मिथुन परेरा, एन थंगराज, अनुरा रोहन और के प्रबागरन के साथ नेपाल के सुकरा बहादुर राय सहित पांच अंतरराष्ट्रीय खिलाडी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। स्थानीय चुनौती का नेतृत्व हैदराबाद के खिलाड़ी करेंगे जिनमें पेशेवर हैदर हुसैन, मोहम्मद अजहर और हार्दिक एस चावड़ा के साथ-साथ शौकिया गोल्फर तेज गंगावरापु, मिलिंद सोनी, संकीरथ निदादावोलु और विलोक गडवाल शामिल हैं। यह टूर्नामेंट तेलंगाना पर्यटन के सौजन्य से आयोजित हो रहा है। तेलंगाना के पर्यटन, संस्कृति और पुरातत्व मंत्री वी श्रीनिवास गौड़ ने प्रतियोगिता के साथ जुड़े होने पर गर्व व्यक्त किया। गौड़ ने कहा, हमें तेलंगाना मास्टर्स के आठवें संस्करण के साथ जुड़े रहने पर गर्व है।

जाखड़ ने विश्व चैंपियनशिप में भारत का खाता खोला

अल ऐनज। भारतीय पैरा-शूटर राहुल जाखड़ ने यहां पैरा शूटिंग विश्व चैंपियनशिप में सोमवार को कांस्य पदक हासिल किया। जाखड़ ने टूर्नामेंट में भारत का खाता खोलने के लिये पी3 मिश्रित 25 मीटर पिस्टल एसएच1 प्रतियोगिता में 21 के स्कोर के साथ अपने हमवतन निहाल सिंह को शिकस्त दी। निहाल 20 पॉइंट के साथ चौथे स्थान पर रहे जबकि दो बार के पैरा ओलंपिक मेडलिस्ट सिंहराज अधाना ने 13 अंकों के साथ छठा स्थान हासिल किया। जाखड़ ने क्वालीफिकेशन राउंड में 582 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया था जबकि सिंहराज और निहाल क्रमशः सातवें एवं आठवें स्थान पर रहे थे। पैरा शूटिंग विश्व चैंपियनशिप का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में छह से 17 नवंबर तक किया जाएगा।

रबर बॉल से विकेट के पीछे खेलना सीखा

एडिलेड। भारत के 360 डिग्री बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने सोमवार को बताया कि उन्होंने बचपन में रबर बॉल से खेलते हुए विकेट के पीछे शॉट लगाना सीखा है। सूर्यकुमार ने बीसीसीआई की ओर से जारी एक वीडियो में अश्विन के साथ बातचीत में कहा, मैं अपने शुरुआती दिनों में दोस्तों के साथ घर के पास रबर की गेंद से क्रिकेट खेलता था। वह 17-18 गज की पिच पर दौड़कर रबर की गीली गेंद फेंका करते थे। यह शॉट वहीं से आए हैं, मैं नेट में इनका अभ्यास नहीं करता। सूर्यकुमार ने ज़िम्बाब्वे के खिलाफ भारत के आखिरी सुपर-12 मुकाबले में भी अपनी चौतरफा बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने 25 गेंदों पर 61 रन की नाबाद पारी खेली, जिसमें छह चौके और चार छक्के शामिल थे। सूर्यकुमार ने कहा, सामने की बाउंड्री 80-85 मीटर की होती हैं। यहां (ऑस्ट्रेलिया में) दाएं-बाएं की बाउंड्री भी करीब 70 मीटर की हैं। सिर्फ विकेट के पीछे ही 60-65 मीटर की छोटी बाउंड्री है। मैं इसके साथ प्रयोग करने का प्रयास करता हूं।

श्रीलंका ने गुणथिलाका को निलंबित किया

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) बोर्ड ने ऑस्ट्रेलिया में यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तारी के बाद क्रिकेटर दनुष्का गुणथिलाका को खेल के सभी प्रारूपों से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। एसएलसी ने सोमवार को जारी बयान में कहा, श्रीलंका क्रिकेट की कार्यकारी समिति ने राष्ट्रीय खिलाड़ी दनुष्का गुणथिलाका को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला किया है। ऑस्ट्रेलिया में एक महिला के यौन उत्पीड़न के आरोप में गुणथिलाका को गिरफ्तार किए जाने की सूचना मिलने के बाद उन पर किसी भी चयन के लिए विचार नहीं किया जाएगा। बयान में कहा गया, इसके अलावा श्रीलंका क्रिकेट कथित अपराध की तुरंत जांच करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। ऑस्ट्रेलिया में उपरोक्त अदालती मामले के निष्कर्ष पर दोषी पाए जाने पर उक्त खिलाड़ी को दंडित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि गुणथिलाका को सिडनी में कथित यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उसे रविवार के शुरुआती घंटों में ससेक्स स्ट्रीट के एक होटल से गिरफ्तार किया गया। डेली मिरर के अनुसार, गुणथिलाका आज सिडनी की एक अदालत में हथकड़ी के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से पेश हुए।

ट्विटर बिना लेबल के खातों पर लगाएगा प्रतिबंध : एलन मस्क

सैन फ्रांसिस्को। ट्विटर पर विभिन्न खातों को एलन मस्क के नाम पर बदलने और अरबपति का उपहास उड़ाने के मामले सामने आने के बाद माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट के मालिक ने कहा कि इन गतिविधियों में शामिल होने वाले खाते को स्थायी तौर पर प्रतिबंधित किया जाएगा, अगर वह खाते पर हास्यपूर्ण व्यंग्य (पैरोडी) होने का उल्लेख नहीं करता है। मस्क ने सोमवार को ट्वीट की एक श्रृंखला में कहा कि पूर्व में ट्विटर खातों पर प्रतिबंध लगाने से पहले सूचना देता था लेकिन अब कोई सूचना नहीं दी जाएगी। मस्क ने पिछले सप्ताह के अंत में कंपनी के लगभग आधे कर्मचारियों की छंटनी की है जिससे ऐसे खातों की बाढ़ आ गयी। उन्होंने पुष्टि की है कि उपभोक्ता ब्लू टिक सत्यापन का दर्जा खरीद सकते हैं। ट्विटर मालिक ने हास्यपूर्ण व्यंग्य खातों पर नयी योजना पर ट्वीट किया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए मेरी प्रतिबद्धता मुझे लेकर भी खाते को प्रतिबंधित न करने तक फैली हुयी है, भले ही इसमें प्रत्यक्ष व्यक्तिगत सुरक्षा जोखिम ही हो। उन्होंने कहा, ट्विटर को विश्व में जानकारी से लिए सबसे सटीक स्त्रोत बनने की आवश्यकता है। यह हमारा अभियान है।

उ. कोरिया ने दी द. कोरिया, अमेरिका के खिलाफ बड़ा कदम उठाने की धमकी

सोल। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया तथा अमेरिका के खिलाफ बड़ा कदम उठाने की धमकी दी है। उ. कोरिया की सेना ने सोमवार को कहा कि द. कोरिया तथा अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास का सख्त और पुरजोर जवाब दिया जाएगा। अमेरिका में इस सप्ताह होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले उ. कोरिया परमाणु परीक्षण कर सकता है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक उ. कोरिया की सेना (केपीए) के जनरल स्टाफ ने कहा कि गत सप्ताह द. कोरिया और अमेरिका ने चार दिवसीय सैन्य अभ्यास किया था। इसके जवाब में उ. कोरिया ने 80 किलोमीटर तक मार कर सकने वाली दो सामरिक मिसाइल का परीक्षण किया है। केपीए ने कहा, सैन्य अभ्यास को लेकर केपीए की ओर से हाल में की गई कार्रवाई स्पष्ट संकेत हैं कि उ. कोरिया दश्मनों की ओर से लगातार की जा रही उत्तेजक सैन्य गतिविधियों का केपीए जोरदार तरीके से जवाब देगा। केपीए ने द. कोरिया तथा अमेरिका के सैन्य अभ्यान से निंदा की। केपीए ने कहा, केपीए नजर स्टाफ ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि उ. कोरिया के विरुद्ध दुश्मनों के सभी सैन्य अभ्यास का लगातार जोरदार तरीके से जवाब दिया जाएगा।

हमले में घायल अफगान छात्रा परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण

काबुल। अफगानिस्तान में सितंबर माह में एक आत्मघाती हमले में गंभीर रूप से घायल छात्रा ने उच्च अंकों के साथ विश्वविद्यालय परीक्षा उत्तीर्ण की है। बीबीसी की सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। बीबीसी ने रिपोर्ट में बताया कि काबुल में काज शिक्षा केंद्र पर हमला होने पर फतेमेह अमीरी (17) की एक आंख की रोशनी चली गई और उसके जबड़े और कान में भी गंभीर चोट आयी। इसके बावजूद भी छात्रा ने विश्वविद्यालयी परीक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। अफगानी छात्रा ने बीबीसी को बताया कि अब वह काबुल विश्वविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान की पढ़ाई कर रही है।

आईसीसी ने कोहली को चुना अक्टूबर का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने अक्टूबर में शानदार बल्लेबाजी की बदौलत आईसीसी की ओर से महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार जीत लिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को यह जानकारी दी।

कोहली ने अपने करियर में पहली बार यह खिताब जीतने के लिये ज़िम्बाब्वे के सिकंदर रज़ा और दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर को पछाड़ा। भारत के 33 वर्षीय बल्लेबाज ने इस माह के दौरान केवल चार मैच खेलकर क्रिकेट जगत को तीन यादगार पारियां दीं, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप में खेली गई 82 रन की पारी भी शामिल है।

कोहली ने 23 अक्टूबर को टी20 विश्व कप 2022 में भारत के पहले मुकाबले में 53 गेंदों पर छह चौकों और चार छक्कों की बदौलत नाबाद 82 रन की करिश्माई पारी खेलकर पाकिस्तान से जीत छीन ली थी। पाकिस्तान ने भारत को 160 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे भारत ने आखिरी गेंद पर हासिल किया।

एक समय भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 31 रन पर चार विकेट गंवा दिये थे, लेकिन कोहली ने हार नहीं मानी और हार्दिक पांड्या (40) के साथ 113 रन की साझेदारी कर भारत को विजय की दहलीज तक पहुंचाया। कोहली ने मैच के बाद यह भी स्वीकार किया कि यह उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी थी।

कोहली ने आईसीसी की ओर से पुरस्कार मिलने के बाद कहा, मेरे लिए

अक्टूबर का आईसीसी सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुना जाना बहुत सम्मान की बात है। दुनियाभर के प्रशंसकों और पैनल द्वारा चुने जाना इस पुरस्कार को और भी खास बना देता है।

कोहली ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी से पहले गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध टी20 मैच में 28 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाये थे। इसके बाद उन्होंने टी20 विश्व कप में नीदरलैंड पर भारत की जीत में भी 44 गेंदों पर 64 रन का योगदान दिया था।

कोहली ने कहा, मैं अन्य नामांकित व्यक्तियों को बधाई देना चाहता हूं, जिन्होंने महीने के दौरान इतना अच्छा प्रदर्शन किया और मेरे साथियों को भी, जो मेरी क्षमता के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए मेरा समर्थन करना जारी रखते हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर और पुरस्कार देने वाले पैनल के सदस्य डेरेन गंगा ने कहा, कोहली सर्वोत्कृष्ट बल्लेबाज हैं। उन्होंने बल्ले से एक खराब दौर से उबरने के लिए अपार क्षमता दिखाई। अक्टूबर में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 49 रन बनाने के बाद टी20 विश्व कप में दो अर्धशतक जड़े।

उन्होंने कहा, पाकिस्तान के खिलाफ उस शानदार पारी को सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में से एक के रूप में याद किया जाएगा। मैंने इसे मेलबर्न में लाइव देखा और इस तरह की स्थिति में ऐसा प्रदर्शन करने की क्षमता महान खिलाड़ियों में ही होती है।

टी20 विश्व कप 2022 में सर्वाधिक रन बनाने वाले कोहली ने भारत को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। अब भारत को एडिलेड में 10 नवंबर को खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड का सामना करना है।

इसी बीच, पाकिस्तान की ऑलराउंडर निदा डार को महिला एशिया कप में उनके सनसनीखेज फॉर्म की बदौलत महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी घोषित किया गया।

उन्होंने अक्टूबर के दौरान 72.50 की औसत से 145 रन बनाए और आठ विकेट भी लिए।

भारत के खिलाफ सेमीफाइनल से बाहर रह सकते हैं मलान

एजेंसी

एडिलेड। इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली ने कहा है कि उनके साथी और बाएं हाथ के बल्लेबाज डेविड मलान भारत के खिलाफ यहां 10 नवंबर को होने वाले टी20 विश्व कप सेमीफाइनल से बाहर रह सकते हैं।

बीबीसी ने सोमवार को यह जानकारी दी। विश्व के पूर्व नंबर एक टी20 बल्लेबाज मलान को श्रीलंका के विरुद्ध इंग्लैंड के आखिरी सुपर-12 मैच के दौरान ग्रोइन की चोट आई थी। मलान ने चोट की वजह से बल्लेबाजी भी नहीं की थी। इस मैच में इंग्लैंड ने चार विकेट की जीत दर्ज की थी।

बीबीसी ने मोईन के हवाले से कहा, जाहिर तौर पर मलान एक बड़े खिलाड़ी हैं। कई वर्षों से वह हमारे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। मुझे नहीं पता, लेकिन सच कहूं तो स्थिति बहुत अच्छी नहीं लग रही है। कल उनका स्कैन हुआ था। हम अभी बहुत कुछ नहीं जानते हैं लेकिन मुझे नहीं लगता कि स्थिति बहुत अच्छी है।

मोईन ने कहा यदि मालन भारत के खिलाफ नहीं खेलते तो फिलिप साल्ट एकादश में उनकी जगह ले सकते हैं। बल्लेबाजी क्रम में हालांकि नंबर तीन की भूमिका निभाने के लिए बेन स्टोक्स पसंदीदा खिलाड़ी हैं। स्टोक्स ने श्रीलंका के खिलाफ भी यही भूमिका निभाई थी। मोईन ने सेमीफाइनल से पहले कहा कि उनकी टीम भारत की तुलना में कमजोर है।

उन्होंने कहा, इंग्लैंड (भारत की तुलना में) कमजोर टीम है। भारत पिछले एक साल से शानदार खेल रहा है और अगर आप सिर्फ टूर्नामेंट को देखें तो भी वे अच्छा खेल रहे हैं। मुझे लगता है कि हम भारत की अपेक्षा थोड़े पीछे हैं।

रिकी पोंटिंग ने की भविष्यवाणी

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 के खराब अभियान के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम में कई बदलाव नजर आने वाले हैं। सबसे पहले तो कप्तान बदला जाएगा, क्योंकि आरोन फिंच के लिए ये शायद आखिरी टी20 टूर्नामेंट था। ऐसे में कंगारू टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने बताया है कि कौन से खिलाड़ी को आरोन फिंच की जगह कप्तान बनाया जाना चाहिए और क्यों? उन्होंने ग्लेन मैक्सवेल को लॉजिकल कैप्टन च्वॉइस बताया है। हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टी20 वर्ल्ड कप 2022 का अंतिम मैच नहीं खेल पाने वाले आरोन फिंच ने अभी तक पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाहर निकलने की पुष्टि नहीं की है, लेकिन यह संभावना है कि 35 वर्षीय खिलाड़ी ने एकदिवसीय खेल से संन्यास ले लिया है और वे वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट को भी अलविदा कहने वाले हैं, क्योंकि अगला टी20 मैच ऑस्ट्रेलिया को कई सालों के बाद खेलना है।

सेमीफाइनल के लिए अंतिम एकादश में बदलाव कर सकते हैं राहुल द्रविड़

मेलबर्न। भारतीय कोच राहुल द्रविड़ ने स्वीकार किया है कि वह आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल के लिए अंतिम एकादश में बदलाव करने पर विचार करेंगे।

भारत ने रविवार को सुपर 12 चरण के आखिरी मैच में जिम्बाब्वे को 71 रन से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। भारत ने इस जीत के साथ यह सुनिश्चित किया कि वह अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहे और एडिलेड में 10 नवंबर को होने वाले सेमीफाइनल में इंग्लैंड का सामना करे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार, द्रविड़ ने कहा कि वह सेमीफाइनल मैच के लिए अंतिम एकादश का चयन पिच देखे बिना नहीं करेंगे।

आईसीसी ने द्रविड़ के हवाले से कहा, मुझे लगता है कि हम अपने सभी 15

खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं। हमें पता है कि जो कोई भी टीम में आता है, वह संभावित रूप से हमें कमजोर नहीं बनाएगा।

द्रविड़ ने कहा, हम एडिलेड जाएंगे और वहां की पिच का मुआयना करेंगे। हमने वहां कुछ मैच देखें हैं और हम जानते हैं कि विकेट धीमा है। हमें एक अलग पिच मिल सकती है। बंगलादेश के खिलाफ जिस पिच पर हमने मैच खेले उस विकेट पर स्पिनर्स को ज्यादा फायदा नहीं मिला, इसके बावजूद हम वहां जाएंगे और विकेट देखने के बाद फैसला करेंगे कि इस विकेट के साथ हम टीम के लिए क्या कर सकते हैं।

इस मैच से पहले अक्षर पटेल की फॉर्म द्रविड़ के लिये चिंता का विषय है। वामहस्त ऑलराउंडर ने इस टूर्नामेंट के चार मैचों में सिर्फ तीन विकेट लिये हैं, जबकि बल्ले से उनका सर्वाधिक स्कोर सात रन रहा है।

एमसीजी में पाकिस्तान के खिलाफ अक्षर ने एकमात्र ओवर में 21 रन दिए, जबकि रविवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ 3.2 ओवर में 40 रन देकर वह एक बार फिर महंगे साबित हुए हैं। ऐसे में अक्षर की जगह लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को प्लेइंग इलेवन में मौका मिल सकता है।

द्रविड़ ने कहा कि अक्षर की फॉर्म उनकी टीम के लिए थोड़ी चिंता का विषय है, लेकिन उन्होंने टीम में लंबे समय तक अच्छा योगदान दिया है।

सर्दी का सितम, अन्न की कमी; अब रूस को शांत कराने के लिए भारत भरोसे यूरोप

नई दिल्ली। यूक्रेन और रूस के बीच छिड़े युद्ध को नौ महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक दोनों में से कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। जुलाई में संयुक्त राष्ट्र और तुर्की के दखल से यूक्रेन से राशन की बिक्री के लिए खेप को रवाना किए जाने पर मंजूरी मिली थी। इस पूरी बातचीत में पर्दे के पीछे से भारत ने भी भूमिका अदा की थी और रूस को अनाजों से भरे जहाजों के लिए रास्ता देने को राजी कर लिया था। यही नहीं दो महीने बाद जब रूस ने यूक्रेन के जापोरिझिझिया में न्यूक्लियर प्लांट पर बमबारी शुरू की तो पूरी दुनिया में खौफ का आलम था। इस बीच भारत ने फिर से दखल दिया और रूस को पीछे हटने के लिए राजी किया।

इस बीच एक बार फिर से चर्चाएं शुरू हैं कि क्या भारत के ही दखल से रूस और यूक्रेन के बीच शांति स्थापित हो सकेगी। यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध के दौरान भारत ने अहम मौकों पर दखल दिया है और अपनी उपयोगिता

साबित की है। इसी सप्ताह विदेश मंत्री एस. जयशंकर रूस के दौरे पर जाने वाले हैं। माना जा रहा है कि इस दौरान वह रूस से यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करने को लेकर भी बात कर सकते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर के कूटनीतिज्ञों की नजर इस विजिट पर है। भारत सरकार के अधिकारी भी इस बात पर चर्चा करते रहे हैं कि सही वक्त आने पर भारत की ओर से रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्थ की भूमिका अदा की जा सकती है।

अब तक की 9 महीने की जंग में रूस या यूक्रेन में से किसी ने भी पीछे हटने के इरादे जाहिर नहीं किए हैं। यूक्रेन का मानना है कि बीते कुछ महीनों में उसने युद्ध में अपनी स्थिति मजबूत की है। वहीं रूस का साफ मानना है कि वह पीछे नहीं हटेगा। हालांकि इस बीच सर्दियों के दिन आ गए हैं। यूक्रेन समेत पूरे यूरोप में सर्दियों में ऊर्जा की सप्लाई एक बड़ा संकट बन सकती है। ऐसे में यूक्रेन की ओर से युद्ध रोकने पर सहमति जताई जा सकती है। ऐसे हालात में भारत की ओर से यदि रूस को राजी कर लिया गया तो दुनिया में एक बड़ी जंग थम सकती है।

क्यों रूस और यूक्रेन के लिए भरोसेमंद होगा भारत

एक्सपर्ट्स का मानना है कि यदि युद्ध के मोर्चे से दोनों देश पीछे नहीं हटते हैं तो कम से कम संघर्ष विराम पर तो राजी हो ही सकते हैं। इस साल की शुरुआत में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पीएम नरेंद्र मोदी से इस बारे में बात भी की थी। हालांकि भारत और फ्रांस के प्रयास धरातल पर नहीं उतर पाए हैं। लेकिन इससे यह जरूर पता चला है कि दोनों देशों के बीच भारत एक पहल करने की स्थिति में है। एशियन स्टडीज सेंटर के डायरेक्टर जेफ एम. स्मिथ ने कहा कि यदि रूस और यूक्रेन बातचीत के लिए किसी तीसरे पक्ष पर सहमति जताते हैं तो भारत की भूमिका अहम हो सकती है। उस पर दोनों देश भरोसा करने की स्थिति में होंगे।

इमरान खान केस में पाक सुप्रीम कोर्ट की एंट्री, 24 घंटे का अल्टीमेटम; स्वतः संज्ञान लेने की चेतावनी भी

नई दिल्ली। इमरान खान पर हुए जानलेवा हमले के केस में अब पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट की भी एंट्री हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब के पुलिस प्रमुख फैसल शाहकर को 24 घंटे के भीतर मामले में मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई कि अभी तक मुकदमा क्यों नहीं लिखा गया। अगर ऐसा ही रहा तो सुप्रीम कोर्ट मामले का स्वत: संज्ञान लेगा। बता दें कि 3 नवंबर को पीटीआई के मार्च के दौरान हुए जानलेवा हमले में इमरान खान के पैर पर गोली लग गई थी। इस घटना में एक की मौत हो गई थी और 11 लोग घायल हो गए थे।

दरअसल, पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) उमर अता बंदियाल ने इमरान खान पर हुए जानलेवा हमले में प्राथमिकी दर्ज नहीं होने पर स्वतः संज्ञान लेने की चेतावनी दी। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, सीजेपी ने पंजाब के महानिरीक्षक (आईजी) फैसल शाहकार से भी पूछा कि मामले में प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं की गई?

पाकिस्तान के चीफ जस्टिस ने पूछा, हमें बताएं कि प्राथमिकी कब दर्ज की जाएगी? प्राथमिकी दर्ज नहीं करने का एक ठोस कारण होना चाहिए। सीजेपी ने आईजी को मामले की जांच के लिए अधिकारियों को बुलाने का निर्देश देते हुए कहा, कानून के अनुसार काम करना है, अदालत आपके साथ है।

पुलिस की सुप्रीम कोर्ट में दलील

आईजी शाहकर जिन्होंने पंजाब सरकार से अलग होने का फैसला किया है और मुख्यमंत्री परवेज इलाही के नेतृत्व में मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था के साथ काम करने से इनकार कर दिया है, ने अदालत को सूचित किया कि हमने प्राथमिकी दर्ज करने के संबंध में पंजाब के सीएम से बात की है लेकिन उन्होंने कुछ आपत्तियां व्यक्त की हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आप अपना काम करो, हम रहेंगे साथ

शाहकर ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पंजाब ने चार साल में आठ आईजी देखे हैं। सीजेपी ने प्रांतीय पुलिस प्रमुख को आश्वासन दिया कि जब तक वह आईजी के पद पर तैनात हैं, तब तक कोई भी उनके काम में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

कहा, आईजी साहब, आप अपना काम करो। अगर कोई हस्तक्षेप करता है, तो अदालत उनके काम में हस्तक्षेप करेगी।

अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए

काबुल। अफगानिस्तान के उत्तरी बदख्शान प्रांत में सोमवार सुबह भूकंप के मध्यम झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.4 मापी गयी। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वे ने कहा कि आज सुबह बदख्शान प्रांत के कुछ हिस्सों में 5.4 तीव्रता का भूकंप आया। प्रांत के लिए सूचना और संस्कृति के तालिबान प्रमुख मोइजुद्दीन अहमदी के मुताबिक बदख्शान के शघनान जिले में भूकंप की पुष्टि की गई थी। भूकंप का केन्द्र जुरम जिले में जमीनी सतह से 103 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। बदख्शान प्रांत के फैजाबाद शहर के साथ साथ ही ताजिकिस्तान के कई क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। वर्तमान में भूकंप से जानमाल के नुकसान के बारे में कोई सूचना नहीं मिली है। अफगानिस्तान में प्राकृतिक आपदाएं, भूकंप, अचानक बाढ़, भूस्खलन और तेज हवा के झोंकों ने देश को जरबदस्त ढंग से प्रभावित किया है।

सीओपी-27 में अमीर, गरीब देशों में टकराव

काहिरा। जलवायु मुद्दे को लेकर मिस्र के शर्म एल शेख में आयोजित सीओपी-27 की बैठक में अमीर और गरीब देशों में टकराव देखने को मिल सकता है। संयुक्त राष्ट्र ने पिछले सप्ताह चेतावनी दी थी कि कार्बन उत्सर्जन में कटौती का वैश्विक प्रयास बेहद ही कम है जिससे दुनिया तबाही की राह पर है। बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इस मुद्दे पर आयोजित होने वाली बैठक की मेजबानी करने वाले मिस्र ने कड़ी चुनौती निर्धारित की है। गत वर्ष ग्लासगो में आयोजित संरा जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में इस चुनौती से निपटने के लिए कार्बन उत्सर्जन में कटौती, वित्त, नेट जीरो, जंगल संरक्षण तथा अन्य संकल्प पारित किए गए थे। मिस्र ने कहा है कि उसका सम्मेलन इन सभी संकल्पों को लागू करने के बारे में होगा। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक इसका सीधा मतलब है कि यह सम्मेलन नगदी और विशेष रूप से विकसित देशों अपने वादों के अनुसार जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विकसित देशों को अच्छी वित्तीय सहायता करने के लिए आगे आना होगा। संभवत: इसी वजह से बैठक में अमीर और गरीब देशों में टकराव की संभावना जतायी गयी है। रूस और यूक्रेन के बीच जब से युद्ध शुरू हुआ है, तब से वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट तथा कुछ देशों में राजनैतिक अस्थिरता उत्पन्न हो गयी है। इस वजह से मिस्र में आयोजित बैठक में जलवायु परिवर्तन को लेकर अपने वादों को पूरा करने को लेकर टकराव होने की उम्मीद है।

ब्रिटेन में लोगों को चढ़ाया गया प्रयोगशाला में विकसित रक्त

लंदन। ब्रिटेन में दुनिया के पहले क्लिनिकल परीक्षण के तहत प्रयोगशाला में विकसित किए गए रक्त को लोगों में चढ़ाया गया है। ब्रिटेन के शोधकर्ताओं ने यह जानकारी दी। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक ये उन लोगों के लिए आवश्यक हैं जो सिकल सेल एनीमिया जैसी स्थितियों के लिए नियमित रक्त संचार पर निर्भर हैं। यदि रक्त का सटीक मिलान नहीं होता है तो शरीर इसे अस्वीकार करना शुरू कर देता है और उपचार विफल हो जाता है। ऊतक-मिलान का यह स्तर प्रसिद्ध ए, बी, एबी और ओ रक्त समूहों से परे है। ब्रिस्टल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एशले टोए ने कहा कि कुछ समूह 'वास्तव में, दुर्लभ' हैं और 'देश में केवल 10 लोग ही दान करने में सक्षम हो सकते हैं।' रिपोर्ट के मुताबिक पहली बार भारत में पहचान की गई 'बॉम्बे' रक्त समूह की इस समय केवल तीन इकाइयाँ हैं। इसका पूरे ब्रिटेन में स्टॉक है। अनुसंधान परियोजना ब्रिस्टल, कैम्ब्रिज, लंदन और एनएचएस ब्लड एंड ट्रांसप्लांट की टीमें मिलकर अंजाम दे रही हैं। यह लाल रक्त कोशिकाओं पर केंद्रित है जो फेफड़ों से ऑक्सीजन को शरीर के बाकी हिस्सों में ले जाती है।

हमीद करजई के भाई महमूद को तालिबान ने हिरासत में लिया

काबुल। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई के भाई महमूद करजई को तालिबान ने काबुल हवाईअड्डे पर हिरासत में ले लिया है। तालिबान के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि पूर्व शहरी विकास और भूमि मंत्री महमूद करजई पर कानूनी मुद्दों की वजह से विदेश यात्रा करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। खामा प्रेस ने सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया कि प्रमुख अफगान व्यवसायी महमूद को रविवार को काबुल हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया है। तालिबान के प्रधानमंत्री कार्यालय के करीबी सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया कि महमूद को तालिबान की खुफिया विभाग ने कल काबुल हवाई अड्डे से उस समय हिरासत में ले लिया जब वह दुबई के लिए एरियाना एयरलाइंस की उड़ान में सवार थे। इस्लामिक अमीरात के प्रवक्ता बिलाल करीमी ने पुष्टि की कि महमूद को कानूनी मुद्दे के कारण अफगानिस्तान छोड़ने पर रोक लगा दी गई थी, लेकिन महमूद करजई की गिरफ्तारी से इनकार किया। सूत्रों का मानना है कि महमूद करजई की नजरबंदी के पीछे का मकसद उनके भाई हामिद करजई की राजनीतिक टिप्पणी हो सकती है। पूर्व राष्ट्रपति करजई और अब्दुल्ला अब्दुल्ला दो उच्च-स्तरीय राजनेता हैं जो तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर नियंत्रण करने के बाद भी अफगानिस्तान में बने रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

हर बच्चा अलग होता है, खास होता है और बेहद प्यारा होता है। अपने बच्चे की परवरिश के दौरान यह जरूर याद रखें। अपने बच्चे को अपनी तरह से जीने के लिए तैयार करें, ना कि किसी दूसरे के बच्चे की तरह। इससे वह भी खुश रहेगा और आप भी।

आपका बच्चा है सबसे खास

शिवानी बचपन में खासी जिद्दी थी। खाना खाने के नाम पर बिस्तर के नीचे घुस जाती। मां और दादी को खूब चिरौरी करके उसे खाना खिलाना पड़ता। अगर उसका स्कूल यूनिफॉर्म जरा सा भी मैला होता, तो वह स्कूल ही जाने से इनकार कर देती। चोटियों की रिबन एक लेवल पर बंधी होनी चाहिए, शूज के लेस अगर उन्नीस-बीस भी बंधे होते, तो वह खड़े-खड़े रोने लगती। शिवानी ने बाद के दिनों में अपनी जिद पर काबू पा लिया। खासकर जब उसकी बेटी रूही हुई, तो उसे लगा कि वह भी उसी की तरह जिद्दी होगी। पर नहीं। रूही जिद्दी नहीं थी, पर अपनी मां की तरह चुप नहीं बैठती थी। तरह-तरह की कहानियां बनाने का गजब का शौक था रूही को। एक दिन अपनी टीचर से कह आई कि मेरी मां रात को परी लोक चली जाती है और सुबह लौट कर आती है। उसने टीचर से यह भी कहा कि उसके घर में एक राक्षस रहता है। टीचर ने शिवानी को बुलवाया और जब उसे रूही की कहानी के बारे में बताया, तो शिवानी चौंक गई। स्कूल के बाल मनोविज्ञान विशेषज्ञ डॉक्टर सी.के. चंद्रा ने बताया कि हर बच्चा अलग होता है। यह जरूरी नहीं कि वह अपने पेरेंट्स की तरह हो। इसलिए हर बच्चे की परवरिश अलग तरह से होनी चाहिए। पेरेंटिंग का वैसे भी कोई तयशुदा फॉर्मूला नहीं होता। अगर बच्चा जिद्दी है, एग्रेसिव है, शर्मीला है या खाने से जी चुराता है, उसे समझाने के लिए आप एक तरह का रवैया नहीं अपना सकते। जरूरी बात तो यह है कि आप अपने बच्चे को वह जैसा है, वैसा ही अपनाएं। उसके मूल स्वभाव को बदलने की कोशिश ना करें। नौ साल की रंजिनी अच्छा गाती थी, पर दूसरों के सामने गाते समय वह हकलाने लगती थी। रंजिनी की मम्मी पायल चाहती थी कि उसकी बेटी संगीत के रियलिटी शो का हिस्सा बने। रंजिनी स्टेज पर पहुंच कर हकलाने लगी और जज ने उसका मजाक बना दिया। इस घटना का रंजिनी पर इतना बुरा असर पड़ा कि वह डिप्रेशन का शिकार हो गई। वह अब किसी से भी बिना हकलाए बोल नहीं पाती। डॉक्टर मधुमती कहती हैं, 'पेरेंट्स अपने बच्चे की तुलना दूसरे बच्चे से करते हैं। यह गलत है। बच्चों से उस बात की अपेक्षा करिए, जो उनकी पहुंच के अंदर हो। किसी भी तरह का अनावश्यक दबाव उन्हें या तो विद्रोही बना देता है या दब्बू।'

आपका बच्चा कैसे है खास?

जब पहली बार अपने मुंह से वह मां कहता है, आपकी जिंदगी बदल जाती है। आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका बच्चा कैसा दिखता है, आपके लिए वह संसार का सबसे अनमोल रत्न है। हर बच्चे की जरूरत अलग होती है। आपका बेटा दिन में सिर्फ दो बार दूध पीता है, बेटी चार बार पीती है। बेटा साइंस में कमजोर है और बेटी को भाषा संबंधी दिक्कतें ज्यादा होती हैं। उनकी जरूरतों और पसंद के हिसाब से आपको उनके भविष्य की तैयारी करनी होगी। दस साल तक के बच्चे लगभग हर बात के लिए पेरेंट्स पर निर्भर करते हैं और सबसे ज्यादा विश्वास अपने माता-पिता पर ही करते हैं।

बच्चों के साथ ये कभी ना करें

बच्चों की छोटी से छोटी समस्या की अनदेखी ना करें। हो सकता है वह आपको अपने से जुड़ी कोई बड़ी बात बताना चाह रहा हो। आपका बच्चा आपकी जिंदगी में रोशनी का काम करता है। पर आप उसका इस्तेमाल अपने स्वार्थ के लिए ना करें। आपका सपना आपका है, बच्चे का नहीं। अगर आप डॉक्टर नहीं बन पाए, तो बच्चे को इसके लिए फोर्स ना करें। वह अगर बनना चाहता है, उसकी दिलचस्पी है, तो उसे आगे बढमने में मदद करें। अपने रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए बच्चों से राजनीति ना करवाएं। बच्चे को घर में दूसरे रिश्तेदारों के खिलाफ ना भडम्काएं। वे इससे कन्फ्यूज्ड हो जाते हैं और अपना संतुलन खो देते हैं। बच्चे की सीमा को जानें। उस पर सीमा से आगे बढ़ने का दबाव ना डालें। अगर आपके बच्चे को कोई तन या मन से जुड़ी समस्या है, तो उसे स्वीकार करें। बच्चे बहुत सेंसिटिव होते हैं और मां-पिता की बेचारगी भांप लेते हैं।

पांच बातें जरूर रखें याद

अगर आपका बच्चा पढ़ाई से जी चुराता है, तो निश्चित ही वह ट्यूशन जाने से भी बचेगा। सबसे पहले यह जानने की कोशिश कीजिए कि उसे पढ़ना क्यों नहीं पसंद? कहीं वह डिस्लेक्सिक या स्लो लर्नर तो नहीं? अगर नहीं, तो वह जब पढ़ने बैठे तो उसके साथ बैठें और उसे आसान शब्दों में समझाने की कोशिश करें। हो सकता है इसकी तैयारी आपको पहले से करनी पड़े। शर्मीले बच्चों को उनकी खोल से निकालने के लिए उन्हें अपने साथ किसी क्लब में या बच्चों के ग्रुप में खेलने ले जाएं। शर्मीले बच्चे धीरे रिएक्ट करते हैं। लेकिन अपना काम बखूबी करते हैं। उनको स्पेस दें और उनके काम की तारीफ करें। आप जितना समय उनके साथ बिताएंगी, वे दूसरों के साथ उतनी जल्दी सहज होते जाएंगे। हाइपर एक्टिव बच्चे को हर वक्त किसी काम में लगाएं। उनको एक दिन पहले ही दूसरे दिन के काम के बारे में बता दें। कभी बागवानी, तो कभी क्राफ्ट, कभी पेंटिंग तो कभी खेल-कूद। इन बच्चों को अगर चुपचाप घर बैठने को कहेंगी, तो ये तोड़-फोड़ मचाना शुरू कर देंगे। इनकी एनर्जी सही जगह पर लगाएं। वैसे हाइपर बच्चे जल्दी ही किसी काम से बोर भी हो जाते हैं, पर जो भी काम करते हैं, दिल से करते हैं। झूठ बोलने वाले या ज्यादा गपबाजी करने वाले बच्चे अपनी दुनिया के शहंशाह होते हैं। इनकी बातों पर बहुत ध्यान ना दें, ना ही गंभीरता से लें। अगर आप रस लेकर उनकी बातें सुनेंगी, उनकी बातों को चटखारे लेकर दूसरों को बताएंगी, तो उनकी यह आदत बढ़ती जाएगी। बात-बात पर रोने वाले या घबरा जाने वाले बच्चों में आत्मविश्वास की कमी होती है। घर का माहौल अगर स्वस्थ नहीं है, कोई बीमार है, झगड़ा ज्यादा होता है या पैसे की तंगी है, तो बच्चों में आत्मविश्वास की कमी होने लगती है। बच्चे पर इनका असर ना पड़ने दें। बच्चे को इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि उसकी स्कूल की फीस कितनी है, उसे घर और स्कूल में पढ़ाई का माहौल चाहिए। वह ऐसे लोगों के बीच रहना चाहता है, जहां वह अपने आपको सुरक्षित महसूस करता हो।

गर्भवती मां की सबसे बड़ी चिंता

भारत में लगभग 87 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं की सबसे बड़ी चिंता यह होती है कि गर्भधारण और बच्चे के जन्म के बाद वो कैसी दिखेंगी। 600 महिलाओं पर किए गए सर्वे के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है। सर्वे में शामिल 76 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें कभी-कभी बहुत बुरा लगता है, क्योंकि आसपास के सभी लोगों का सबसे ज्यादा ध्यान होने वाले बच्चे पर होता है, जबकि शारीरिक बदलाव और दर्द के दौर से वो गुजर रही होती है। वहीं, 93 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि उन्हें लगता है कि उनके पति चाहते हैं कि बच्चे के जन्म के बाद उनका फिगर पहले जैसा हो जाए। 90 प्रतिशत महिलाओं के लिए सबसे बड़ी चिंता प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाले स्ट्रेच मार्क्स होते हैं।

बस 5 मिनट और आप तैयार

वक्त कम है। ढेर सारा काम है। पर खूबसूरत तो दिखना ही है ना! सिर्फ पांच मिनट में कैसे तैयार हों, ताकि वक्त की कमी आपकी खूबसूरती को निखारने की राह में न आए।

- पांच मिनट के भीतर आप तैयार हो सकती हैं, बशर्ते आपकी आईब्रो सही शेप में हो, आपकी त्वचा भीतर से खूबसूरत हो, आपने वैक्सिंग करवा रखी हो और आपमें किसी भी लुक को अपना बनाने का आत्मविश्वास हो। त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए संतुलित और पोषक खाना खाएं और ढेर सारा पानी पिएं। वहीं अपने वॉर्डरोब में मिक्स-एंड-मैच करने वाले कपड़े रखें, ताकि कहीं बाहर जाने से पहले कपड़े तलाशने में आपको वक्त जाया न करना पड़े।
- मेकअप शुरू करने से पहले त्वचा पर प्राइमर लगाएं। प्राइमर त्वचा को नमी और पोषण देने के साथ-साथ उसे मुलायम भी बनाता है। प्राइमर को आप फाउंडेशन भी कह सकती हैं। मेकअप करने के लिए ग्लो अप प्राइमर का इस्तेमाल करें। इससे आपकी त्वचा की रंगत एक जैसी दिखेगी और साथ ही उसमें चमक भी आएगी। ग्लो अप प्राइमर एक्ने और अन्य दाग-धब्बों के निशान को भी छुपा देता है। आंखों के लिए नियॉन रंग के आईलाइनर का इस्तेमाल करें। सी ग्रीन, ऑरेंज और एप्पल ग्रीन रंग के आईलाइनर आजकल चलन में हैं। इसके साथ आंखों में काजल, बड़ी बिंदी और लिपस्टिक आपके पूरे लुक को कई गुना बेहतर बना देंगे।
- एक सामान्य-सी ड्रेस को एक्सेसरीज की मदद से आप बेहद खास ड्रेस में तब्दील कर सकती हैं। ए लाइन सलवार-सूट पूरी तरह से आउट ऑफ फैशन हो चुके हैं। अनारकली सूट या मिक्स एंड मैच सलवार-सूट और उसके साथ एक साधारण-सी चोटी से आपको बहुत खूबसूरत लुक मिलेगा। अगर मौका कोई खास है और आप साड़ी पहनने की सोच रही हैं तो उसके साथ कमरबंध भी पहन सकती हैं। इसके अलावा आप अपनी साड़ी को बंगाली स्टाइल में पहनकर उसके साथ चाबी के छल्ले को एक्सेसरीज के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।
- आपके पूरे लुक का एक अहम हिस्सा है, हेयर स्टाइल। पर, जरूरी नहीं है कि जो हेयरस्टाइल आपकी मम्मी पर बहुत अच्छा लग रहा है, आप पर भी अच्छा लगे। इसलिए अपनी पर्सनैलिटी और लुक को ध्यान में रखते हुए ही अपना हेयरस्टाइल चुनें। फिश टेल चोटी, ढीली पोनीटेल, फ्रेंच जूड़ा और लो जूड़ा भी आप बना सकती हैं। इसके साथ गजरा या अन्य फ्लोरल एक्सेसरीज का इस्तेमाल करना न भूलें।
- जंक ज्वेलरी और डायमंड ज्वेलरी का चलन अब कम हो रहा है। सोने की ज्वेलरी फिर से चलन में है। अगर आपकी ड्रेस से मैच करती कुंदन ज्वेलरी आपके पास है, तो आप उसे भी पहन सकती हैं।

भारतीय शादी से जुड़े रीति-रिवाजों की तुलना किसी अन्य देश के रीति-रिवाजों से नहीं की जा सकती। हर दिन इस्तेमाल में आने वाली आम चीजें, शादी की रीति-रिवाजों में खास हो जाती हैं। पान, सुपारी और हल्दी जैसी चीजें कैसे बनाती हैं आपकी शादी को खास।

आपकी शादी को खास बनाती हैं ये सामग्री

खूबसूरत त्वचा के लिए हल्दी

शादी से जुड़ी सबसे आम रस्म है हल्दी लगाना। शादी से एक दिन पहले दूल्हा और दुल्हन को शादीशुदा महिलाएं हल्दी लगाती हैं। पारंपरिक रूप से हल्दी की इस विधि में दुल्हन पीले रंग का कपड़ा पहनती है। हल्दी के कार्यक्रम के बाद दूल्हा और दुल्हन को एक-दूसरे से मिलने की इजाजत नहीं होती है। हल्दी, बेसन और तेल को मिलाकर इस दिन के लिए उबटन बनाया जाता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक गुण होता है, वहीं बेसन त्वचा को साफ करके उसमें चमक लाता है और तेल त्वचा को जरूरी नमी प्रदान करके उसकी खूबसूरती बढ़ाता है। कई बार इस उबटन में चंदन और केसर भी मिलाया जाता है ताकि त्वचा की खूबसूरती और बढ़ सके।

समृद्धि का प्रतीक है चावल

भारतीय खानपान में चावल का प्रमुखता से इस्तेमाल होता है और चावल के इसी गुण के कारण उसे शुद्ध और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। शुद्धता के इस प्रतीक का इस्तेमाल हमारे यहां के समारोह और रीति-रिवाजों में बहुलता से किया जाता है। हिंदू विवाह के दौरान नए जोड़े को आशीर्वाद देने के लिए उनके ऊपर चावल छिड़का जाता है। ऐसी मान्यता है कि चावल नकारात्मक चीजों को दूर भगाता है, इसलिए विवाह के दौरान प्रज्वलित अग्नि में दूल्हे के द्वारा चावल भी डाला जाता है। घर की देवी को भी चावल अर्पित किया जाता है। शादी के बाद विदाई के वक्त दुल्हन अपने हाथों में चावल भरकर उसे अपने सिर के पीछे की ओर फेंकती है, वहीं अपने ससुराल पहुंचकर वह चावल से भरे बरतन को अपने पैरों से गिराकर घर में प्रवेश करती है। इन दोनों रिवाजों के माध्यम से दुल्हन यह प्रार्थना करती है कि उसके मायके और साथ ही साथ उसके ससुराल में समृद्धि हमेशा बनी रहे।

पान-सुपारी भी हैं खास

हर धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ-साथ शादी से जुड़े विभिन्न विधि-विधानों का अहम हिस्सा है पान और सुपारी। कई धार्मिक रीति-रिवाजों में तो सुपारी को देवी का प्रतीक भी माना जाता है। वहीं, पान का पत्ता ताजगी और समृद्धि का प्रतीक है। कई हिंदू विवाह में पान के पत्ते को दूल्हा और दुल्हन के सिर पर लगाया जाता है। दूल्हे के परिवार का स्वागत भी पान के पत्ते से किया जाता है और अमूमन शादी की हर विधि में पान के पत्ते का इस्तेमाल होता है। वहीं, पान का पत्ता और नारियल सभी मेहमानों को धन्यवाद के प्रतीक के रूप में भी दिया जाता है।

शुद्ध नदियों का प्रतीक पानी

शादी के विभिन्न रीति-रिवाजों में पानी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है। पानी शुद्ध नदियों का प्रतीक है। इसे जिंदगी और जीवन चक्र का आधार माना जाता है। सभी धर्म और समुदाय में सफाई करने के लिए, सेहत को बेहतर बनाने के लिए, अच्छे भविष्य और समृद्धि के लिए शादी के रीति-रिवाजों में पानी का इस्तेमाल किया जाता है।

इनका भी होता है इस्तेमाल

- आम, केला, नीम और तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल भी शादी के विभिन्न रीति-रिवाजों में किया जाता है। ये सभी पत्ते शुद्धता के प्रतीक हैं।
- जब दुल्हन गृह-प्रवेश करती है, उस समय गुड़ खिलाकर उसका स्वागत किया जाता है। शादी के बाद के विभिन्न रिवाजों में दही का इस्तेमाल भी होता है।
- घी को पवित्र माना जाता है और शादी के अमूमन सभी रिवाजों में घी का इस्तेमाल दीप जलाने के लिए किया जाता है।
- कई समुदायों में दुल्हन के पैर धोने के लिए दूध और नारियल पानी का इस्तेमाल किया जाता है।

CMYK CMYK CMYK CMYK